हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक शनिवार, दिनांक 05 मार्च, 2022 को माननीय अध्यक्ष, श्री विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

प्रश्न काल

तारांकित प्रश्न

05.03.2022/1100/KS/HK/1

प्रश्न संख्याः 4792

श्री अरुण कुमार (प्राधिकृत)ः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह बैजनाथ का एक मात्र खेल मैदान है, जिसके लिए मु0 73,38,900 रुपये की अनुमानित लागत के प्राक्कलन भिजवाए गए थे। मगर इस ग्राउंड का काम अभी तक नहीं चल पाया है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कब तक इस खेल मैदान का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा और वहां पर ऐसी कौन सी कमी है?

वन मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की चिंता से मैं बिल्कुल सहमत हूं। बैजनाथ के बीच में यह एक मात्र ग्राउंड है जिसमें बच्चों के खेलने-कूदने की व्यवस्था की जा सकती है। जब से विधायक साहब ने इसकी प्रपोज़ल भेजी है, हम इसको परसू कर रहे हैं। जब हमने स्पॉट पर इसके कागज़ मंगवाए, पी.डीब्ल्यू.डी. से एस्टिमेट मंगवाया और हमने स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट को उसको ट्रांसफर करने के लिए कहा तो उसमें 30 परसेंट के करीब एन्क्रोचमैंट है। मेरी अभी भी उपायुक्त और एस.डी.एम. से बात हुई है हमने कहा कि या तो एन्क्रोचमैंट के ऊपर आप काम करते रहे। एन्क्रोचमैंट के अलावा जो जगह बचती है, उसका केस बनाकर आप हमें भेजो। हमने इसके लिए 30 लाख रुपये का प्रावधान किया हुआ है परन्तु क्योंकि जगह हमारे पास नहीं है तो हम उसको बजट नहीं दे पाएंगे। इसलिए हमने डिप्टी कमिशनर और एस.डी.एम. दोनों को कह दिया है कि आप रिवाइज्ड एस्टिमेट उस जगह को छोड़कर, उस पर तो आप कार्रवाई करें ही करें परन्तु उसको छोड़कर आप हमें एस्टिमेट दें so that we can go ahead with this stadium.

प्रश्न समाप्त

05.03.2022/1100/KS/HK/2

प्रश्न संख्याः 4793

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन 6 संस्थानों के साथ आपके पास प्रदेश में कुल कितने नर्सिंग संस्थान हो गए हैं?

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी----

05-03-2022/1105/av/hk/1

प्रश्न संख्या : 4793---------क्रमागत

श्री मुकेश अग्निहोत्री--------- जारी

इनमें कुल कितनी सीट्स हैं तथा कितनी हर साल पास आउट हो रही हैं? प्रदेश में नर्सिज की कितनी पोस्ट्स खाली हैं तथा नर्स की नौकरी लेने के लिए कितनी प्रशिक्षण प्राप्त नर्सें कतार में खड़ी हैं? माननीय मंत्री, आप केवल यह न समझें कि इस प्रश्न के माध्यम से हमें आपसे केवल सूचना चाहिए बल्कि मैं प्रदेश में नर्सिज के ओवरऑल स्टेटस के बारे में जानकारी चाहता हूं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को पहले हिमाचल प्रदेश में नर्सिज के विभिन्न केटेगरी के कोर्सवाइज संस्थानों की जानकारी देना चाहता हूं। प्रदेश में ए0एन0एम0 से लेकर एम0एस0सी0 नर्सिंग तक के सारे कोर्सिज गवर्नमैंट और प्राइवेट सेक्टर यानी दोनों में चलाए जा रहे हैं। एम0एस0सी0 नर्सिंग का गवर्नमैंट सेक्टर में एक और प्राइवेट सेक्टर में 7 संस्थान हैं, इस प्रकार से इनकी कुल संख्या 8 हैं। बी0एस0सी0 नर्सिंग कोर्स के गवर्नमैंट सेक्टर में 2 तथा प्राइवेट सेक्टर में 41 संस्थान हैं। पोस्ट बेसिक बी0एस0सी0 नर्सिंग कोर्स गवर्नमैंट सेक्टर में 1 तथा प्राइवेट सेक्टर में 17 संस्थानों में चलाया जा रहा है और इनकी कुल संख्या 18 हैं। जी0एन0एम0 नर्सिंग कोर्स गवर्नमैंट सेक्टर में 6 और प्राइवेट सेक्टर में 36 संस्थानों में चलाया जा रहा है और इनकी कुल संख्या 42 हैं। ए0एन0एम0 नर्सिंग कोर्स सरकारी क्षेत्र के एक संस्थान और प्राइवेट सेक्टर में 7 संस्थानों में चलाया जा रहा है और इनकी कुल संख्या 8 हैं।

एम0एस0सी0 नर्सिंग की सरकारी और प्राइवेट सेक्टर को मिलाकर के कुल सीट्स 181, बी0एस0सी0 नर्सिंग की 1770, पोस्ट बेसिक बी0एस0सी0 नर्सिंग की 535, जी0एन0एम0 नर्सिंग की 1540 सीट्स और ए0एनएम0 की कुल 310 सीट्स हैं। इस प्रकार से प्रदेश में प्रति वर्ष ए0एन0एम0 से लेकर के एम0एस0सी0 नर्सिंग कोर्स के कुल मिलाकर 4336 स्टूडेंट्स निकलते हैं। आपने यह भी पूछा है कि वर्तमान में प्रदेश में कुल नर्सिज की कितनी पोस्ट्स खाली हैं तो मैं बताना चाहूंगा कि अभी 800 पोस्ट्स खाली हैं तथा 238 और नए पद भरे जाने के संदर्भ में प्रक्रिया जारी है और इसमें बैचवाइज भर्ती की जाएगी। Rest will also be filled up through direct recruitment on regular basis.

समाप्त

05-03-2022/1105/av/hk/2

प्रश्न संख्या :4794

श्री अर्जुन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री के ध्यान में लाना चाहता हूं कि यहां पर जो सूचना दी गई है वह तथ्यों से हटकर है। देहरा, नगरोटा, सूरियां, ज्वाली राजा का तालाब एम0डी0आर0-80 सड़क पड़ता है और इसके बारे में लिखा गया है इसका कार्य फरवरी, 2022 में पूरा कर लिया है। लेकिन वास्तविकता यह है कि ज्वाली से नगरोटा-सूरियां तक सड़क की बहुत खराब हालत है और इसमें इस प्रकार का कोई कार्य नहीं हुआ है। अतः मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इसका कार्य कब तक आरंभ कर दिया जाएगा?

मुख्य मंत्री टी सी द्वारा जारी

05/03/2022/1110/टी0सी0वी0/YK/1

प्रश्न संख्या : 4794... क्रमागत्

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न का जो जवाव दिया गया है, वह सही है लेकिन वास्तव में यह सड़क दो विधान सभा क्षेत्रों में पड़ती है। इसका 12 से 29 किलोमीटर का जो पोर्शन

है उसको सी0आर0आई0एफ0 के अंतर्गत बनाया गया है। यह पोर्शन देहरा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दूसरा, जो 29 से 69 किलोमीटर का क्षेत्र है, यह देहरा और ज्वाली क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह पोर्शन सिंगल लेन है और इसमें कवर्ड नहीं है। **विभाग इसकी डी0पी0आर0 सी0पी0आर0आई0 के तहत बनाने के बारे में विचार कर रहा है और उसके पश्चात् इसको स्वीकृति हेतु भारत सरकार को भेजा जाएगा। जैसे ही भारत सरकार से इसको स्वीकृति मिल जाएगी इसका कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।**

प्रश्न समाप्त ।

प्रश्न संख्याः 4795

श्री अनिरुद्ध सिंह : उपस्थित नहीं।

प्रश्न संख्याः 4796

श्री कर्नल इन्द्र सिंह : उपस्थित नहीं।

05/03/2022/1110/टी0सी0वी0/YK/2

प्रश्न संख्याः 4797

श्री आशीष बुटेल : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न का जो उत्तर दिया गया है उसमें यह बताया गया है कि सरकार द्वारा सिर्फ दो ही नशा मुक्ति केन्द्र चलाए जा रहे हैं और बहुत-सारे नशा मुक्ति केन्द्र निजी संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे हैं। मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि पिछले कई सालों से इन केंद्रों में ड्रग्ज व प्रतिबंधित दवाइयों का जखीरा मिलता आ रहा है। क्या इसको चैक करने और रोकने हेतु प्रदेश सरकार ने कोई प्रयास किए हैं?

दूसरा, इसमें यह भी नहीं दर्शाया गया है कि ये रिहैब्लिटेशन कितना शुल्क लेते है? प्रदेश में इन रिहैब्लिटेशन सेंटरों में निःशुल्क बिस्तारों की कुल संख्या 103 है और इनमें 30 per cent of the patients have been treated without any fees. तो **क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि आने वाले समय में सरकार प्रत्येक जिले में एक-एक नशा मुक्ति केन्द्र खोलने का विचार रखती है**?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, इसका विस्तार से लिखित उत्तर दे दिया है। प्रदेश में दो सरकारी व 77 गैर-सरकारी नशा मुक्ति केन्द्र कार्यरत है। मैं माननीय सदस्य की चिंता से सहमत हूं। इनमें कुछ अनियमितताएं पाई गईं हैं और उसके बारे में शिकायतें मिली हैं। इसके लिए निश्चित तौर पर विभाग समय-समय पर कार्रवाई भी करता है। इनको रेगुलेट करने की जिम्मेदारी स्टेट मेंटल हैल्थ ऑथोरिटी की होती है। इन में से अधिकतर नशा मुक्ति केन्द्रों को गैर-सरकारी संस्थाएं चलाती हैं।

एन0एस0 द्वारा जारी ....

05-03-2022/1115/NS/AG/1

प्रश्न संख्या : 4797 .....क्रमागत

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री .....जारी

मेरी जानकारी के मुताबिक वहां पर जो मरीज एडमिट होते हैं उनसे एन.जी.ओज. द्वारा बहुत नोमिनल फ़ीस ली जाती है। वे कितनी फ़ीस लेते हैं उसकी सूचना मेरे पास अभी उपलब्ध नहीं है लेकिन यह सूचना एकत्र करके मैं, माननीय सदस्य को दे दूंगा। इसमें कुछ अनियमितताएं रिपोर्ट हुई हैं और चिंताजनक समाचार भी मिलते रहते हैं। मैं, माननीय सदस्य को विश्वास दिलाना चाहूंगा कि अनियमितताएं न हों इसके लिए हम प्रयास करेंगे और अगर प्रतिबंधित दवाइयों का प्रयोग होता होगा और अगर ऐसी सूचनाएं आती हैं तो हम प्रयास करेंगे कि इन दवाइयों का प्रयोग न हो। इसमें कुछ मारपीट के मामले रिपोर्ट हुए हैं। इसको हम ठीक करने का प्रयास करेंगे। आपने सरकारी क्षेत्र बारे पूछा है तो हम प्रयास कर रहे हैं कि सरकारी क्षेत्र में और भी संस्थान इस प्रकार के खुलें। अभी कंडाघाट में इस प्रकार के अस्पताल के नए भवन का निर्माण हो रहा है और इसको हम राज्य स्तरीय नशा मुक्ति केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। अभी वहां पर यह बन रहा है और हम प्रयास करेंगे कि वहां पर ऐसे लोगों के लिए अधिक-से-अधिक बिस्तरे अरेंज कर पाएं तथा सरकार की देखरेख में यह केंद्र भली भांति काम करे। **मैं, माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहूंगा कि सभी 12 जिलों में सरकारी नशा मुक्ति केंद्र खोलने का प्रयास करेंगे और इस दिशा में आगे बढ़ेंगे।** सरकारी क्षेत्र में दो नशा मुक्ति केंद्र और 77 एन.जी.ओज. के माध्यम से चलाए जा रहें हैं। इसके अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश में

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से 5 निःशुल्क नशा मुक्ति केंद्र चलाए जा रहे हैं।

श्री राम लाल ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या नशा मुक्ति केंद्र भविष्य में सरकार खोलने का निर्णय लेगी? मैं पूछना चाहूंगा कि क्या युवाओं को मात्र नशा छुड़ाने के लिए सरकार वहां पर रखेगी? अध्यक्ष महोदय, होना तो यह चाहिए कि जो युवक नशे में फंस जाते हैं और जब वे बाहर निकलते हैं तो इधर उधर भटकते रहते हैं। उनको शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट करना नशा मुक्ति केंद्र के साथ जुड़ा हुआ मसला है। उनका नशा छुड़वाने के साथ-साथ योग और स्पोर्ट्स का कार्यक्रम भी चलना चाहिए। इसके बारे में मैंने प्रधान मंत्री जी को डेढ़ वर्ष पहले एक

05-03-2022/1115/NS/AG/2

स्कीम भेजी थी। मुझे प्रधान मंत्री कार्यालय से इस बारे में एक पत्र आया कि प्रदेश सरकार को आगामी कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। इसके लिए मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जो पत्र आपको प्रधान मंत्री कार्यालय से आया उसके ऊपर आपने क्या कार्रवाई की है?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नशा वर्तमान समय में ज्वलंत समस्या है। खास तौर से हमारे प्रदेश में और हमारे पड़ोसी राज्यों में यह बहुत बड़ी समस्या है। मैं, मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि इन्होंने अलग-अलग राज्यों के मुख्य मंत्री का एक नीति बनाने के लिए आह्वान किया कि हम सब मिल करके एक नीति बनाएं और इंटर स्टेट के बीच एक समन्वय स्थापित हो। हिमाचल प्रदेश में नशा बाहरी राज्यों से आता है। यहां पर इसके उत्पादन का कोई साधन नहीं है। इसलिए बाहर से नशे की आमद को रोकने के लिए पड़ोसी राज्यों का सहयोग काफी अपेक्षित है। इस दिशा में काफी प्रगति हुई है। माननीय सदस्य ने कहा है कि नशा मुक्ति केंद्रों में मरीजों को शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ करना और सशक्त करना चिकित्सा का हिस्सा होना चाहिए। इसमें मैं कहना चाहता हूं कि यह समस्य सिर्फ उस व्यक्ति की नहीं है जो नशे से ग्रस्त हो गया है बल्कि

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

05.03.2022/1120/RKS/एजी-1

प्रश्न संख्या:4797...जारी

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री.... जारी

यह एक सामाजिक समस्या है और इसकी रोकथाम के लिए समाज के सभी वर्गों राजनीतिक, सामाजिक, सरकारी, गैर-सरकारी या जितने भी विभाग हैं, इन सबकी जिम्मेवारी बनती है। हमें चिंतन करना होगा कि युवा लोग नशे की ओर क्यों अग्रसर हो रहे हैं? आखिर उनका झुकाव नशे की ओर क्यों है? क्या उनकी आवाज को कोई सुन नहीं रहा है। क्या उनकी इच्छाओं का दमन किया जा रहा है? ...व्यवधान... माननीय सदस्य, मेरा जवाब इसी से संबंधित है। हमें इस विषय पर चिंतन करना होगा और इसके निवारण के लिए पूरे समाज को एक साथ खड़े होना होगा। माननीय सदस्य ने जिस पत्र की चर्चा की है उसकी जानकारी मेरे पास उपलब्ध नहीं है।

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय मंत्री को पत्र की सूचना नहीं मिली है तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? इस संदर्भ में पी.एम.ओ. से मुझे भी प्रति प्रेषित की गई है और आपको भी इसकी जानकारी होनी चाहिए।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : आपने कब पत्र लिखा, इसकी सूचना आपने मुझे नहीं दी है। आपको इस संदर्भ में मुझे भी अवगत करवाना चाहिए था ताकि हम आपके सुझावों पर विचार करते लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। मुझे इस संबंध में पी.एम.ओ. से कोई सूचना नहीं मिली है। अगर कोई सूचना आई होगी तो हम उसे एकत्रित कर लेंगे। ...व्यवधान... आपके सुझाव अपेक्षित हैं और मैं समझता हूं कि नशा निवारण के लिए हर व्यक्ति का सुझाव लिया जाना चाहिए। हमें परिवारों के साथ बैठकर उनका प्रबोधन भी लेना चाहिए कि बच्चे नशे की ओर क्यों जा रहे हैं। जो आपके पास पत्र की प्रति है उसे आप हमें दे दीजिए, हम इस पर विचार करेंगे।

05.03.2022/1120/RKS/एजी-2

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, सरकार ठेके-पर-ठेके खोलती जा रही है। अगर सरकार इस तरह ठेके खोलती रही तो इससे पूरा समाज शराबी बन जाएगा। आप ठेके से गौवंश के लिए भी पैसा एकत्रित कर रहे हैं। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिस अनुपात से सरकार प्रतिवर्ष गांव-गांव, राष्ट्रीय उच्च मार्गों व अन्य स्थानों में ठेके खोल रही हैं, क्या उस अनुपात में प्रदेश में नशा मुक्ति केंद्र भी स्थापित हैं?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महादेय, माननीय सदस्य ऐसे जाहिर कर रहे हैं जैसे इनके कार्यकाल में काई ठेका ही नहीं खोला गया हो। शराब के ठेकों के आबंटन को लेकर जितनी अनियमितताएं और भ्रष्टाचार आपके कार्यकालों में हुआ है वह अपने आप में इतिहास है। ...व्यवधान... मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा कि नशे की बुराई को रोकने के लिए जो भी पग उठाने की आवश्यकता होगी, हम उठाने को तैयार हैं। नशा निवारण के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो प्रयास किए हैं, मैं समझता हूं इससे पहले कभी ऐसे प्रयास नहीं हुए। हमारा प्रदेश नशा मुक्त हो, इसके लिए जो भी प्रयास करने पड़ेंगे, हम करेंगे।

<u>प्रश्न संख्याः 4798</u>

श्री राजेश ठाकुर (गगरेट) : उपस्थित नहीं।

05.03.2022/1120/RKS/एजी-3

<u>प्रश्न संख्याः 4799</u>

श्री राम लाल ठाकुर (श्री नैना देवीजी) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री ने जो एक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में 150 करोड़ रुपये खर्च करने की बात की है उसके लिए मैं

इनका धन्यवाद करना चाहूंगा। फोरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट के अंडर जिन सड़कों की स्वीकृति हुई हैं उनके टेंडर भी अवार्ड हो चुके हैं।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

05.03.2022/1125/बी.एस./ए0एस0/-1

प्रश्न संख्याः 4799 क्रमांगत...

श्री राम लाल ठाकुर जारी...

जो सूचना सभा पटल पर रखी गई है, मैंने अपने प्रश्न में दो सड़कों की बात की थी, एक गलुआ-चलैला व दूसरी सूईं-सुरहाड़ जो मेरे चुनाव क्षेत्र में है। उत्तर के अनुसार जनवरी, 2021 सुरहाड़ सड़क का वन विभाग के पास 75,70,147/-रुपए जमा हो चुके हैं और ऐसे ही 74,91,000/-रुपए गलुआ-चलैला सड़क है, यह सड़क भाखड़ा विस्थापितों के लिए है और इसका पैसा जमा हो चुका है और इसके टैंडर भी हो चुके हैं। मुख्य मंत्री जी और वन मत्री जी से मेरा निवेदन है कि जब सिद्धांतिक रूप से भारत सरकार से अप्रूवल आ गई है और टैंडर भी हो गए, ठेकेदार ने काम भी शुरू कर दिया है तो अध्यक्ष महोदय, अब फोरेस्ट गार्ड कह रहा है कि जब तक लिखित तौर पर मेरे को भारत सरकार की अप्रूवल नहीं आती, तब तक मैं कोई कार्य नहीं करूंगा। सुरहाड़ सड़क का काम छः महीने तक बंद रहा। यह जो पैसा जमा हो गया उसके बाद यह जो चलैला की सड़क है इसमें आधे पेड़ तो जल गए हैं, क्योंकि वहां पर चील के पेड़ हैं, वन विभाग ने वन निगम के द्वारा न उन पेड़ों को कटवाया और वे दो-तीन सालों से वहीं पर पड़े हैं। अब सड़क का काम भी शुरू हो गया है, सड़क के टैंडर भी हो चुके हैं, यदि पेड़ों को काटने के लिए एक वर्ष लग जाएगा तो जो हमारी मंशा है वह पूरी नही हो पाएगी। मैं आपसे चलैला वाली सड़क की बात कर रहा हूं। उन पेड़ों को अब वन निगम काटेगा, परंतु वह उन्हें नहीं काट रहा है और सड़क का काम नहीं हो रहा है। मेरा निवेदन है कि इन दोनों विभागों के बीच में अगर समन्वय हो जाए, तो इन सड़कों का काम हो सकता है, अन्यथा यह काम काग़जों में ही रह जाएगा।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष जी, वैसे तो जो उत्तर हमने माननीय सदस्य को दिया है वह विस्तार से दिया है, फिर भी मैं कहना चाहता हूं कि दोनों सड़कें नाबार्ड के अन्तर्गत स्वीकृत हुई हैं और स्वीकृति के पश्चात जो फोरेस्ट क्लीयरेंस के जो इश्यू थे वे भी पूर्ण हो गए हैं और एन0पी0वी0 और सी0ए0 का पैसा जमा हो चुका है। अब इसके बाद आगे की जो बात माननीय सदस्य कह रहे हैं, मैं इस बात से काफी हद तक सहमत हूं कि सड़क की फोरेस्ट क्लीयरेंस के लिए बहुत सारा वक्त लगता है और कई बार तो सालों लग जाते हैं। आज की जो परिस्थिति है, स्टेज वन की क्लीयरेंस, स्टेज-टू की क्लीयरेंस बाद

05.03.2022/1125/बी.एस./ए0एस0/-2

में उच्चतम न्यायालय से क्लीयरेंस लेनी पड़ती है। उच्चतम न्यायालय में जो केसिज हैं उनको लगाने के लिए कितना जोर लगाना पड़ता है? साल-छः महीने में केवल एक या दो बार केस लगता है। मैं इस बात से सहमत हूं कि वक्त बहुत ज्यादा लग जाता है। इसके अलावा जैसा माननीय सदस्य कह रहे हैं कि सारी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद वन विभाग ने जो कटाई का काम निगम को देना है, उसे निगम ने करना है। निगम की औपचारिकताओं के कार्य में अवश्य थोड़ा ज्यादा समय लगा होगा। अभी जो जानकारी मुझे दी गई है उसके अनुसार सारी औपचारिकताएं पूर्ण हो चुकी हैं और जो वन निगम ने पेड़ काटने हैं वे इस कार्य को करना जल्दी सुनिश्चित करें। ताकि सड़क के निर्माण कार्य को तेज गति से आगे बड़ा सकें।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

05-03-2022/1130/ए.एस.-एन.जी. /1

प्रश्न संख्या - 4799.....जारी

मुख्य मंत्री..... जारी

इसके अलावा इसमें औपचारिकता का कोई दौर नहीं रहता। इसमें सभी क्लियरंसिस हो गई हैं। इन दोनों सड़कों का पैसा भी जमा कर दिया गया है। वन निगम द्वारा पेड़ काटने का काम भी तेज गति से करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सड़क का काम जल्दी से हो जाए।

प्रश्न समाप्त/-

05-03-2022/1130/ए.एस.-एन.जी. /2

प्रश्न संख्या - 4800

श्री विनोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा क्योंकि नाचन विधान सभा क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से आने वाले समय में दो बस स्टैंड बनने जा रहे हैं। एक बस स्टैंड चैल-चौक में और दूसरा बस स्टैंड गोहर में बनने जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस बस स्टैंड के एफ.सी.ए. का जो काम होना है वह कार्य किस प्राइवेट एजेंसी को दिया गया है? क्या माननीय मंत्री जी इस कम्पनी को एफ.सी.ए. के कार्य को लेकर टाइम बाउंड करेंगे? ताकि आने वाले समय में यह बस स्टैंड जल्दी-जल्दी से बन कर तैयार हो जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से अब हमारे एफ.आर.ए के केस भी बनने शुरू हो गए हैं। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इस बस स्टैंड के एफ.सी.ए. के केस को न बना कर उसे एफ.आर.ए. में बदला जाए क्योंकि उसकी औपचारिकताएं पूर्ण हो गई हैं। वहां पर एक बस स्टैंड लगभग 6 बीघा में व दूसरा बस स्टैंड लगभग 4 बीघा में बनने जा रहा है और उसमें कोई भी पेड़ नहीं है। मैं समझता हूं कि यदि उसके एफ.आर.ए. के केस को टाइम बाउंड करेंगे तो अच्छा होगा क्योंकि एफ.आर.ए. का केस तो केवल 15-20 दिन में ही पूरा हो जाता है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे उस कम्पनी को यहां से आदेश करेंगे?

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने एफ.सी.ए. के कंसलटेंट के बारे में पूछा है तो ये श्री विनोद रांटा हैं जो इस सारे काम को देखते हैं। इनका कार्यालय चिन्तपुरनी भवन, खलीणी, शिमला में हैं। माननीय सदस्य ने एफ.सी.ए. के बारे में कहा है और मैं बताना चाहता हूं कि इसमें कुछ औपचारकिताएं शेष रहती हैं। मैं माननीय सदस्य के ध्यान में लाना चाहता हूं कि वन मण्डल अधिकारी, गोहर ने दिनांक 14-07-2021 को इसे ऑनलाइन कर दिया था और दिनांक 31-01-2022 को इसमें कुछ आपत्तियां दर्ज हुई हैं जिसका निपटारा क्षेत्रिय प्रबंधक मण्डी द्वारा किया जा रहा है। माननीय सदस्य ने इस एफ.सी.ए. के केस को एफ.आर.ए. में बदलने के लिए कहा है तो मैं इन्हें कहना चाहता हूं कि आप पहले ही बहुत लेट हैं क्योंकि यह काम वर्ष 2013 का चला हुआ है और माननीय

05-03-2022/1130/ए.एस.-एन.जी. /3

सदस्य के विधायक बनने के बाद इन सारी चीजों में बदलाव भी किए गए हैं और इनमें तेजी भी आई है। मैं माननीय सदस्य को कहना चाहता हूं कि एफ.सी.ए. के केसिज़ को हमारा विभाग लगातार रिव्यू करता है और इनके केसिज़ को दोबारा से रिव्यू करेंगे व कोशिश करेंगे कि इसका निपटारा अतिशीघ्र हो सके।

श्री विनोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि इस बस स्टैंड की घोषणा वर्ष 2019 में माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी द्वारा की गई थी। माननीय मंत्री जी को विभाग के द्वारा गलत जानकारी दी गई है। मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि गलत जानकारी देने के संदर्भ में विभाग से निश्चित तौर पर बात करें। इसके अलावा मैंने टाइम बाउंड करने के बारे में कहा है कि माननीय मंत्री जी हाऊस में यह आश्वस्त करें कि इतने समय में एफ.सी.ए./एफ.आर.ए. केस बनकर तैयार हो जाएगा। वर्ष 2019 से लेकर अब तक बहुत लम्बा समय हो गया है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का इस बात के लिए भी धन्यवाद करना चाहूंगा क्योंकि चैल-चौक के बस स्टैंड के लिए

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

05.03.2022/1135/SS-AS/1

प्रश्न संख्या : 4800 क्रमागत

श्री विनोद कुमार क्रमागत :

और गोहर के बस-स्टैंड के लिए भी माननीय मुख्य मंत्री ने 1.34 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री और मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय विधायक के ध्यान में ला रहा हूं कि मैंने जो बात यहां पर बोली है उसके बारे में मेरे पास पूरी डिटेल उपलब्ध है। यह माननीय मुख्य मंत्री ने जो घोषणा की है वह सारा काम आपके समय में हुआ है। पूर्व में जो परिवहन मंत्री ने थे उन्होंने 2013 में यह केस चलाया था और 2013 में जो जमीन देखी गई थी उसको फिर चेंज किया गया। लेकिन यह सारा काम तभी शुरू हुआ है जब आप विधायक बने हैं और माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने इसके लिए घोषणा की है। **लेकिन जो आपकी आपत्तियां हैं या आपके मन में प्रश्न हैं मेरा आपसे निवेदन है कि इनको अतिशीघ्र ठीक किया जाएगा ताकि इसके ऊपर आगे काम किया जा सके क्योंकि इसमें बजटरी प्रोविजन भी किया गया है।**

05.03.2022/1135/SS-AS/2

प्रश्न संख्या : 4801

Sh. Sunder Singh Thakur (Kullu): Hon'ble Speaker, Sir, my basic question was, "How many schools and fair-price shops are facing mobile connectivity problem in Kullu Vidhan Sabha Constituency"? अभी मुझे जो इसका जवाब आया है उसमें 114 गांव की लिस्ट बताई गई है जिनमें मोबाइल कनैक्टिविटी की दिक्कतें हैं।

आप जान सकते हैं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के अंदर लगभग 5 गांव हैं जिनमें मोबाइल कनैक्टिविटी की बहुत बड़ी दिक्कत है। जिनमें मुख्य रूप से ग्राहण, रसोल, मलाणा, तियूण, समालंग शामिल हैं। मंत्री जी ने कहा कि आपको डी0सी0 कुल्लू से कोई लैटर आया था वह आपने फॉरवर्ड कर दिया। मैं चाहूंगा कि आप इसमें कोई समय-सीमा निश्चित करें क्योंकि आप जानते हैं कि बगैर मोबाइल कनैक्टिविटी के इन क्षेत्रों के स्कूलों के बच्चे अपने पाठ्यक्रम को ऑनलाइन कैसे पढ़ेंगे। उसके साथ में फेयर प्राइस शॉप्स भी बायोमीट्रिक्स मशीन से ऑनलाइन लिंक हो रही हैं तो वहां पर भी राशन देने में दिक्कत आ रही है। इसलिए कृपा करके कोई समयावधि तय करके इस काम को किया जाए। इतनी जियो और बी0एस0एन0एल0 जैसी बड़ी-बड़ी कम्पनीज हैं, ये कई शहरी क्षेत्रों में तो 3जी से 5जी की तरफ काम कर रही हैं। उसके लिए खुदाई कर रही हैं, टावर लगा रही हैं और कनैक्टिविटी को बेहतर बना रहे हैं। क्यों न इन्हें विवश किया जाए कि जो ऐसे रिमोट एरियाज़ हैं इनमें प्रायोरिटी पर काम किया जाए। आपके पास क्या कोई ऐसी प्लानिंग है कि कैसे इनको इस काम के लिए बाध्य करेंगे?

तकनीकी शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य के ध्यानार्थ लाना चाहता हूं कि शुरूआती तौर पर 276 गांव ऐसे थे जो मोबाइल कनैक्टिविटी से अनकनैक्टिड थे। हमने भारत सरकार से यह मामला उठाया और मामला उठाने के बाद भारत सरकार ने जितने हमारे सर्विस प्रोवाइडर्ज हैं उनको इसके लिए कहा गया। हमने एक ज्वाइंट इंस्पैक्शन करवा कर पाया कि लगभग 544 गांव ऐसे हैं जोकि आंशिक रूप से अनकनैक्टिड हैं। मैं सूचना देना चाहता हूं कि बिलासपुर में चार ऐसे गावं हैं जोकि आंशिक रूप से अनकनैक्टिड हैं। चम्बा में 89, हमीरपुर में 31, कांगड़ा में 16, किन्नौर में 5, कुल्लू में 114,

05.03.2022/1135/SS-AS/3

लाहौल-स्पिति में 101, मंडी में 98, शिमला में 47, सिरमौर में 9, सोलन में 28 और ऊना में 2 गांव हैं; ये लगभग 544 गांव बनते हैं जोकि आंशिक रूप से अनकनैक्टिड हैं। हमने इस केस को भारत सरकार के माध्यम से उठाया है। हमने इसका एक सर्वे किया है और इनको

जी0पी0एस0 कॉर्डिनेट भी किया है। आपने बिल्कुल ठीक कहा कि कोविड के काल में बहुत से ऐसे स्कूल्ज हैं जहां पर बच्चों की कक्षाएं ऑनलाइन चल रही थीं। हमारी फेयर प्राइस शॉप्स भी चलनी चाहिएं। **हम rigorously इसका फोलो अप कर रहे हैं कि जो हमारे 544 आंशिक रूप से अनकनैक्टिड गांव हैं इनको कनैक्ट किया जाए ताकि बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो और हमारी फेयर प्राइस शॉप्स को भी लाभ मिले। ऐसी हम कोशिश करेंगे।**

प्रश्न संख्या : 4802

अध्यक्ष : प्रश्न संख्या : 4802 माननीय सदस्य श्री होशयार सिंह, अनुपस्थित।

जारी श्रीमती के0एस0

05.03.2022/1140/केएस/वाईके/1

प्रश्न संख्या 4803

श्री किशोरी लालः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि मेरे चुनाव क्षेत्र के दलाश में पॉलिटैक्निक कॉलेज खोलने की जो नोटिफिकेशन हुई है, वहां पर 5 ट्रेड्ज़ सहित 97 पोस्टें क्रिएट भी हो चुकी हैं और जो वहां पर उस कॉलेज का भवन बनना है, उसके लिए 23 बीघा जमीन भी देख ली गई है। सिर्फ वन विभाग की स्वीकृति आनी बाकी है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस भवन के लिए कब तक वन विभाग की स्वीकृति मिल जाएगी तथा दलाश में कब तक क्लासें शुरू की जाएंगी?

तकनीकी शिक्षा मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, इस कॉलेज की अधिसूचना 6 सितम्बर, 2019 को जारी की गई है। इसमें 5 ट्रेड्ज़ खोलने की बात की गई है और 23 बीघा जमीन का मामला एफ.सी.ए. क्लीयरेंस के लिए भेजा गया है। इसमें विभाग ने बहुत प्रयास किया है। हमने लगभग 5 बार पत्राचार किया है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उसमें बहुत कमियां थीं। 4.2.2022 को सी.सी.एफ., रामपुर द्वारा उनको रिमूव करवाया गया। दोबारा फिर से हमने 18.2.2022 को नोडल ऑफिसर के वहां जो कमियां थीं, उनको पूरा करके,

पूरे डॉक्युमैंट्स वहां पर दिए। फाइनली 25.2.2022 को यह केस पोर्टल में अपलोड किया गया है। **जैसे ही फोरैस्ट विभाग द्वारा लगाई गई कंडिशन्ज़ रिमूव होती हैं, एफ.सी.ए. क्लीयरेंस मिलती है, सुप्रीम कोर्ट से हमें क्लीयरेंस मिलने के बाद मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि इसका एस्टिमेट बनाया जाएगा। बजट की जो भी जरूरत होगी, उसका प्रावधान किया जाएगा। हम बहुत जल्दी कोशिश करेंगे।** एक यही नहीं, हमारे पास पांच पॉलिटैक्निक कॉलेज और भी हैं। मैं सभी माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि ऐसे लगभग 5 पोलिटैक्निक कॉलेज प्रदेश के अंदर ऐसे हैं जिसमें से बसंतपुर, करसोग, सिराज, जिंदौर और सुलह है। सुलह और जिंदौर के भवन निर्माण के लिए बजट प्रावधान प्रगति पर है बाकी जैसे ही हमें एफ.सी.ए. क्लीयरेंस मिलती है, भवन का निर्माण शुरू कर देंगे। ए.आई.सी.टी.ई. विज़िट करेगी और उसकी पर्मिशन के बाद ही वहां पर हम क्लासें शुरू करेंगे**। मैं माननीय सदस्य को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि इस साल हम इसका काम शुरू करने का प्रयास करेंगे।** प्रश्न समाप्त

05.03.2022/1140/केएस/वाईके/2

प्रश्न संख्याः 4804

श्री मोहन लाल ब्राक्टाः अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहा था कि समरकोट, चिड़गांव व डोडरा-क्वार में जो हमारी तीन आई.टी.आईज़ हैं, इनमें कितने ट्रेड चल रहे हैं और इन संस्थानों में कितने प्रशिक्षु हैं? समरकोट और चिड़गांव के बारे में तो इन्होंने कहा कि यहां बच्चे भी हैं और ट्रेड भी चले हुए हैं परन्तु मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डोडरा-क्वार में दो साल से कोई भी बच्चे नहीं हैं, इसका क्या कारण है? मेरी जानकारी के अनुसार वहां पर कोई भी स्टाफ नहीं है, लॉक लगा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि वहां पर स्टाफ क्यों नहीं है? क्यों वहां पर दो साल से बच्चे नहीं हैं? दो साल से क्या कोई भी एप्लीकेशन नहीं आई या कोई बच्चा नहीं आया? दो साल से यह क्यों बंद पड़ा है? साथ ही साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इन तीनों आई.टी.आइज़.

समरकोट, चिड़गांव व डोडरा क्वार के बारे में जो आपने कहा कि अभी तक इनकी अपनी बिल्डिंग्ज़ नहीं हैं, कहीं लैंड का इशू है या दूसरी बातें हैं,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

05-03-2022/1145/av/dc/1

प्रश्न संख्या : 4804---------क्रमागत

श्री मोहन लाल ब्राक्टा--------- जारी

मेरा आपसे आग्रह रहेगा कि चाहे जगह के चयन का काम है या उसकी बिल्डिंग की कंस्ट्रक्शन का कार्य है; इनको जल्दी-से-जल्दी पूर्ण करवाएं ताकि वहां बच्चों को अपना संस्थान मिले। इसके अतिरिक्त, मेरा एक प्रश्न और भी लगा है परंतु शायद उसकी आज बारी नहीं आएगी। इसलिए मैं माननीय मंत्री से आग्रह करना चाहूंगा कि आपका जो रोहड़ू के पोलिटेक्निक कॉलेज के बारे में जवाब आया हुआ है कि वहां पर टीचिंग और नॉन टीचिंग की 36 पोस्ट्स खाली हैं; तो इनको भी जल्दी-से-जल्दी भरने की कृपा करें।

तकनीकी शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य विशेषकर डोडरा क्वार के बारे में जानना चाहते हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि आपके डोडरा क्वार में पोस्ट्स स्वीकृत करने के उपरांत स्टाफ भी नियुक्त कर दिया था। परंतु वहां पर पिछले दो वर्षों से एक भी विद्यार्थी नहीं मिला। इसमें यह सिस्टम है कि बच्चे ऑनलाइन अप्लाई करते हैं और बच्चों की मैरिट के आधार पर सलैक्शन होती है परंतु बच्चे वहां पर एडमिशन नहीं लेते। उसके बाद हमने वहां पर ऑफलाइन कोशिश की और दो ट्रेड चलाए गए। वहां जो स्टाफ नियुक्त किया गया था उसमें एक ग्रुप इंस्ट्रक्टर था जिसको बाद में शिमला डिप्लॉय किया है। इसके अतिरिक्त मिनिस्टीरियल स्टाफ और क्लास-iv को भी शिमला डिप्लॉय करना पड़ा। हमारा माह जुलाई में नया सैशन शुरू होता है। हम चाहते हैं कि डोडरा क्वार का संस्थान चल पड़े मगर बच्चे वहां एडमिशन नहीं लेते। पिछले दो वर्षों से हमें वहां किसी भी

ट्रेड का कोई भी विद्यार्थी नहीं मिला। हमने आई0टी0आई0 को डीनोटिफाई नहीं किया है। वह आई0टी0आई0 अभी तक स्टैंड कर रही है। वहां पर जैसे ही बच्चे आएंगे; हम उसको शुरू करेंगे। इसके अतिरिक्त आपने आई0टी0आई0 चिड़गांव के बारे में भी पूछा है तो मैं यहां पर केवल जिला शिमला में खोली गईं आई0टी0आईज0 की बात ही नहीं करना चाहूंगा परंतु प्रदेश में बहुत सारी आई0टी0आईज0 में बच्चों की संख्या निरंतर घटती जा रही है। केवल इस साल को छोड़कर क्योंकि इसमें भारत सरकार

05-03-2022/1145/av/hk/2

द्वारा एडमिशन करवाई जाती है। मगर हमने इस बार यह कोशिश की कि यह एडमिशन विभाग के माध्यम से करवाई जाए ताकि इनमें बच्चों की संख्या बढ़े जिसके कारण हमारी आई0टी0आईज0 में इस वर्ष बच्चों की संख्या बढ़ी है। आई0टी0आई0 चिड़गांव में दो ट्रेड चल रहे हैं। वैसे तो वहां ट्रेड के हिसाब से बच्चों की संख्या 72 होनी चाहिए थी परंतु अभी वहां 59 के करीब बच्चे हैं। आपने इसकी जगह के चयन के बारे में बात की है तो इसके लिए 8.3 हेक्टेयर जगह दे दी गई थी तथा इसके बजट का प्रावधान भी कर दिया है। इसके लिए 6.44 करोड़ रुपये की ए0ए0 एण्ड ई0एस0 दी है जिसमें से लोक निर्माण विभाग को लगभग 2 करोड़ रुपये की राशि रिलीज कर दी गई है। जब इसका काम शुरू हुआ तो लोक निर्माण विभाग ने कहा कि इस हेतु चयन की गई जगह का स्ट्राटा खराब है। अब इसके लिए दोबारा से स्थान का चयन किया जाएगा और उसके हिसाब से इसका आकलन तैयार होगा। हमने तो इस हेतु शुरू में बने आकलन के हिसाब से 6.44 करोड़ रुपये की ए0ए0एण्ड ई0एस0 दे दी थी और इसके टैंडर भी हो गए थे। परंतु अब जो स्ट्राटा खराब निकलने की वजह से दोबारा से स्थान चयन करने की बात की गई है तो हमने विभाग को कहा है कि आप स्थान का चयन ठीक ढंग से करे। माननीय सदस्य, यह आई0टी0आई0 आपके चुनाव क्षेत्र में पड़ती है तो आप इसके बारे में बात करें और सही स्थान उपलब्ध करवाने में मदद करें ताकि इसका काम जल्दी से शुरू करवाया जा सके। इसके अतिरिक्त आपने आई0टी0आई0 समरकोट की बात की है तो यह अभी तक प्राइवेट बिल्डिंग में चल रही है। वहां पर दो ट्रेड चल रहे हैं और उसके लिए वहां स्टाफ भी स्वीकृत किया गया है। माननीय विधायक जी, मैंने आपको भी कहा था कि आप हमें वहां पर जमीन उपलब्ध

करवाने में मदद करें। इसकी एफ0सी0ए0 क्लीयर होने के पश्चात इसके लिए जितनी भी धनराशि की आवश्यकता होगी; हम प्रोवाइड करवाएंगे। आपने यहां पर अपने एक पोलिटेक्निक कॉलेज के बारे में लगे प्रश्न का भी जिक्र किया है और मुझे लगता है कि समयाभाव के कारण वह प्रश्न आज नहीं लग पाएगा। हमारा किन्नौर का पोलिटेक्निक कॉलेज रोहडू में चल रहा है क्योंकि अभी किन्नौर में उसके भवन निर्माण का कार्य चला हुआ है। यह भवन जैसे ही बनकर तैयार होगा उसमें ए0आई0सी0टी0ई के लोग विज़िट करते हैं और विज़िट करने के बाद अगर अप्रूवल मिलती है तो हम इसकी क्लासिज वहीं पर शुरू करेंगे। आपके रोहडू पोलिटेक्निक कॉलेज के लिए ट्रेड्ज स्वीकृत हैं और हमने इसके लिए कोशिश की है कि यह कॉलेज चल पड़े। प्रश्न समाप्त

अगला प्रश्न टी **सी द्वारा जारी**

05/03/2022/1150/टी0सी0वी0/HK/1

प्रश्न संख्या : 4805 (प्राधिकृत)

श्री बिक्रम सिंह जरयाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने प्रश्न के 'क' भाग का उत्तर दे दिया है लेकिन मैं मंत्री जी को इसके 'ख' भाग के बारे में बताना चाहूंगा कि नागरिक अस्पताल, भरमौर के भवन का निर्माण कार्य वर्ष 2017 से चल रहा है और इसका निर्माण कार्य हिमुडा एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा है। हिमुडा और बी0एस0एन0एल0 द्वारा यह कार्य काफी लम्बे समय से किया जा रहा है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस नागरिक अस्पताल का निर्माण कार्य कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न के 'ख' भाग के बारे में कहना चाहूंगा कि नागरिक अस्पताल, भरमौर के भवन निर्माण के लिए दिनांक 30.03.2017 के तहत मु0 1957.00 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है और इस संस्थान के निर्माण कार्य के लिए अब तक मु0 1598.70 लाख रुपये की धनराशि निष्पादन हेतु हिमुडा एजेंसी के पास जमा करवाई जा चुकी है। इस भवन का निर्माण कार्य चला हुआ है। **मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहूंगा कि इस संस्थान का निर्माण कार्य दिसम्बर, 2022 तक पूर्ण कर दिया जाएगा**।

प्रश्न समाप्त ।

05/03/2022/1150/टी0सी0वी0/HK/2

प्रश्न संख्याः 4806

श्री संजय अवस्थी : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न के उत्तर में जो सूचना उपलब्ध करवाई गई है, यह अधूरी सूचना है और मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि वर्ष 2003 में चौगान मैदान को बढ़ाकर खेल स्टेडियम बनाने का प्रपोजल था। इसके बारे में यह कहा गया कि यह स्थान फिजिबल नहीं था। लेकिन पिछले 19 वर्षों से कई और भी प्रपोजल्ज आपके विभाग में लम्बित पड़ी हुई हैं। मैं मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि नगर पंचायत अर्की में लगभग 45 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसका प्रपोजल विभाग को भेज दिया गया है। आज जिस प्रकार से युवा नशे की प्रवृत्ति की ओर आकषित हो रहे हैं, उनको रोकने का एक विकल्प यह है कि हम उनके शारीरिक विकास पर ध्यान देने के लिए ऐसा वातावरण दें और उसके लिए खेल स्टेडियम सबसे उपयुक्त जगह है। मैं मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि 45 बीघे का जो प्रपोजल नगर पंचायत अर्की द्वारा दिया गया है और आपके विभाग में पड़ा है, उसको प्रैक्टिकल शेप दिया जाए और उसको अप्रूव किया जाए।

वन मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य की बात से बिल्कुल सहमत हूं and I am sharing your concern. जो जगह चौगान में प्रपोज थी, उसके बीच में किसी व्यक्ति का 3 बिस्वा में मकान पाया गया। उसकी वजह से वह प्रपोजल पूरा नहीं हो पाया। हमारी जो केटेगरी-I है, उसमें मिनिमम स्पेस 180x100 मीटर है। इसके अलावा जो जगह आईडेंटिफाई की गई, वह जगह भी हमारे नाम नहीं थी वह भी कृषि विभाग के पास थी and the area was coming 76x85 meters. इसके अतिरिक्त हमने 8-9 स्थान वहां पर देखें लेकिन कोई भी स्थान स्पोर्टस की केटेगरी में नहीं आया। आपने जो यह 45 बीघा जमीन के बारे में बताया है, मैं इसका प्रप्रोजल निकलवा लेता हूं और यदि फिजिबल हुआ तो किसी सीनियर ऑफिसर या पूरी टीम को आपके साथ वहां भेज देंगे। I am sharing your concern and हम आपके साथ हैं और आपकी हैल्प करना चाहते हैं। आप जिस दिन चाहेंगे हम आपके साथ अपने विभाग की टीम भेजकर उस जगह को आइडेंटिफाई कर लेते हैं। अगर यह हमारे नॉर्मज के हिसाब से सही आती है तो हम इसकी प्रपोजल आगे मूव करेंगे और इस स्टेडियम को बनाएंगे।

प्रश्न समाप्त अगला प्रश्न एन0एस0 द्वारा शुरू

05-03-2022/1155/NS/HK/1

प्रश्न संख्या : 4807

शहरी विकास मंत्री : 'क' और 'ख' से संबंधित सूचना सभा पटल पर रख दी गई है।

प्रश्न संख्या : 4808

श्री विक्रमादित्य सिंह : अध्यक्ष महोदय, आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी, दाड़गी का फाउंडेशन स्टोन पूर्व सरकार व पूर्व मुख्य मंत्री द्वारा रखा गया था और इसके लिए बजटरी एलोकेशन भी किया गया था। इसके बावजूद भी आज साढ़े चार वर्ष का समय हो गया है। कभी लोक निर्माण विभाग वाले कहते हैं कि इसकी अलाइनमैंट ठीक नहीं है, कभी कहते हैं कि ठेकेदार नहीं आ रहा है और कभी कोई और दिक्कत होती है। चार साल से यह मामला लंबित पड़ा हुआ है और अभी भी विभाग द्वारा इसके उत्तर में कोई टाइम पीरियड़ नहीं दिया गया है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि कब तक इसका कार्य शुरू होगा और बजट का प्रावधान होने के बावजूद भी अभी तक कार्य क्यों शुरू नहीं हो पा रहा है?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : मैं, माननीय सदस्य से सहमत हूं कि वर्ष 2016-17 में तत्कालीन सरकार द्वारा 15.95 लाख रुपये का प्रावधान इस संस्थान के निर्माण के लिए किया गया था। मैं अवगत करवाना चाहता हूं कि वर्ष 2017 में एग्जीक्यूटिंग एजेंसी ने सूचना दी कि 'the land which was selected for the construction of this building was not as per standard drawing. The department vide letter dated 19th August, 2019, 22nd May, 2020 & 5th August 2020 requested the Executing Agency to prepare the drawing as per the availability of the land. Now, the Executing Agency i.e. HPPWD Division, Dhami, District Shimla vide letter dated 7th October, 2021 has submitted the revised estimate report to the Director, Ayush amounting to Rs.58.90 lakhs for the construction of AHC building, Dargi-Chalahal, District Shimla.' इसमें कुल एस्टिमेट की 20 प्रतिशत राशि विभाग के पास उपलब्ध है। इसके टैंडर का प्रोसीज़र शुरू किया जा सकता है। हम संबंधित एजेंसी को निर्देश देंगे कि इसके टैंडर का प्रोसीज़र शुरू किया जाए। **मैं, माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहता हूं कि**

इस साल में इसके कंस्ट्रक्शन के लिए जो बेलैंसे अमाउंट है उसे विभाग को निर्माण हेतु उपलब्ध करवा दिया जाएगा।

05-03-2022/1155/NS/HK/2

प्रश्न संख्या : 4809

श्रीमती रीना कश्यप : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बहुत ही विस्तार से उत्तर सभा पटल पर रखा है और इस उत्तर से मैं सहमत हूं। मैं, मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगी कि नगर पंचायत, राजगढ़ में विभिन्न श्रेणियों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने का प्रयास करें।

शहरी विकास मंत्री : अध्यक्ष महोदय, उत्तर में ही लिखा गया है कि रिक्त पदों को जल्दी भरने का प्रयास किया जाएगा। वैसे टैक्निकली रिक्तियां बहुत कम हैं। वहां पर रिक्तियां 10 हैं। इनमें 8 पद सफाई कर्मचारियों के हैं। सफाई कर्मचारी के स्थान पर काम ऑलरेडी अनुबंध पर दे रखा है। यह आउटसोसे पर दिया गया है। जिसमें सफाई के लिए 8 आदमियों के स्थान पर 34 आदमी रखे हुए हैं। **वहां पर सिर्फ दो रिक्तियां शेष हैं और उनको भर दिया जाएगा।**

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

05.03.2022/1200/RKS/YK-1

अध्यक्ष : प्रश्नकाल समाप्त।

श्री विक्रमादित्य सिंह जी क्या आप कुछ कहना चाहते हैं?

<u>व्यवस्था का प्रश्न</u>

श्री विक्रमादित्य सिंह (शिमला-ग्रामीण) : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यक्तिगत रूप से एक महत्वपूर्ण मसला आपके समक्ष लाना चाहता हूं। पिछले कुछ दिन पहले जब माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा हो रही थी तो ट्रेजरी बैंचिज से एक माननीय मंत्री ने मेरे स्वर्गीय पिता जी के बारे में कुछ टिका-टिप्पणी की। Because today he is not in the House to defend himself and he is not in the world to defend himself, इसलिए मैं कुछ चीजें तथ्यों के साथ इस सदन में लाना चाहूंगा। माननीय मंत्री ने जो बातें केसिज के

बारे में कही हैं उसमें मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि जिस सी.बी.आई. या ई.डी. जांच के बारे में माननीय मंत्री ने ज़िक्र किया है वे मामले माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं and as far as he is concerned the cases against him have been abated by the Trial Court. इनको मालूम होगा कि अबेटिड का मतलब it is akin to acquittal. Because today he is not in this world to defend himself all those betters that he had mentioned have been abated. वह आज कोर्ट में नहीं है। मैं इसके खिलाफ डेफामेशन लाना चाहता था। But I was told by my lawyers कि सदन के भीतर जो भी कार्रवाई होती है they are immuned to judicial proceedings. इसलिए मैं सदन के भीतर इस बात को कहना चाहता हूं। पहाड़ी में एक शब्द है कि 'अपनी खाल्टी में रहना चाहिए।' मैं मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि वे अपनी खाल्टी में रहे। Stain your skin और जो इनकी राजनीतिक समझ है उससे ऊपर उठकर नेताओं के बारे में खासकर जो लोग आज इस दुनिया में नहीं है के बारे में कमेंट्री न करे। ये हमारे परिवार के राजनीतिक कद की बात कर रहे थे। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि even today when he is not in this world उसके बाद हिमाचल प्रदेश में जो चुनाव हुए है today as we speak my family represents one third of Himachal Pradesh. चाहे वह 17 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की बात हो या हमारे निर्वाचन क्षेत्र के अतिरिक्त दो अन्य निर्वाचन क्षेत्रों की बात हो हमने हर जगह अपने कद को साबित किया है और इसके लिए मुझे किसी से सर्टिफिकेट

05.03.2022/1200/RKS/YK-2

लेने की आवश्यकता नहीं है। The people of Himachal Pradesh have reposed faith in our family और मुझे आपसे कोई सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है। मेरा आग्रह है कि आप अपने काम में ध्यान दें और जिन लोगों द्वारा इस प्रदेश का 6 बार नेतृत्व किया जा चुका है उन पर इस तरह की टिका-टिप्पणी न करें। ऐसे दलबदलू नेता जो आज भाजपा में हैं, कल आम आदमी पार्टी का झोला ऊठा कर चल रहे होंगे, मुझे इनसे सर्टिफिकेट लेने की आवयकता नहीं है। We are responsible to the people of Himachal Pradesh and as I rightly said, my family is representing one third of

Himachal Pradesh and I don't need a certificate from this Minister. Thank you very much.

अध्यक्ष : ठीक है, आपका विषय आ गया है। माननीय वन मंत्री जी क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?

वन मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को स्पष्ट करना चाहिए कि ये किस मंत्री की बात कर रहे हैं। कोई किसी से डरता नहीं है और सब अपनी-अपनी खलड़ी मे रहना जानते हैं। अभी आप पैदा भी नहीं हुए और समझाने लग गए कि कौन खलड़ी में रहेगा। ...व्यवधान... आप मेरी बात सुनिए। जब आप बोल रहे थे तो हम चुप थे। Hon'ble Speaker, Sir, through you, I would request the Hon'ble Member to clarify कि ये किसकी बात कर रहे हैं। अगर वह मंत्री सदन में उपस्थित नहीं हैं तो उनकी ओर से अन्य सदस्य आपकी बात का उत्तर देंगे। We can clarify the issue and we can tell what is right and what are the facts. Nobody is afraid of one another, कोई किसी से नहीं डरता।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

05.03.2022/1205/बी.एस./वाई0के/-1

वन मंत्री---क्रमागत

यह अच्छी बात है you should not be afraid of anybody neither anybody afraid here also. That is very clear. Everybody knows how to live in his Khalldi and let others also know how to live in their Khalldi. Please be aware of your Khalldi also.

अध्यक्ष : आदरणीय मुकेश जी, वैसे तो जब माननीय सदस्य विक्रमादित्य जी ने अपनी बात रख दी है, अब इसमें कहने की आवश्यकता नहीं है। इन्होंने प्वाइंट ऑफ आर्डर लिया है और अपनी बात कह दी है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष जी, जो इस दुनियां में नहीं हैं, उनके बारे में भविष्य में बात नहीं होनी चाहिए। स्वर्गीय वीरभद्र सिंह जी हम सब के सम्मानित नेता रहे हैं। उनके बारे में ट्रेजरी बैंचिज से इस तरह की बात आए, यह सही नहीं है, यह अभद्रता है और मैं चाहूंगा मंत्री जी you must feel sorry. आदरणीय वीरभद्र सिंह जी के बारे में आपको नहीं कहना चाहिए था।

अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाह रहे हैं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि यह सब्र दोनों तरफ से होना चाहिए। क्योंकि इस मान्य सदन में जो भी माननीय सदस्य बैठे हैं, सबकी अपनी-अपनी भावनाएं हैं। हम बार-बार इस बात को करने की कोशिश करते हैं कि आप बोलिए परंतु हमें सीधे एक दूसरे की भावनाओं को आहत करने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए। जब यह सारा घटनाक्रम हुआ था, मैं उस दिन लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए गया था और मैं यहां उपस्थित नहीं था। लेकिन मुझे जानकारी मिली थी, इनका संदर्भ स्वर्गीय वीरभद्र सिंह जी से ज्यादा यह था कि माननीय सदन में आदरणीय विक्रमादित्य जी ने जो अपना पक्ष रखा, रिएक्शन इनकी बात पर था, विक्रमादित्य जी तो इस हाउस के सदस्य हैं और हाउस का सदस्य होने के नाते इन्होंने अपनी बात कही, यहां से मंत्री जी ने अपनी बात कही। संयम दोनों तरफ से होना चाहिए था परंतु नहीं हुआ, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उसके बावजूद यह भी सही है कि लोकतांतरिक व्यवस्था में एक व्यक्ति को अपनी बात कहने का अधिकार है तो दूसरे

को भी है। आरदणीय वीरभद्र सिंह जी के प्रति किसका सम्मान नहीं है? सबका है। चाहे वह सत्ता पक्ष के हों, चाहे विपक्ष के हों। उन्होंने लम्बे समय तक प्रदेश की सेवा की है। ऐसे मुझे लगता है कि कुछ बातों को हमें इग्नोर करना चाहिए और आपस में चर्चा के लिए एक अच्छा महौल बना रहे, उस तरीके से बात करनी चाहिए। लेकिन दोनों तरफ से बात आई

है। आज भी आदरणीय विक्रमादित्य जी ने एक बात का जिक्र किया, यह शब्द भी उचित नहीं है कि खलड़ी में रहो, खलटी में रहो। आज इस बात का जिक्र कर रहे थे तो इस पर प्रतिक्रिया होगी ही होगी। क्योंकि यह शब्द भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहा है। हमें सब्र करना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

05.03.2022/1205/बी.एस./वाई0के/-3

कागज़ात सभा पटल पर

अध्यक्ष : माननीय मुख्य मंत्री, भारत के संविधान के अनुच्छेद 243-1 व 243-Y की धारा 98(1) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य वित्त आयोग का छठा अंतरिम प्रतिवेदन, वर्ष 2022-23 की प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

मुख्य मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के संविधान के अनुच्छेद 243-1 व 243-Y की धारा-98(1) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश राज्य वित्त आयोग का छठा अंतरिम प्रतिवेदन, वर्ष 2022-23 की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

05.03.2022/1205/बी.एस./वाई0के/-4

सदन की समिति के प्रतिवेदन

अध्यक्ष : श्री बलबीर सिंह,सभापति, कल्याण समिति, कल्याण समिति के प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से लोक लेखा समिति के निम्न प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूं:-

i. समिति का 41वां कार्रवाई प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 23वें मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) (वर्ष 2019-20) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारित विभाग के अन्तर्गत अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम (SCDP) से सम्बन्धित है;

ii. समिति का 42वां कार्रवाई प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) जोकि समिति के 37वें मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) (वर्ष 2017-18) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर आधारित तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारित विभाग के अन्तर्गत "मुख्यमन्त्री आदर्श ग्राम योजना" से सम्बन्धित है; और

(iii) समिति के 14वें मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) (वर्ष 2019-20) में अन्तर्विष्ट सिफारिशों पर बना 27वां कार्रवाई प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) (वर्ष 2020-21) में निहित सिफारिशों पर सरकार द्वारा कृत कार्रवाई पर आधारित अग्रेत्तर कार्रवाई विवरण जोकि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्बन्धित है।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

05-03-2022/1210/ए.जी.-एन.जी. /1

श्री बलबीर सिंह के पश्चात....

अध्यक्ष : अब बजट अनुमार वित्तीय वर्ष 2022-2023 सामान्य चर्चा होगी। माननीय मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से यूक्रेन में फंसे हिमाचली बच्चों के सम्बंध में एक छोटी सी स्टेटमैंट देना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, यूक्रेन में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापिस लाने के लिए 'ऑप्रेशन गंगा' तेजी से चलाया जा रहा है। विदेश मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार बीते 24 घंटों में कई उड़ानें भारत आई हैं और अगले 24 घंटों में और अधिक उड़ानें निर्धारित की गई हैं। अगले दो-तीन दिनों में बड़ी संख्या में भारतीय वापिस लाए जाएंगे। उड़ानों की बढ़ती संख्या दर्शाती है कि बड़ी संख्या में भारतीय यूक्रेन से निकल आए हैं और वर्तमान में पड़ोसी देशों में हैं। उन्हें वहां से कमर्शियल व भारतीय वायु सेना के विमान वापिस लाने में लगे हैं। प्राप्त सूचना के अनुसार प्रदेश के 309 छात्र सकुशल वापिस आ चुके हैं। 149 छात्र अभी भी यूक्रेन में हैं या पड़ोसी देशों – रोमानिया, हंगरी, पोलैंड व स्लोवाकिया पहुंच चुके हैं।

प्रदेश सरकार पूर्ण संवेदनशीलता से उनसे व उनके परिवारजनों से लगातार सम्पर्क में है। उनकी वापसी के लिए जहां विदेश मंत्रालय के सहयोग से हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है, वहीं दिल्ली/मुम्बई पहुंचने पर उन्हें अपने घर तक भेजने की व्यवस्था की जा रही है। यूक्रेन के पूर्वी भाग में खारकीव और सुम्मी में अभी भी भारतीय फंसे हैं और यह हमारे लिए चिंता का विषय है जिनमें प्रदेश के छात्र भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के परामर्श के अनुसार कुछ छात्र खारकीव से निकल कर निर्धारित स्थानों पर पहुंचने में सफल रहे हैं। सन्तोषजनक बात यह है कि अब खारकीव से भी छात्रों की वापसी शुरू हो गई है।

05-03-2022/1210/ए.जी.-एन.जी. /2

विदेश मंत्रालय ने आश्वस्त किया है कि वहां फंसे भारतीयों की वापसी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और इसके लिए जो रास्ता सुविधाजनक होगा, उसी का प्रयोग कर उन्हें निकाला जाएगा। इस संकटकाल में प्रदेश सरकार वहां फंसे प्रदेश के छात्रों के परिवारों के साथ खड़ी है और मैं उनकी शीघ्र वापसी की कामना करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, बहुत तेजी से यह प्रयास आगे बढ़ा है लेकिन यह सच है कि वहां पर हालात अच्छे नहीं हैं। पिछले दो दिनों में जो हमले हुए हैं उसमें यूक्रेन में बहुत बड़ी क्षति हुई

है और उसमें बहुत सारे लोगों की दुखद मृत्यु भी हुई है। हमारे लिए यह संतोष का विषय है कि भारत का केवल एक बच्चा जोकि कर्नाटक से था और वहां पर मेडिकल की शिक्षा के लिए गया था, उसकी दुखद मृत्यु हुई है लेकिन अन्य सभी भारतीय सुरक्षित हैं, ऐसी सूचना हमारे पास है। मैं उम्मीद करता हूं कि जितने भी हिमाचल के बच्चे वहां पर पढ़ाई करने के लिए गए हैं वे सभी सकुशल होंगे और उन्हें सकुशल देश में वापिस लाने का लक्ष्य प्रदेश व देश की सरकार का है। हम दोनों आपस में एक कम्पलीट कॉर्डिनेशन के साथ इस काम को अंजाम दे रहे हैं। धन्यवाद।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या मुख्य मंत्री जी ने स्टेटमेंट दे दी है। ठीक है माननीय सदस्या श्रीमती आशा कुमारी जी कहिए।

श्रीमती आशा कुमारी (डलहौजी) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी से मैं केवल एक बात जानना चाहती हूं कि हमारे जो बच्चे सुम्मी और खारकीव में फंसे हुए हैं उनके लिए एक बात चली थी कि रशियन्ज़ उन्हें एक सेफ पैसेज़ देने के लिए एक कॉरिडोर क्रिएट करेंगे, क्या वह कॉरिडोर क्रिएट हो पाया है? वहां पर बच्चों को पैदल चल कर जाना पड़ रहा है। जब वे बच्चे फ्रैंडली नेशन्ज़ में पहुंच रहे हैं तब हमारी सरकार हरकत में आ रही है। जहां पर वे बच्चे फंसे हुए हैं उनके पास वहां पर न लाइट है, न खाने को है और न ही पीने को पानी है। हम सबने देखा है कि वहां पर बच्चे बर्फ पिंघला कर अपना गुजारा कर रहे हैं। एक बात चली थी कि जो रशिया की सरकार है क्योंकि वहां से सबसे नजदीक रशिया का बॉर्डर है,

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

05.03.2022/1215/SS-AG/1

श्रीमती आशा कुमारी क्रमागत :

आप विदेश मंत्रालय से बात करें ताकि हमारे बच्चों को सेफ पैसेज मिल जाए। चाहे झंडा लेकर मिल जाए या किसी तरह से चिन्हित करके कि ये इंडियन नेशनल्ज हैं, भले ही वे पैदल चले जाएं लेकिन उनको सेफ पैसेज मिल जाए। शैलिंग हो रही है, आपने ठीक बताया कि शैलिंग से एक भारतीय की मृत्यु हो गई और एक बच्चा हॉस्पिटल में है उसकी

टांग में गोलियां लगी हुई हैं। उसका नाम हरजोत सिंह है। एक और बच्चे की टैंशन से ब्रेन हैमरेज हो गई। हम नहीं चाहते कि हमारे बच्चों को टैंशन हो या कोई अनहोनी बात हो। इसलिए अगर आप सेफ पैसेज वाली बात कर लेते तो अच्छा रहता। यह मेरा आपसे आग्रह है।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इसमें दो राय नहीं है कि जो बच्चों वहां पर हैं वे तनाव में हैं और उनके पेरैंट्स भी तनाव में हैं। स्वाभाविक रूप से जो भी व्यक्ति वहां पर फंसा हुआ है वह बहुत कठिन परिस्थिति में है। जहां तक आपने सेफ पैसेज की बात कही है उसके संदर्भ में केन्द्र सरकार ने मामला रूस और यूक्रेन के नेतृत्व के साथ बार-बार उठाया है। हमारा विदेश मंत्रालय लगातार इस बात के लिए प्रयासरत है कि हमारे भारत का एक-एक नागरिक चाहे उनमें बच्चे हैं या कोई वहां पर व्यवसाय करने के लिए गया है, वह वहां पर सुरक्षित हो और उसके बाद उसकी सुरक्षित वापसी भी हो। मैं उम्मीद करता हूं कि कॉरिडोर की जो बात की है वह स्थिति वहां पर बने और उसके बाद हमारे हिमाचल के बच्चे सुरक्षित वापिस आ सकें। खासतौर से यह खारकीव और सूमी का एरिया बड़ा परेशानी वाला मामला है, फिर भी उस दिशा में जो प्रयत्न किए जा रहे हैं वे बहुत गम्भीर हैं।

समाप्त

05.03.2022/1215/SS-AG/2

वित्तीय वर्ष 2022-2023 के लिए बजट अनुमान

सामान्य चर्चा

अध्यक्ष : आज से वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट अनुमानों/वार्षिक वित्तीय विवरण पर सामान्य चर्चा प्रारम्भ हो रही है तथा इसका समापन 9 मार्च, 2022 को मुख्य मंत्री महोदय के उत्तर के साथ होगा। समय की उपलब्धता को देखते हुए विपक्ष के नेता को 40 मिनट तथा अन्य सदस्यों को अधिकतम 15-20 मिनट का समय सुनिश्चित किया गया है। इसलिए मेरा सभी माननीय सदस्यों से निवेदन रहेगा कि वे अपना-अपना भाषण बजट

तक ही सीमित रखकर निर्धारित समयावधि के भीतर समाप्त करें। अब मैं सर्वप्रथम विपक्ष के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी को चर्चा आरम्भ करने के लिए आमंत्रित करता हूं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री श्री जयराम ठाकुर जी ने विधान सभा के समक्ष 4 मार्च, 2022 को बजट अनुमान का दस्तावेज़ प्रस्तुत किया है। इसको मैंने चारों तरफ से देखा, यह 80 पेज का दस्तावेज़ है। इस दस्तावेज़ के बाद मुझे यही कहना है कि मुख्य मंत्री जी यह आपका अंतिम बजट था।

न तुम ही बचोगे, न साथी तुम्हारे;
जब डूबेगी कश्ती तो डूबेंगे सारे।

अध्यक्ष महोदय, जमीन खिसकती देखकर मुख्य मंत्री जी घबरा गए और यह घबराहट का बजट है। अगर इस दस्तावेज़ को देखो तो इसमें घबराहट नज़र आ रही है। इसमें चिन्ताएं नज़र आ रही हैं और किसी भी तरह से सत्ता में व गद्दी पर बने रहने का डैस्परेट प्रयास किया जा रहा है। मुख्य मंत्री जी चार चुनाव हारने के बाद अब आपको लगता है कि कैसे सत्ता बचाई जाए। लेकिन अध्यक्ष महोदय यह विदाई का बजट है। यह आपके जाने की आहट है। यह बहुत जोर-जोर से प्रदेश में सुनाई दे रहा है कि आप जा रहे हैं और यह दस्तावेज़ ही इसकी गवाही दे रहा है। यह आपने बैंकरप्सी का डाक्यूमैंट दिया है। यह दिवालियापन का डाक्यूमैंट है। यह फाइनेंशियल मिस-मैनेजमैंट का डाक्यूमैंट है और इसमें कहीं पर कोई इनोवेशन नहीं है, कोई विज़न नहीं है। मुख्य मंत्री जी, अंतिम अरदास आपने हिमाचल की जनता के सामने रख दी है।

जारी श्रीमती के0एस0

05.03.2022/1220/केएस/एएस/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी---

यह आपकी अंतिम अरदास है कि ऐ मालिक तेरे बंदे हम। अध्यक्ष महोदय, ग्रोथ रेट 8.3 दिखाई जा रही है। मुख्य मंत्री जी, आपने प्रदेश में ऐसा क्या चमत्कार कर दिया? ऐसा कौन सा चमत्कार कर दिया कि आपकी ग्रोथ 8.3 जा रही है? इकोनॉमिक डिजास्टर कर

दी आपने प्रदेश में। आप बात कर रहे हैं 'All time high growth' की . ग्रोथ में आपने 72 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। आप तो दुनिया की फास्टैस्ट इकोनॉमी बन गए। पिछले साल -6.2 था इसको कवर करते हुए आप 8.3, 14.5, पता नहीं क्या-क्या करके, आपके पास ऐसी कौन सी जादू की छड़ी आई जो कि आपने ऐसी घुमाई और हिमाचल प्रदेश की इकॉनोमी में इतनी लम्बी छलांग मार दी?

अध्यक्ष महोदय, यह आंकड़ों की बाजीगरी है। यह आंकड़ों के साथ खेल खेला गया है। इसी को कहते हैं जगलरी। इसी को कहते हैं fuzzing of figures . इकोनॉमी कहीं वाइब्रेंट नज़र नहीं आ रही है। जितनी रोज़ी पिक्चर आपने दिखाने की कोशिश की है, इन्कम कम हो गई, आय कम हो गई, खर्चे बढ़ गए और किसी भी तरह से धरातल का तो यह बजट ही नहीं है और जैसे मैंने कहा, अध्यक्ष महोदय, यह विदाई की घंटियां जोर-जोर से बज रही हैं। ये इन सभी को सुनाई दे रही हैं। ...(व्यवधान)...यह जो बजट पेश किया यह यही कह रहा है कि दिल बहलाने के लिए गालिब ख्याल अच्छा है।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर लोन के बारे में मुख्य मंत्री जी ने बताया, 21 फरवरी, 2022 तक 63 हजार 200 करोड़ का इन्होंने यहां पर बजट दिखाया है कि प्रदेश पर इतना कर्जा हो गया है। लेकिन साथ में ही यहां हाउस में यह नहीं बोला कि जैसे ही यह सत्र खत्म होगा, मैं 6276 करोड़ रुपये का नया लोन लेने वाला हूं। मैं कर्जा उठाने वाला हूं। बजट डॉकुमैंट से हटकर अंत में यह प्रदेश का कर्जा 70 हजार करोड़ रुपये का होगा। ...(व्यवधान)... अगर ऐसा नहीं है तो मुख्य मंत्री जी, आप इस हाउस में कहिए।

05.03.2022/1220/केएस/एएस/2

हाउस में आश्वासन दीजिए कि अब मैं 31 मार्च तक कोई कर्जा नहीं लूंगा और न मेरी ऐसी कोई मन्शा है। जो मैंने डॉकुमैंट दिया है, यही फाइनल डॉकुमैंट है लेकिन आप ऐसा नहीं करने वाले हैं। ...(व्यवधान)... as on today नहीं, आप 31 मार्च तक की बात कीजिए। 31 मार्च तक आप 70 हजार करोड़ रुपये तक के कर्जे वाले मुख्य मंत्री होंगे। जब आप इस पद

से हटेंगे, आप कर्जा डबल कर चुके होंगे। आप प्रदेश में सबसे ज्यादा कर्जा लेने वाले मुख्य मंत्री घोषित होंगे।. ...(व्यवधान)...अध्यक्ष महोदय, I am not yielding. ऐसा नहीं होगा। अगर मुख्य मंत्री जी बार-बार टोकेंगे तो हम नहीं मानेंगे। अभी तो शुरूआत ही हुई है। not at all ...(व्यवधान)... ऐसा नहीं होगा। हमने इनको कल तीन घंटे सुना। ...(व्यवधान)...

अध्यक्षः माननीय सदस्य, सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

05-03-2022/1225/av/as/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री --------- **जारी**

...व्यवधान... माननीय मुख्य मंत्री कल बजट पर तीन घंटे बोले हैं। ...व्यवधान... मैं तो यह कहना चाहता हूं कि :-

अभी से आपकी आंख में आ गए आंसू।
अभी तो हमने छेड़ी भी नहीं दास्तां॥

...व्यवधान...

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ी-सी क्लैरीफिकेशन देना चाहता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है जोकि गलत बात है। आप सदन के अंदर 63,000 करोड़ रुपये बोलते हैं और बाहर जाकर आपमें से कोई 70,000 करोड़ रुपये और कोई 80,000 करोड़ रुपये बोल देते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह उचित नहीं है, आपको तथ्यों पर बोलना चाहिए।

समाप्त

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या फंडिंग सीधे-सीधे कर्जों से होगी? मुख्य मंत्री जी, आप स्टेट में फाइनेंशियल लायबिलिटी इतनी बड़ी खड़ी कर देंगे जिसके लिए यह प्रदेश आपको माफ नहीं करेगा। ...व्यवधान... माननीय संसदीय कार्य मंत्री, आप सुनिए। मुख्य मंत्री जी तीन घंटे बोले और हम पूरी तरह से आज्ञाकारी बनकर आपकी बात सुनते रहें। ...व्यवधान... अब आपको भी सुनना चाहिए, हमने यहां पर तीन घंटे की फिल्म देखी है। ...व्यवधान... बजट का 71 प्रतिशत हिस्सा फिक्स्ड लायबिलिटीज के लिए रखा गया है और विकास के लिए केवल 29 प्रतिशत छोड़ा है। आप प्रदेश में इस 29 प्रतिशत से क्या विकास करेंगे? पिछले वर्ष के बजट में यह 45 प्रतिशत था और इस बार केवल 29 प्रतिशत है। आपने इसीलिए जब बजट पेश किया तो विभिन्न विभागों की

05-03-2022/1225/av/as/2

एलोकेशन्ज ही गायब कर दीं। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री पर आरोप लगाता हूं कि आप जानकारियां छिपाने के लिए यहां झूठ पेश कर रहे हैं। प्रदेश की जनता के समक्ष हकीकत नहीं रखी जा रही है। माननीय मुख्य मंत्री, आप अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं इसलिए मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आपने अपने कार्यकाल में प्रदेश की आय बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाएं? मुख्य मंत्री जी, आप यह भी बताएं कि आपने प्रदेश में फिज़ूलखर्ची रोकने के लिए क्या कदम उठाएं? आपने पिछले 5 वर्षों में नवाबों की तरह राज किया और अपनी पार्टी के खर्चे भी सरकार के बजट से चलाए। ...व्यवधान... आपने केंद्र या पड़ोसी राज्यों से अपने क्लेम्ज मांगने के लिए कौन-से कदम उठाएं? माह जून में तो जी0एस0टी0 की कंपनसेशन ही बंद हो जाएगी। अब जब जी0एस0टी0 की कंपनसेशन बंद हो रही है तो आपका रोड मैप क्या है? आपने उसके बारे में इस दस्तावेज में कुछ भी दिखाने की कोशिश नहीं की है। आपने बजट डॉक्यूमेंट में केवल 'बजट' नहीं लिखा कि प्रदेश का बजट क्या है। इसमें कहा गया है कि हम एक्साइज पॉलिसी में पारदर्शिता लाने की कोशिश करेंगे। आपने पिछले चार वर्षों से तो ठेके तक नीलाम नहीं

किए फिर आप क्या पारदर्शिता लाएंगे? आप तो इसको बजट का आधार बना रहे हैं। ...व्यवधान... माननीय उद्योग मंत्री, अभी भी क्या हो रहा है? आप उस बारे में मेरा मुंह मत खुलवाओ। ...व्यवधान... मेरा मुंह मत खुलवाओ, अगर आप ऐसी बात करेंगे तो इसी पर डिबेट शुरू हो जाएगी।

टी सी द्वारा जारी

05/03/2022/1230/टी0सी0वी0/एच0के0/1
श्री मुकेश अग्निहोत्री .. जारी

...व्यवधान... तो इसी में डिबेट हो जाएगी। इसलिए हमें सीधी दिशा में जाने दीजिए। मुख्य मंत्री जी, हाइडल सेक्टर में कौन-सा नया इन्वैस्टर आया जो आपने हाइडल सेक्टर को आधार बना दिया। अभी तक ड्रग पार्क आया नहीं लेकिन उससे आपको कौन-सी आमदनी हो रही है? आपके समय में तो उसका पहला खुरपा भी नहीं लगेगा। आपके तो चार महीने ही बाकी रह गए हैं। अब तो आपके जाने का टाइम आ गया है। आप ज्यादा-से-ज्यादा उसका शिलान्यास कर लेंगे, आप उससे क्या आय ढूंढ रहे हैं? विश्व और देश की ऐसी कौन-सी कंपनी या इन्वैस्टर है जो प्रदेश में आ गया? आपने बहुत ग्राउंड ब्रेकिंग की और आपने कहा कि प्रधान मंत्री जी ने ग्राउंड ब्रेकिंग की लेकिन कोई इन्वैस्टर तो आया नहीं। हिमाचल प्रदेश में रेवैन्यू को बढ़ाने के लिए आप कौन-से चैक की बात कर रहे हैं। ये सब फर्जीबाड़ा है, आप झूठ पर अपनी मंजिल खड़ी कर रहे हैं। इस बार तो आपने महा झूठ बोला है। आप प्रदेश का घाटा कर्मचारियों और कोविड पर डाल रहे हैं। प्रदेश के कर्मचारी घाटे के लिए जिम्मेवार है, आप नहीं है जो सत्ता में बैठे हुए है। ...व्यवधान... यह बात इस दस्तावेज में लिखी हुई है। यह दस्तावेज हैं आप इसको पढ़ लें। जब दस्तावेज को पेश करते हैं तो इसको पढ़ा करें कि इसमें पेश क्या-क्या लिखा है। ...व्यवधान ... मंत्री जी आपने कहा था कि अनपढ़ों वाली बात न करो लेकिन अनपढ़ों वाली बात आप कर रहे हैं। यदि यह डॉक्यूमेंट में नहीं हुआ तो मैं इस्तीफा दे दूंगा वरना मुख्य मंत्री जी इस्तीफा दें। यह मैं यहां सदन में कह रहा हूं। यह सारी बातें इस दस्तावेज में लिखी हुईं हैं। ये हम आपको

दिखाएंगे। अध्यक्ष महोदय, बजट में सिवाय मानदेय बढ़ाने के कुछ नहीं है। इस साल कितने बढ़े, उसमें जोड़ दिया मैंने पांच साल में कितने बढ़ाए। ...व्यवधान...

'जो यह मामा मान्दा नहीं, कर्मचारियां री सुण्दा नहीं।'

05/03/2022/1230/टी0सी0वी0/एच0के0/2

आपने हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों के खिलाफ दमन चक्र चला दिया। मुख्य मंत्री जी आपको जिसने भी 'स्ट्रोंग मैन' बनने की राय दी है कि आप जेंटल मैन से स्ट्रोंग मैन बन जाओ, यह राय आपके ऑफिसरों ने दी होगी। आपने प्रदेश के कर्मचारियों के साथ टकराव किया है। भाजपा पहले भी प्रदेश कर्मचारियों से टकराव कर चुकी है। 'काम नहीं तो वेतन नहीं' यह आपकी सरकार ने किया। आपने 44 लोगों के खिलाफ आज एफ0आई0आर0 दर्ज की है। वे यहां पर प्रदर्शन करने आए और आपने उन पर ठण्डे पानी की बौछारें डाल दीं। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगा दी और आपने उन पर लाठियां चला दीं। मुख्य मंत्री जी आपने प्रदेश के तीन लाख कर्मचारियों को ललकारा है। आपने उनके साथ धमकी के लहज़े में बात की है।

एन0एस0 द्वारा जारी ....

05-03-2022/1235/NS/HK/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री .....जारी

आप बताएं इन कर्मचारियों ने कौन-सी सरकारी संपत्ति का नुकसान किया कि आप उनके खिलाफ़ मामले दर्ज़ कर रहे हो? आप कहते हैं कि मैं कर्मचारियों के पास उनकी बात सुनने नहीं जाउंगा तो आप पहले क्यों गए थे? आप धर्मशाला में गए थे। ...व्यवधान... आप वहां पर प्रदर्शन में गए और आपके मंत्री भी गए। आप पहले क्यों गए? आप पहले न जाते। ...व्यवधान... आपकी दोगली भाषा है। आप एक प्रदर्शन में जाएंगे और दूसरे प्रदर्शन में नहीं जाएंगे, यह आपको किसने कहा? आपने पूरे प्रदेश में आक्रोश और आंदोलन के बीच बजट पेश किया है। ...व्यवधान... मुझे मालूम है। मंत्री जी आप जब बोलते हैं तब हम आपको नहीं बोलते हैं। इसलिए जो हम बोल रहें हैं आप भी सुनिए।

अध्यक्ष महोदय, पे कमीशन की सिफरिशें आईं। आपने सभी वर्गों को दिया तो जिनको आपने अभी रियायतें अपने बजट में अनाउंस कीं इन वर्गों को भी मिलना था। आपने इतना लंबा बजट पेश किया। मुझे दुःख है कि जब बजट सारा पेश हो गया तो प्रदेश के मुख्य सचिव आपको पर्ची देते हैं कि आप कर्मचारियों के लिए भी कुछ बोलो, over and above छपी हुई किताब से कुछ अलग और आप उस पर्ची से ओ0पी0एस0 के बारे में बोलते हैं। आपने इसे बजट बुक में मैंशन नहीं किया। इतने लंबे संबोधन में सबसे ज्वलंत मुद्दा ओ0पी0एस0 का था। आप उसमें खामोश रहे। ...व्यवधान...

अध्यक्ष महोदय, पे कमीशन पर विसंगतियों का मसला था, इसमें राइडर लगे हुए हैं। कभी आपने सोचा कि दिनांक 03 जनवरी, 2022 को वेतनमान देने के बाद प्रदेश के किसी भी कर्मचारी ने आपके पे कमीशन को क्यों नहीं लिया? क्या किसी कर्मचारी ने आपके पे कमीशन को लिया? आपको इसे लागू किए हुए दो महीने का समय हो गया है। एक भी कर्मचारी ने इसे नहीं लिया और आपने उसकी बात अपने बजट भाषण में नहीं रखी। आउटसोर्स कर्मचारी आपकी तरफ निगाहें लगा कर बैठे हुए थे कि उन्हें सेवा में लेने बारे आप कुछ-न-कुछ ऐलान करेंगे। आपने उनके लिए कहा कि आपको महीने के अंत में सैलरी स्लिप मिल जाया करेगी। आपने किसी भी मुद्दे का स्थायी समाधान करने का प्रयास ही नहीं किया। आपने सिर्फ रियायतें दी हैं। आपने करूणामूलक आधार पर

05-03-2022/1235/NS/HK/2

नौकरियों देने बारे एक भी शब्द अपने बजट भाषण में नहीं कहा। आपको उन पर भी करूणा नहीं आई कि 220 दिन से आंदोलन पर बैठे हुए हैं। आपने एस0एम0सी0 अध्यापकों के मानदेय में 1,000 रुपये की बढ़ौतरी की। आपने उनको भी लटका कर रख दिया। कर्मचारियों के सभी वर्ग आपने नज़रअंदाज कर दिए। जिस पुलिस से आप बाहर कार्रवाई करवा रहे थे आपने उनको भी कुछ नहीं दिया। वे आपके घर द्वार पर आए थे। आपने होम गार्ड वालों को कुछ नहीं दिया जिनसे आप लोगों के ऊपर पानी को बौछारें और डंडे डलवा रहे हो।

अध्यक्ष महोदय, यह बजट प्रदेश के बेरोज़गारों से बहुत बड़ा धोखा है। बजट डॉक्यूमैंट की मूल भावना क्या है? इस डॉक्यूमैंट को देखो इसकी मूल भावना है कि आप चोर दरवाज़े से नौकरियां देना चाहते हो। आप हि0 प्र0 पब्लिक सर्विस कमीशन और हि0 प्र0 कर्मचारी

चयन आयोग के माध्यम से नौकरी नहीं देना चाहते हैं। वैसे भी आपके अब छः महीने बचे हैं, आप पक्की नौकरी दे ही नहीं सकते। ...व्यवधान... आप पक्की नौकरी दो। ...व्यवधान... भारद्वाज साहब हम पक्की नौकरी की बात कर रहे हैं। आपने पिछले बजट भाषण में 30,000 नौकरियां कहीं थीं और इस बजट में भी 30,000 नौकरियां लिख दीं। इस बार आपने ब्रेक अप ही नहीं दिया। ऐसा चलतउ तरीके से बजट पेश किया। पिछली बार के 8000 मल्टी टास्क वर्कर्ज़ अभी तक लगे ही नहीं हैं।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

05.03.2022/1240/RKS/एच के-1

मुकेश अग्निहोत्री... जारी

पी.डब्ल्यू.डी. में जो पांच हजार मल्टी टास्क वर्कर लगाए जाने थे, उन्हें भी आप नहीं लगा पाए। आपने अब तीस हजार रोज़गार देने की बात कही है। मुख्य मंत्री जी खुदा के वास्ते आप भर्तियों में बेईमानी मत करो। बेरोज़गारी का आंकड़ा 14 लाख को क्रोस कर गया है इसलिए आप बेरोज़गारों से बेईमानी मत करो। ...व्यवधान... आप साढ़े चार वर्षो से चिटों पर ही भर्तियां कर रहे हैं और प्रदेश के नौजवान आपसे इसका हिसाब मांगेंगे। हमारे युवक स्कूलों, कॉलेजों व विश्वविद्यालयों से डिग्रियां लेकर बेराज़गार बैठे हैं और आप चोर दरवाजे से भर्तियां कर रहे हैं। मुख्य मंत्री जी आपने 'दीया जलाने की बात की।' आपने धर्मपुर और सिराज में दो दीये जलाये और बाकी 65 दीये बुझा दिए। ...व्यवधान... मुख्य मंत्री जी आप इस सदन को बताएं कि बच्चों को गत तीन वर्षों से लैपटॉप क्यों नहीं मिले? आपने लैपटॉप के लिए तीन बार टेंडर किए लेकिन इसके बावजूद भी बच्चों को लैपटॉप नहीं मिले। आप बार-बार टेंडर क्यों रद्द कर रहे हैं? स्कूल के बच्चे मैरिट में आए हैं और वे लैपटॉप का इंतजार कर रहे हैं। आपने इस बजट में महंगाई की कोई बात नहीं की। पहले आप महंगाई को डायन कहते थे और आज महंगाई आपकी मौसी बन गई है। महंगाई के मुद्दे पर यह दस्तावेज़ पूरी तरह खामोश है। उज्ज्वला योजना के तहत आप एक सिलेंडर

देने की बात कर रहे हैं। आज एक सिलेंडर ग्यारह सौ रुपये में मिल रहा है और इस पर सरकार सब्सिडी भी नहीं दे रही है। ...व्यवधान... कोई सिलेंडर फ्री नहीं मिल रहा है। जब महिलाएं ग्यारह सौ रुपये का सिलेंडर लेती हैं तो संकल्प लेती हैं कि अब बी.जे.पी. को कभी वोट नहीं डालेंगे। ...व्यवधान... राशन योजना पर आपने कोई बात नहीं की। ...व्यवधान... आज सरिये का रेट 7100 रुपये प्रति क्विंटल है। सीमेंट की बोरी का दाम 450 रुपये हो गया है और आप कह रहे हैं कि हम मिशन रिपीट करेंगे। आज सरसों के तेल की एक बोतल का दाम सवा दो सौ रुपये है। इस बार आपको शानदार तड़का लगने वाला है। आप मुझे बताएं कि आपने इस कार्यकाल में प्रदेश में कौन-सा मेगा प्रोजैक्ट स्थापित किया?

05.03.2022/1240/RKS/एच के-2

आपने तीन बजटों में ग्रीन फील्ड हवाई पट्टी की बात की। अगर आप अपने इलाके में जहाज उतारेंगे तो हमें खुशी होगी। आपने इस बार यह भी कहा कि नाइट लैंडिंग करवाई जाएगी। आप दिन में तो जहाज उतार नहीं पा रहे और अब रात को लैंडिंग करने की बात कर रहे हैं। अभी आपसे ज़मीन अधिग्रहण तो हुई नहीं और आप बोइंग व चार सौ सीटर जहाज उतारने की बात कर रहे हैं। वहां के स्थानीय लोग भूमि को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। आप हवाई पट्टी के निर्माण के लिए 11-11 सौ करोड़ रुपये का प्रावधान दो बजटों में करते रहे लेकिन मुझे अफ़सोस है कि आप अपने समय में इसका शिलान्यास भी नहीं कर पाएंगे।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

05.03.2022/1245/बी.एस./वाई0के0/-1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी...

यह प्रोजैक्ट आपके दिल के करीब है और आप इसका शिलान्यास तक नहीं कर पाओगे। आप कह रहे हैं कि तकनीकी तौर पर यह मंजूर हो गया है, अब कौन सी तकनीक लग रही

है, कहां मंजूर हो गया वहां तो एक्यीजीशन के लिए लोग विरोध कर रहे हैं। आप हमें कहते हैं, मुंगेरीलाल के हसीन सपने, देख रहे हैं। ये सपने तो मुझे लगता है कि आपकी तरफ मुड़ रहे हैं। आप मुंगेरीला बन गए हैं। आपके पांच सालों में मण्डी में जहाज नहीं उतर पाएगा। ये सारे काम किसे करने पड़ेंगे?

आप मण्डी विश्वविद्यालय की बात करते हैं, मैं आपको बधाई देना चाहता हूं, आप मण्डी में विश्वविद्यालय खोलिए, लेकिन इस बजट बुक में कोई पैसा तो रख देते कि मैंने 2-4 करोड़ रुपए इसके लिए रखा है। लेकिन आपने एक पैसे की बात इसमें नहीं कही गई है। आप कह रहे हैं कि वर्ष 2022-23 में यह विश्वविद्यालय फंक्शंनल हो जाएगा, 'हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा आये', मण्डी के लिए आपने चार साल में कुछ नहीं किया और आपसे आने वाले चार महीनों में कुछ नहीं होगा।

आप हाइवे और रापवे की बात कर रहे हैं, नैशनल हाइवे का आपने क्या किया? यह सबसे बड़ी असफलता आपकी और आपकी सरकार की है। आपने कहा था कि 65 हजार करोड़ रुपए के नैशनल हाइवे बनाएंगे और ये 69 हाइवे बनेंगे। लेकिन बजट में उनका उल्लेख तक नहीं किया गया है। आपने कहा कि आने वाले समय में 700 करोड़ रुपए के हाइवे बनेंगे। आप 65 हजार करोड़ की बातें करके लोगों की वोटें ले गए, आपने लोगों को ठग दिया, इस प्रदेश के लोगों से झूठ बोला गया है। नैशन हाइवे आपकी नाकामी का स्मार्क है। प्रदेश से जेा आपने इतने बड़े-बड़े वायदे किए थे, उनका आपने कुछ नहीं किया। यहां आदरणीय राकेश जी बैठे हैं, मुझे बोलते हुए टोकते हैं, क्या आपने फैक्टर-॥ लागू करवा लिया, जो फोर लेन बन रहे हैं, क्या लोगों को उसमें चार गुणा मुआवजा दिलवा दिया हैं? क्या आज तक किसी सड़क का पैसा लोगों को दिलवाया है? जब इस मान्य सदन में विरोध हुआ था तो यहां से आदरणीय धूमल साहब ने कहा था कि जब हमारी सरकार आएगी तो हम देने के लिए वचनबद्ध हैं, हम फैक्टर- ॥ देंगे, लेकिन आपके दृष्टि पत्र में यह बात अंकित है। आपने किसी को पैसा

नहीं दिया। वहां 13 रोपवे की बात हुई और यहां पर चार रोपवे की बात करनी शुरू कर दी, इनके लिए कोई बजट का प्रावधान नहीं है। आपने लिखा है कि दिल्ली से बात करेंगे, आप

समझ रहे हैं कि आप किसी तरह से मण्डी वाला रोपवे बनवा लेंगे, जो बगलामुखी जी वाला है। हम भी कहते हैं कि आप बनवा लें। उसके लिए कोई बजट में पैसे का प्रावधान है, कि नहीं है? मुझे तो कहीं भी नजर नहीं आ रहा है।

मुख्य मंत्री : उसका काम शुरू हो चुका है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आपने काम शुरू कर दिया, परंतु बजट में तो कहीं पैसा नहीं दिया गया है।

आपने रेलवे लाइन की बात की, क्या एक इंच लाइन हिमाचल प्रदेश में आगे बढ़ी? आप कह रहे हैं कि दिल्ली सरकार ने यह पैसा रख दिया है। क्या किसी रेल लाइन के लिए आपने मैचिंग ग्रांट रखी है? आपने ऊना-हमीरपुर रेल लाइन की बात की, आपको पता है कि बजट में उसके लिए कितने पैसे हैं? मात्र एक हजार रुपया।

मुख्य मंत्री : यह टोकन मनी है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आपकी सरकार ने मना किया कि आप मैचिंग ग्रांट नहीं देंगे, आपकी सरकार ने कहा कि हम इस स्थिति में नहीं है। आज अपनी बजट बुक में लिख रहे हैं कि आप इसके लिए पैसा देंगे। लोग डबल इंजन की सरकार नहीं चाहते वे तो सिंगल से ही खुश थे, वह अच्छा चलता था। ...व्यवधान...

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कहा कि मैं 60 साल वालों को पेंशन दूंगा,

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

05-03-2022/1250/वाई.के.-एन.जी. /1

श्री मुकेश अग्निहोत्री ..... जारी

माननीय मंत्री जी आप बहुत वरिष्ठ व्यक्ति हैं, आप सुनिए। पैंशन के दो Set of Rules नहीं हो सकते कि कर्मचारियों को पैंशन आपने नकार दी और आप इधर दे रहे हैं। इसमें जब

आपने कह दिया कि 60 वर्ष से ऊपर वालों को सबको पैंशन मिलेगी तो आप बताएं और आपने इसी बजट में 16, 17, 18 व 19 नम्बर पेज पर लिखा है कि वर्ष 2022-23 में प्रदेश में केवल 40,000 लोगों को पैंशन लगाई जाएंगी। आपने इसमें कैप लगा दी है। एक तरफ आप कह रहे हैं कि 60 वर्ष से ऊपर वालों को पैंशन दी जाएगी और फिर आपने इसमें कैप लगा दी। आप बजट में देख लीजिए, यह आपका ही डॉक्यूमेंट है और इसे आपने ही पढ़ा है। आपने पैंशन के लिए स्लैब बना दिए हैं और इसमें आपने कह दिया कि 60 वर्ष से ऊपर वालों को पैंशन मिलेगी। आप 1,500 रुपये पैंशन देते हैं जिसे आपने 1,700 रुपये कर दिया है तो 60 वर्ष से ऊपर वाले सभी को 1,700 रुपये पैंशन दो। माननीय मुख्य मंत्री जी ने चार पेज लगा दिए इस बात को लिखने के लिए। आप बताएं कि आपने यह 70 वर्ष वालों के लिए दोबारा क्यों लिखा कि 'विधवाओं, एकल नारी तथा 70 वर्ष से नीचे वृद्ध जनों को मिलने वाली 700 रुपये प्रति माह की पेंशन को बढ़ा करके 1000 प्रति माह।'...व्यवधान... आपने जब 60 वर्ष का एक फिगर दे दिया ...व्यवधान... आपके अधिकारी क्या कर रहें हैं इस पर भी आप थोड़ा ध्यान दें। आपने लिखा है कि '70 वर्ष से ऊपर वृद्ध जनों तथा 70 प्रतिशत अपंगता वाले दिव्यांगजनों को मिलने वाली पेंशन को 1100 रुपये प्रति माह से बढ़ा करके 1500 प्रति माह।' महिलाओं के लिए आपने तीन स्लैब बना दिए हैं और आपने अगले पेज पर लिखा है कि 60 से 65 वर्ष की आयु की महिलाएं बिना किसी आय सीमा की पैंशन लेंगी। जब आपने 60 वर्ष से ऊपर बोल दिया है तो उसमें 65 से 69 वर्ष भी आ जाता है। ...व्यवधान...

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, सरल भाषा में कहें तो हमने लिखा है कि 60 वर्ष से ऊपर सभी को सामाजिक सुरक्षा पैंशन दी जाएगी।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, यही सरलता की बात तो मैं कर रहा हूं। ...व्यवधान... यह डॉक्यूमेंट गलत है ...व्यवधान... माननीय मंत्री श्री राकेश पठानिया जी आप लोगों ने ही यह बजट क्लीयर किया है। ...व्यवधान...

05-03-2022/1250/वाई.के.-एन.जी. /2

आप लोगों ने ही यह बजट डॉक्यूमेंट जारी किया है। आपकी कैबिनेट ने इसको क्लीयर किया है। पहली बात आपने 60 वर्ष से ऊपर कहा है तो सभी को बराबर 1,700 रुपये पैंशन

दो। दूसरी बात इसकी कैप को हटाओ। ...व्यवधान... 40,000 को देंगे, इतने तो पैंडिंग केस पड़े हैं। अगर 40,000 ही रखा तो 60 वर्ष वाले एक को भी पैंशन नहीं लगेगी। यह है आपका डॉक्यूमेंट, माननीय मंत्री जी पढ़ लीजिए इसे। ...व्यवधान... 60 वर्ष के लिए आपने किस प्रकार से बंडलबाजी की है। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि विधवाओं, एकल नारी तथा दिव्यांगजनों को 60 वर्ष से नीचे के लिए स्लैब बना सकते हैं लेकिन 60 वर्ष से ऊपर वालों के लिए एक ही फार्मुला होना चाहिए व 60 वर्ष से ऊपर जो भी व्यक्ति है उसको 1,700 रुपये पैंशन दी जानी चाहिए और इसमें से कैप को भी हटाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, बजट डॉक्यूमेंट में बार-बार माननीय प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद किया गया है। ...व्यवधान... बताओ क्या मिला? आपने चार बार उन्हें बुलाया और आपको उनसे क्या मिला है? ...व्यवधान... सिवाय गद्दी के आपको कुछ नहीं मिला? केन्द्र सरकार तो खुद सम्पतियां बेच रही है, रेलवे बेच रही है, हवाई अड्डे बेच रही है, एल.आई.सी. बेच रही है और अन्य सभी को भी बेच रही है तो अपको क्या देगी? आपको देने के लिए केन्द्र सरकार के पास क्या है? आपने भी प्रदेश में सम्पतियां बेचनी शुरू कर दी हैं। आपने प्रदेश में 200 करोड़ रुपये की प्रोपर्टियां लीज़ पर दे दी हैं। आप किसान की बात कर रहे हैं लेकिन इस देश का किसान आपको माफ नहीं करेगा। उन तीन कानूनों के लिए 750 किसानों की जानें चली गई हैं। आप उन कानूनों के समर्थक थे। आपने इस बजट डॉक्यूमेंट में किसान का कोई कर्ज़ माफ नहीं किया है। आप बताएं कि आपने सेब वालों के लिए क्या किया? क्या आपने इम्पोर्ट ड्यूटी का मसला हल करवाया? जब केन्द्रीय बजट बनना था तो क्या आप माननीय प्रधान मंत्री जी और माननीय वित्त मंत्री जी से मिले कि यह हमारी कमिटमेंट है और हमने इम्पोर्ट ड्यूटी का मसला हल करवाना है और विदेशों के सेब को चोट देनी है। लेकिन आपने सेब वालों के लिए कुछ नहीं किया।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य सुनिए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, आप आराम से सुनिए,

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

05.03.2022/1255/SS-YK/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री क्रमागत :

आप बहुत अच्छे आदमी हैं। आपसे अच्छा आदमी कौन है? आपसे बढ़िया आदमी कोई नहीं है। हम आपका बहुत सम्मान व आदर करते हैं। 1.00 बजने वाला है आप मुझे कम्प्लीट करने दीजिए।

अध्यक्ष : मेरी बात सुनो। एक तो हमने जो आपका समय निर्धारित किया था वह पूरा हो रहा है। आप कृपया वाइंड अप कर दीजिए।

श्री मकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, अभी मेरा समय पूरा नहीं हुआ है। देखिए, कभी एम्पायर स्वयं नहीं खेलता और दोनों टीमों को खेलने देता है। इसलिए आप भी दोनों टीमों (सत्तापक्ष और विपक्ष) को खेलने दो।

अध्यक्ष : जो समय निर्धारित हुआ है कृपया उसी में बात समाप्त करें और मुझे बैल न बजानी पड़े। आप कृपया वाइंड अप करें।

श्री मकेश अग्निहोत्री : मुख्य मंत्री जी ने पुष्प क्रांति की बात की। पुष्प क्रांति के नाम पर परवाणू में एक कमरा बना है और यहां कह दिया कि पुष्प क्रांति हो गई। हमें जाते समय वहां पर नज़र आता है कि एक छोटा-सा कमरा ही बना हुआ है और पुष्प क्रांति हो गई।

अध्यक्ष महोदय, लॉ एंड ऑर्डर की क्या बात है!

अध्यक्ष : आपकी सारी बात आ गई है इसलिए आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त करिए।

श्री मकेश अग्निहोत्री : सर, मैं समाप्त कर रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय, आप ऐसा मत करो। मैं छोड़ देता हूं और बाहर चला जाता हूं अगर आप मुझे कम्प्लीट नहीं करने देते। यह क्या बात है कि आप कम्प्लीट नहीं करने देते।

(विपक्ष के माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गए।)

अध्यक्ष : आपका निर्धारित समय पूरा हो रहा है। आप एक मिनट में वाइंड अप करिए।

श्री मकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी सदन के बाहर जिस ढंग से माफिया को लेकर बयान दे रहे थे मुझे पूरी उम्मीद थी कि इस बजट में माफिया की बात करते हुए कोई कंकरीट पॉलिसी लेकर आएंगे और यहां पर कहेंगे कि कैसे हमने इनकी सम्पत्तियां जब्त करनी है। आपने बजट में इसके बारे में डिस्कस ही नहीं किया। आप लॉ एंड ऑर्डर और होमगार्ड के संदर्भ में पेज निकालो तथा उसे देखो। आपने वहां पर ड्रग माफिया की बात नहीं की। आपने शराब माफिया की बात नहीं की। आपने बारूद माफिया की बात नहीं की। आपने रेत माफिया की बात नहीं की। आपने किसी और माफिया की बात नहीं की। मुख्य मंत्री जी, इसके लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति की ज़रूरत है। हम आपको बार-बार बोल रहे हैं। देखो रंगीलू को बेल मिल गई। रंगीलू को बेल कैसे मिल गई? अभी शराब से 7 लोग मरे हैं और रंगीलू बाहर घूम रहा है। 11 आदमी बारूद से मर गए। आपने कोर्ट में इसका केस ढंग से नहीं लड़ा।

अध्यक्ष महोदय, ड्रग्स के 5856 मामले हैं और रेप के 1357 मामले हो गए। हम समझते थे कि इन मसलों में मुख्य मंत्री जी एक वृहद योजना लेकर आएंगे। हम बार-बार कह रहे हैं कि अभी भी अवैध खनन हो रहा है। आप सोचते हैं कि यह विपक्ष की आवाज़ है, विपक्ष वाले मुद्दा उठाते हैं तो उठाते रहें। हम आपको टाइम एंड अगेन बता रहे हैं लेकिन किस ढंग से इनकी सम्पत्तियां कुर्क होनी हैं उसके लिए आप कौन-सी ठोस नीति लेकर आ रहे हैं। यहां पर आप कौन-सा बिल लेकर आ रहे हैं। आपको इसके बारे में कोई चर्चा करनी चाहिए थी।

आप टूरिज्म की सम्पत्तियों को बेच रहे हैं। आप ऐतिहासिक किलों की बात कर रहे हैं। आप आखिरी दौर में कौन-सा किला बना लोगे? आपने कई किले बनाने

05.03.2022/1255/SS-YK/3

की बात कर दी, 6 महीने में कौन-सा किला बनेगा! ए0डी0बी0 के ये सब पुराने प्रोजैक्ट हैं। मैं आपको दिखाता हूं कि यह 2018 के बजट में भी कहा गया है कि ए0डी0बी0 को केन्द्र सरकार ने फॉरवर्ड कर दिया है। आज आप कह रहे हैं कि हम ये काम करेंगे। क्यारीघाट वाला पुराना मसला है। इस सम्पत्ति को भी आपने लीज पर दे दिया। आपने जंजैहली वाली सम्पत्ति भी लीज पर दे दी। ...व्यवधान... जंजैहली में भी है और मनाली वाली सम्पत्ति भी है। आप ये सम्पत्तियां क्यों लूटा रहे हैं इन पर प्रदेश का पैसा लगा हुआ है?

मुख्य मंत्री जी, देखो कल क्या हुआ जब आप बजट पेश कर रहे थे? जब सिराज बात आई कि सिराज को 121 करोड़ रुपये की पानी की स्कीम तो आप झेंप गए। आप बजट को निकाल कर देख लें। हम चाहते हैं कि सिराज को 121 करोड़ रुपये की पानी की स्कीम आप दें क्योंकि आप मुख्य मंत्री हैं। आपने धर्मपुर को 147 करोड़ रुपये की पानी की स्कीम दी ...व्यवधान...

जारी श्रीमती के0एस0

05.03.2022/1300/KS/AG/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी---

...(व्यवधान)... आपने इसमें लिखा है। सबसे बड़ी 147 करोड़ की धर्मपुर को और 121 करोड़ रुपये की आपको। हमने हरोली की एक स्कीम दी थी, आपने कहा not feasible और डस्टिबिन में फेंक दी। आप तो क्षेत्रवादी हो गए जिस ढंग से आप काम कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, यह जो सारा दस्तावेज है, यह पूरी तरह खोखला है, दिशाहीन है। पांच साले आपने प्रदेश का criminal wastage of time किया है । आपके समय में समय की आपराधिक बर्बादी हुई है। इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा। ऐसी सरकार जिसने

पांच साल प्रदेश के लिए कुछ नहीं किया और अब लीपापोती कर रहे हैं। यह विदाई का बजट था। मुख्य मंत्री जी, शहनाई बज गई है, आप और आपके साथी जाने की तैयारी करो। ...(व्यवधान)...जब बजट आया तो हमने सोचा, मुख्य मंत्री जी, बहुत शोर सुनते थे पहलू में दिल का, जो चीरा तो इक कतरा खून न निकला। इतना सा भी खून नहीं निकला जो आपने बजट पेश किया है। यह सारी विदाई हो गई है। There is no landmark achievement. प्रदेश की कोई अचीवमेंट नहीं हुई है। आपके समय में प्रदेश में गवर्नेंस की सबसे बड़ी कैजुअल्टी हो गई है।

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है इसमें आपके कर्मचारियों के लिए जो सचिवालय भत्ते होते हैं, आप वे सचिवालय को दे रहे हैं लेकिन उसके समकक्ष किसी को नहीं दे रहे हैं। आपकी अभी की नोटिफिकेशन भी देख लो और पहले की भी देख लो। सचिवालय के समकक्ष और भी हैं। क्या विधान सभा सचिवालय नहीं है? इनको भी यह पैसा मिलना चाहिए था। आपने हर वर्ग को निराश किया है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, प्लीज़ अब बैठिए। मुझे बोलने दीजिए। निर्धारित समय समाप्त हो गया हैं। ठीक है, अब बैठिए।

05.03.2022/1300/KS/AG/2

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः यह निराशा व हताशा भरा बजट है। अध्यक्ष जी, आखिर में मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं। 2800 करोड़ रुपये के आपने जल जीवन मिशन में 8 कम्पनियों को ठेके दे दिए। किसी को 500 करोड़, किसी को 300 करोड़, किसी को 600 करोड़, यह क्या हो रहा है? आप किस ढंग से टैंडर दे रहे हैं? 8 टैंडर हैं और मेरे पास सभी के नाम हैं कि आपने कितनी-कितनी राशि दी है। मुख्य मंत्री जी, जल शक्ति मिशन में यह बहुत बड़ा घोटाला हो गया है। यह जो टैंडर्ज़ हैं, ये अपने आप में एक घोटाला है। मैं आपके ध्यान में लाना चाहता था। आपको सिर्फ मनरेगा बचा रही है। मनरेगा की कन्वर्जेंस के साथ आप बात कर रहे हैं। मनरेगा में दिल्ली ने 25.5 परसेंट का कट लगा दिया, खाद में दिल्ली ने 25

परसेंट का कट लगा दिया, फूड में 28 परसेंट का कट लगा दिया, पैट्रोल में 11 परसेंट का कट लगा दिया और अब जैसे ही उत्तर प्रदेश के इलैक्शन खत्म होंगे, आप देखना पैट्रोल और डीज़ल के रेट क्या होते हैं।?एकदम से छलांग लगाएंगे। प्रदेश की हालत खराब है। मंहगाई, बेरोज़गार और माफिया राज़ आदि सब पर आप चिंतन कर लो। चार महीने बाकी हैं अन्यथा मुख्य मंत्री जी, आपको घोषणाओं के लिए याद किया जाएगा। अगली सरकार आपको घोषणाओं के लिए हिमाचल श्री के ख़िताब से नवाजेगी। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

05.03.2022/1300/KS/AG/3

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मैंने प्रयत्न किया कि इनकी बात सुनूं इसलिए जब ये अपनी बात कह रहे थे, बीच में हमने दख़ल नहीं दिया। एक उम्मीद की जाती है, हमें भी पता था कि विपक्ष हमारी या हमारी सरकार की तारीफ़ नहीं करेगा। इस चीज़ की न हमें उम्मीद है और न हमें ज़रूरत ही है। यह मैं आपको सच्ची बात बता रहा हूं लेकिन कुछ चीज़ें तथ्यों पर होनी चाहिए। लूट लिया, बेच दिया, घोटाला हो गया, घपला हो गया, पता नहीं क्या-क्या हो गया? ...(व्यवधान)...

अध्यक्षः माननीय सदस्य, सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ इतना ही कह रहा हूं कि आज से पहले कौन सी सरकार चली जिसने लोन नहीं लिया?

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

05-03-2022/1305/av/ag/1

मुख्य मंत्री--------- जारी

पूर्व में ऐसी कौन-सी सरकार रही है जिसने लोन नहीं लिया। आप पिछला रिकॉर्ड देखिए, आपके नाम पर 28,000 करोड़ रुपये का लोन है जबकि आपके दौरान तो कोविड जैसी स्थिति भी नहीं थी। हम तो कोविड महामारी के कठिन दौर से गुज़रे और आपके समय में तो ऐसी कोई परिस्थिति नहीं थी। आपने अपने कार्यकाल में ऐशपरस्ती करके जिस प्रकार से इस प्रदेश का सत्यानाश किया; उसके लिए इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा? हमें आपसे उम्मीद थी कि आप बजट और फैक्ट्स पर बोलेंगे। परंतु आप न बजट पर बोले और न ही फैक्ट्स पर बोले। मुझे बहुत निराशा है कि आप तथ्यों पर बिल्कुल नहीं बोले। हमने जितनी भी योजनाएं पहले बजट से लेकर चलाई हैं; हम उनको आज भी मजबूत कर रहे हैं। मैंने जिस दिन माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा के संदर्भ में जवाब दिया था तो मैंने उस समय कहा था। ...व्यवधान... माननीय श्री मुकेश अग्निहोत्री, आपका अंतिम भाषण हो सकता है। हमारा तो पांचवां बजट हो गया है और अगली बार छठा भी यहीं से होगा। लेकिन हम दुआ करते हैं कि आप भी विपक्ष में सलामती के साथ आएं। मेरा केवल यह कहना है कि हमें सिर्फ इसलिए निराशा है कि आप लोग तथ्यों पर आधारित बातों पर नहीं बोलते। धन्यवाद।

समाप्त

अध्यक्ष : अब इस माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजनावकाश के लिए 02.00 बजे (अपराह्न) तक स्थगित की जाती है।

05/03/2022/1415/टी0सी0वी0/ए0एस0/1

(सदन की बैठक दोपहर के भोजनोपरान्त 2.15 बजे अपराह्न पुनः आरम्भ हुई)

अध्यक्ष : बजट अभिभाषण पर जो चर्चा आरम्भ हुई है उसमें अब माननीय सदस्य, श्री राकेश जम्वाल जी हिस्सा लेंगे।

श्री राकेश जम्वाल, सुन्दरनगर : अध्यक्ष महोदय, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बजट अनुमानों पर चर्चा हेतु आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद। पिछले कल मुख्य मंत्री जी ने जो बजट अनुमान प्रस्तुत किया, उसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। आज चर्चा में भाग लेते हुए आदरणीय नेता विपक्ष, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने कहा कि यह बजट खोखला है, आंकड़ों का मायाजाल है और यह विदाई का बजट है। वे कांग्रेस दल के नेता है और इसलिए उन्होंने जो बातें कहीं हैं, वह व्यक्तिगत रूप से नहीं बल्कि पूरी पार्टी की तरफ से कही है। इस बजट में पेंशन की आयु सीमा 70 से घटाकर 60 वर्ष कर दी गई और ये कहते हैं कि इस बजट में कुछ नहीं है।

एन0एस0 द्वारा जारी ....

05-03-2022/1420/NS/AS/1

श्री राकेश जम्वाल .....जारी

इससे प्रदेश के लगभग 7.50 लाख लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इसका नेता प्रतिपक्ष ने कहीं पर ज़िक्र नहीं किया। इसका मतलब सारी कांग्रेस पार्टी और सारा विपक्ष इसका विरोधी है। पिछले चार वर्षों से मुख्य मंत्री जी ने चार बजट प्रस्तुत किए हैं। सरकार बनने के बाद पहली केबिनेट मीटिंग जब 27 दिसम्बर को हुई और पहली मीटिंग में जो फैसला सरकार के द्वारा लिया जाता है उसी से सरकार की नीयत और नीति का पता लग जाता है। पूर्व में कांग्रेस की सरकारों के समय में क्या-क्या होता रहा है वह भी हमें पता है। जैसे ही पहले मीटिंग होती थी और उसमें क्या निर्णय लिए जाते थे वह भी हमें पता है? दूसरा, भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के खिलाफ़ जांच, अधिकारियों को सस्पैंड करना इस प्रकार से अनेकों प्रकार के ऐसे निर्णय लिए जाते थे। लेकिन 27 दिसम्बर, 2017 को हिमाचल प्रदेश में एक नए अध्याय की शुरूआत हुई। हिमाचल प्रदेश को एक नया नेतृत्व मिला। मुख्य मंत्री जी ने पहली केबिनेट की मीटिंग में फैसला लिया और इस प्रदेश के बुजुर्गों के सम्मान के लिए लिया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में आयु सीमा को सीधा घटा कर 80 वर्ष से 70 वर्ष कर दिया गया था। उसी से यह पता चल गया था कि सरकार की नीयत और नीति क्या है?

अध्यक्ष महोदय, हर वर्ष जब भी मुख्य मंत्री जी ने बजट प्रस्तुत किया है प्रदेश के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। यहां पर श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने ज़िक्र किया कि कर्मचारियों का पुरानी पेंशन को लेकर आंदोलन हो रहा था। पुरानी पेंशन को लेकर कर्मचारियों ने शिमला में धरना भी दिया और उन पर पानी की बौछारें फैंकी गई। हमारी सरकार कर्मचारियों की हितैषी है। मुख्य मंत्री जी ने जो उनकी मांग थी कि इसके लिए कमेटी गठित होनी चाहिए तो मुख्य सचिव, हि0 प्र0 सरकार की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर दी। जिस दिन पूरे प्रदेश के कर्मचारी आंदोलन के लिए शिमला पहुंचे उस दिन भी मुख्य मंत्री जी ने कहा कि उनका एक दल अगर 15 लोग मिल कर बात करना चाहते हैं तो मैं बातचीत के लिए तैयार हूं। कहीं पर भी कोई लाठीचार्ज़ नहीं हुआ और कहीं पर भी किसी कर्मचारी के ऊपर पुलिस ने किसी हथियार का प्रयोग नहीं किया। मैं वर्ष 2007 का एक मामला याद करवाना चाहता हूं। भारतीय जनता पार्टी ने लोकतांत्रित तरीके से शिमला में प्रदर्शन किया था और उस समय कांग्रेस पार्टी की सरकार प्रदेश में

05-03-2022/1420/NS/AS/2

थी तथा उस समय की सरकार के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के ऊपर लाठियां चलाई गईं व उनके सिर फोड़े गए। यहां तक कि प्रदेश में दो बार मुख्य मंत्री रहे और केंद्रीय मंत्री रहे श्री शांता कुमार जी को भी नहीं छोड़ा गया था। यह कांग्रेस का असली चेहरा है। इन चार वर्षों में हिमाचल प्रदेश की जय राम जी की सरकार ने कर्मचारियों के लिए जो किया है वह हिमाचल के इतिहास में याद रखा जाएगा। मैं अगर बजट की बात करूं तो सामाजिक सुरक्षा पेंशन में आयु सीमा 60 वर्ष कर दी गई।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

05.03.2022/1425/RKS/डीसी-1

श्री राकेश जम्वाल...जारी

60 वर्ष से ऊपर सभी लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है जो एक ऐतिहासिक काम है। जब माननीय मुख्य मंत्री बजट प्रस्तुत कर रहे थे तो हमारे विपक्ष के साथी परेशान हो रहे थे। माननीय मुख्य मंत्री द्वारा

ऐसा बजट प्रस्तुत किया गया है जिसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। लेकिन विपक्ष के लोग कह रहे हैं कि यह बजट पूरी तरह खोखला है। साढ़े सात लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ मिलने वाला है और कांग्रेस के मित्र कह रहे हैं कि इस बजट में कुछ भी नहीं है। जिस वर्ग को पहले 850 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती थी उन्हें अब एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। जिस वर्ग को पहले एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती थी उन्हें अब 1150 रुपये प्रतिमाह मिलेगी तथा जिस वर्ग को पहले 1500 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती थी उन्हें अब 1700 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलेगी।

(माननीय उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)

इस बजट में 12769 लोगों को आवास देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री आवास योजना में 1533, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में 1262, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 2346 और स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के अंतर्गत 7628 परिवारों को आवास देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। कर्मचारियों के साथ आपकी सरकार के समय में किस प्रकार का व्यवहार होता था, यह सब जानते हैं। जब आपकी सरकार के समय लाठीचार्ज किया गया तो उसमें माननीय शांता कुमार जी बुरी तरह घायल हो गए थे। जिस डॉक्टर ने उनका उपचार किया उसका दूसरे दिन शिमला से तबादल कर दिया गया। यह आपकी पार्टी का चेहरा था। हमारी सरकार ने बेरोज़गार लोगों को रोज़गार देने के लिए 30 हजार नौकरियों का प्रावधान किया है और ये भर्तियां चरणबद्ध तरीके से की जा रही हैं। आप कह रहे हैं कि बैकडोर भर्तियां की जा

रही हैं। मैं आपको कंडक्टर भर्ती घोटाले की याद करवाना चाहूंगा। उस समय कंडक्टर्ज के 300 पदों में 78 ऐसे लोग भर्ती कर दिए गए जिन्हें बिना किसी विज्ञापन के ही भर्ती कर दिया गया। जब इस मामले की पूरी जांच हुई तो उसमें पता चला कि 23 लोग तो बिना इंटरव्यू के ही सलैक्ट कर दिए गए थे। यह आपकी सरकार की करतूत है। नेता प्रतिपक्ष ने

कहा कि धर्मपुर और सिराज विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में ही विकास हो रहा है। अगर मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र की बात करूं तो मेरे निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न विभागों में 500 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं में काम हो रहा है। 219 करोड़ रुपये की सलापड़-ततापानी सड़क का निर्माण कार्य युद्ध स्तर में चला हुआ है। मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के हर क्षेत्र में विकास हो रहा है लेकिन आप कह रहे हैं कि धर्मपुर और सिराज विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में ही विकास हो रहा है। क्या धर्मपुर और सिराज में विकास नहीं होना चाहिए? आज हिमाचल प्रदेश का दूसरा विश्वविद्यालय मण्डी में खुलने जा रहा है लेकिन कांग्रेस के नेता इसका विरोध कर रहे हैं। ...व्यवधान...आपको इसका स्वागत करना चाहिए। आप कह रहे हैं कि इसके लिए बजट का प्रावधान नहीं किया गया है। आपने अपने कार्यकाल में एक लाख बजट के साथ एक दिन में 28 कॉलेजों की घोषण कर दी थी। आप कह रहे हैं कि कुछ नहीं किया गया है। पैरा-वर्कर्ज का मानदेय बढ़ाने का काम अगर किसी ने किया है तो वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

05.03.2022/1430/बी.एस.//-1

श्री राकेश जम्वाल जारी...

आंगनबाड़ी वर्कर्ज के वेतन में 1700 रुपए की वृद्धि कर दी गई है, अब उन्हें नौ हजार रुपया वेतनमान मिलेगा। मिनी आंगनबाड़ी वर्कर्ज के वेतन में नौ सौ रुपए की वृद्धि कर दी गई है और उन्हें 6100 रुपया वेतन मिलेगा। इसके साथ ही आंगनबाड़ी सहायिका के वेतनमान में 900 रुपए की वृद्धि की गई है और उन्हें अब 4700 रुपया मिलेगा। आशा वर्कर्ज के वेतन में अब 1825 रुपए की वृद्धि की गई है और अब उन्हें 4700 रुपए वेतनमान मिलेगा। इसके साथ शिलाई अध्यापिका, मिड-डे-मील, वाटर कैरियर, जल रक्षक, आई0पी0एच0 में मल्टी परपज वर्कर्ज, पैरा फिटर और दिहाड़ीदार हैं उन सबके मानदेय में बढ़ोतरी की गई है, आदरणीय सिंघा जी मैं कल आपसे तभी निवेदन कर रहा था कि दिहाड़ी 300 रुपए से 350 रुपए अगर किसी ने की है तो वह आदरणीय जय राम जी की सरकार ने की है।

आउटसोर्स कर्मचारियों का मिनिमम 10,500 वेतनमान कर दिया गया है। पंचायत चौकीदार से ले करके राजस्व, चौकीदार से ले करके, राजस्व लम्बरदार से ले करके, आई0टी0 टीचर तक हर वर्ग का ध्यान भारतीय जनता पार्टी की जय राम सरकार ने रखा है। आज पूरा प्रदेश सुन रहा है, जिनमें लिए आप कह रहे हैं कि सरकार ने कुछ नहीं किया। जो सरकार ने किया है, उसका आने वाले विधान चुनाव में आप सब के सामने परिणाम आएगा। आजाद भारत में यदि किसी ने महिलाओं की चिंता की है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने की है। आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी 'उज्ज्वला योजना ले करके आए' वहीं हिमाचल प्रदेश में मुख्य मंत्री जी 'गृहिणी योजना' ले करके आए हैं। लगभग सवा तीन लाख माताओं और बहनों को मुफ्त कनेक्शन देने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। इसकी तो आप तारीफ कर देते। आपने कहा कि आज गैस मंहगी हो गई है, आदरणीय जय राम जी की सरकार ने कहा है कि हम इस वित्तीय वर्ष में तीन सिलेंडर रीफिल करने का काम हमारी सरकार करेगी। जिन्होंने एक सिलेंडर ले लिया है, उन्हें दो फ्री सिलेंडर रीफिल किए जाएंगे।

05.03.2022/1430/बी.एस./डी0सी0/-2

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य सेवाओं को ले करके जिस प्रकार से हमारे मित्रों ने बार-बार कोविड का जिक्र किया है इस कोरोना के दौरान बहुत से लोगों की दुःखद मृत्यु हुई है, जिस कारण हमारी उन परिवारों के साथ संवेदनाएं हैं। लेकिन प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को ले करके पिछले चार सालों में जिस प्रकार से आदरणीय जय राम ठाकुर जी की सरकार ने कार्य किया है वह किसी से छुपा नहीं है। कोरोना के दौरान आपने कहा कि सरकार ने कुछ नहीं किया, लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि उस दौरान सरकार ने क्या काम किया, लोगों की जिंदगियों को बचाने के लिए सरकार ने डॉक्टर्ज ने, पैरामैडिकल स्टाफ ने और फ्रंट लाइनर वर्कर्ज ने जो काम किया है आपने उनकी भी सराहना नहीं की। उलटा आपने उनको भी कटघरे में खड़ा किया है। अपने परिवारों की चिंता न करते हुए उन सब लोगों ने कोविड से लोगों को बचाने के लिए दिन-रात प्रयास किया है, लेकिन फिर भी जिन परिवारों में दुःखद मृत्यु हुई है, उनके साथ हमारी संवेदनाएं

हैं। आप कल्पना करिए कि हिमाचल प्रदेश में मात्र दो आक्सीजन प्लांट थे और इस महामारी के दौरान हमें ऑक्सीजन का महत्व समझ में आया कि ऑक्सीन का क्या महत्व है और ऑक्सीजन की जितनी ज्यादा जरूरत पड़ रही थी वहां पर हमारे पास उस वक्त ऑक्सीन नहीं थी। मैं बधाई देना चाहूंगा प्रदेश के सम्मानीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी को कि आज हिमाचल प्रदेश में 48 ऑक्सीजन के प्लांट स्थातिप कर दिए गए हैं। अब प्रदेश में पांच हजार से ज्यादा आक्सीजन कंसंट्रेटर हैं। हमारा प्रदेश आज कोविड टीकाकरण में फस्ट और सैकिड डोज में देश में सबसे आगे है।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

05-03-2022/1435/एच.के.-एन.जी. /1

श्री राम लाल ठाकुर..... जारी

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार के अधिकारी इस चर्चा को कितना गम्भीरता से ले रहे हैं कि अधिकारी दीर्घा में एक भी वरिष्ठ अधिकारी नहीं बैठा है और यहां पर बजट के परिवेष में इतनी महत्वपूर्ण चर्चा चली हुई है। हम यहां पर इतना कुछ बोल रहे हैं तो क्यों बोल रहे हैं?

उपाध्यक्ष : ठीक है, माननीय सदस्य। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी कृपया इस विषय पर ध्यान दें और आगे से ऐसी हरकत न हो यह भी सुनिश्चित करें।

श्री राकेश जम्वाल : उपाध्यक्ष महोदय, कोविड टीकाकरण में वैक्सीन को लेकर हमारे विपक्ष के मित्रों ने बहुत सारे प्रश्न किए और कहा कि यह मोदी की वैक्सीन है। जब यह टीकाकरण अभियान पूरे देश में शुरू हुआ तब हिमाचल प्रदेश में श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की मेहनत से हमारे हिमाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्र, जहां पर इस कोविड की वैक्सीन को लगाना व पहुंचाना कठिन था लेकिन हमारे प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मियों ने, चाहे वह आशा वर्कर थी, चाहे वह आंगनबाड़ी

वर्कर थी, सबने बहुत मेहनत की है। उसके कारण आज हिमाचल प्रदेश कोविड टीकाकरण की पहली व दूसरी डोज में पूरे देश में अव्वल राज्य बन कर सामने आया है जिसके लिए देश के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हिमाचल प्रदेश को 'चैम्पियन राज्य' का दर्जा दिया है और इसके लिए हम माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहेंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हिमकेयर जैसी योजना को लाना और जिसमें एक परिवार के एक व्यक्ति का एक वर्ष में पांच लाख तक मुफ्त इलाज हो सकता है। ऐसी योजना माननीय मुख्य मंत्री जी ने चलाई है और इस योजना को इस वित्तीय वर्ष में भी जारी रखने का माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश की जनता को वायदा किया है इसके लिए हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं। इस योजना में रिन्यूअल हर वर्ष होता था और इस वर्ष माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने बजट भाषण में कहा है

05-03-2022/1435/एच.के.-एन.जी. /2

कि अब तीन वर्ष के बाद इसका रिन्यूअल होगा। इसके लिए भी हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं। इसके अलावा 'मुख्यमंत्री मोबाइल क्लिनिक (M3C)' योजना की भी घोषणा की गई है। प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में जहां पर पी.एच.सी. आदि खोलना सम्भव नहीं है लेकिन इस योजना के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों में हमारे लोगों के स्वास्थ्य की चिंता घर-द्वार पर होगी। जहां पर लोगों को आवश्यकता होगी वहां पर एम्बुलेंस पहुंचेगी और उसके साथ डॉक्टर, फार्मासिस्ट व अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी जा कर लोगों का उपचार कर सकेंगे। यह योजना लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए कारगर सिद्ध होगी। इस बजट में 50 नई एम्बुलेंस खरीदने का भी प्रावधान किया गया है और इसके लिए भी हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं। इस बजट में चिकित्सा अधिकारियों के 500 नए पद सृजित करने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए भी हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं। यहां पर हम सभी माननीय विधायक अनेक बार चर्चा भी करते हैं और मैं विपक्ष के नेताओं

से कहना चाहता हूं कि 'विधायक क्षेत्र विकास निधि योजना' के लिए तो धन्यवाद कर देते। माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रति विधान सभा क्षेत्र इसकी राशि को 1 करोड़ 80 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दिया है लेकिन इस पर भी विपक्ष के लोगों ने कुछ नहीं कहा। 'विधायक एच्छिक निधि' को भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये प्रति विधान सभा क्षेत्र कर दिया है जोकि वर्ष 2017 में केवल 05 लाख रुपये थी। मुझे लगता है कि सभी विपक्ष के विधायकों को इसके लिए स्वागत करना चाहिए था। इसके अतिरिक्त नाबार्ड से पोषित की जाने वाली विधायक प्राथमिकता योजनाओं के लिए भी प्रति विधान सभा चुनाव क्षेत्र की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 150 करोड़ रुपये कर दिया गया है और इसके लिए भी हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं।

05-03-2022/1435/एच.के.-एन.जी. /3

उपाध्यक्ष महोदय, इन सारी बातों का जिक्र मैंने इस लिए किया है क्योंकि हमारे विपक्ष के मित्र व्यक्तिगत तौर पर मिलकर अनेक बातों का जिक्र करते हैं लेकिन अच्छा होता कि वे इस माननीय सदन के अंदर भी धन्यवाद करते। हमारे बहुत वरिष्ठ साथी माननीय श्री जगत सिंह नेगी जी ने अभी इस माननीय सदन में एक विषय उठाया था कि विधायकों के संस्थान को कैसे मजबूत किया जाए, विधायकों की भूमिका कैसी होनी चाहिए और मुझे लगता है कि इन चार वर्षों में माननीय श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में बदला-बदली की भावना जोकि पुरानी सरकारों के समय होती थी वह बंद हो गई है। ऊपर का हिमाचल, नीचे का हिमाचल वाली प्रथा भी बंद हुई है। हरी टोपी व महरून टोपी वाली राजनीति भी खतम हो गई है। माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी तो कभी भी महरून टोपी नहीं लगाते हैं लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी तो हरी व महरून दोनों टोपी लगाते हैं क्योंकि यह हमारे हिमाचल की संस्कृति की टोपी है। इस बजट में माननीय मुख्य मंत्री जी ने हर वर्ग का ध्यान रखा है। माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी को मैं बड़े ध्यान सुन रहा था, वे अनेकों बातों के लेकर चर्चा कर रहे थे लेकिन जो हुआ उसको लेकर भी धन्यवाद करना चाहिए था। लेकिन बार-बार शराब के ठेके

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

05.03.2022/1440/SS-HK/1

श्री राकेश जम्वाल क्रमागत :

लेकिन बार-बार शराब के ठेके की नीलामी को लेकर ही चर्चा की जा रही है। मुझे इस बात का रहस्य समझ में नहीं आ रहा है कि शराब के ठेके की नीलामी को लेकर विपक्ष के माननीय सदस्य इतने चिंतित क्यों हैं! उसके साथ दूसरा विषय आई0पी0एच0 के टेंडर का है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में आयु 60 वर्ष कर दी गई है लेकिन उसका ज़िक्र नहीं कर रहे हैं। मुफ्त गैस के सिलेंडर दिए गए, उसका ज़िक्र नहीं किया जा रहा है। लेकिन शराब के ठेकों की नीलामी को लेकर हमारे विपक्ष के नेता व साथी चिंतित हैं। मुझे यह बात समझ में नहीं आई कि वे चिंतित क्यों हैं।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य जम्वाल जी, शराब का तो ऐसा मसला है कि -

जिसने कभी जाम न पिया हो,
वह मयखाने की वैल्यू क्या समझे।

ऐसा मुझे लगता है।

श्री राकेश जम्वाल : उपाध्यक्ष महोदय, इस वित्तीय वर्ष के बजट में मुख्य मंत्री जी ने हर वर्ग का ध्यान रखा है चाहे वह किसान, बागवान, नौजवान, कर्मचारी या विधायक हों। उसके साथ हमारे पंचायती राज संस्थाओं व स्थानीय निकायों के चुने हुए प्रतिनिधियों के मानदेय को भी बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। मुझे लगता है इस बजट में प्रदेश के सम्माननीय मुख्य मंत्री जी ने हर वर्ग का ध्यान रखा है। आज विपक्ष के लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि मुख्य मंत्री जी ने सिर्फ पांचवें बजट में ही नहीं बल्कि हरेक बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा है। पांचवें बजट में मुख्य मंत्री जी ने हर वर्ग का ध्यान रखते हुए उन्हें

राहत देने का काम किया है, उसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

05.03.2022/1440/SS-HK/2

उपाध्यक्ष : चूंकि आज विपक्ष की तरफ से सिर्फ दो ही नाम आए हैं और सत्तापक्ष की तरफ से छः नाम आए हैं तो मुझे लगता है कि सत्तापक्ष की ओर से एक सदस्य और बोल लें तो अच्छा रहेगा।

अब मैं चर्चा में भाग लेने के लिए माननीय सदस्य श्री सुभाष ठाकुर जी को आमंत्रित करता हूं।

श्री सुभाष ठाकुर (बिलासपुर) : उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी ने 4 मार्च, 2022 को वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अनुमानित बजट प्रस्तुत किया है। मु0 51365 करोड़ रुपये का अनुमानित बजट प्रस्तावित किया गया है। वर्ष 2022-23 में प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 8.3 परसैंट की वृद्धि होने का अनुमान है। यह अनुमानित बजट सर्वस्पर्शी है। विकासोन्मुख बजट है और यह बजट कर मुक्त बजट है तथा हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक नागरिक का इस बजट में ध्यान रखा गया है। इस बजट में प्रति 100 रुपये में वेतन के लिए 26 रुपये, पेंशन पर 15 रुपये, ब्याज अदायगी पर 10 रुपये, ऋण अदायगी पर 11 रुपये व स्वायत्त संस्थाओं के लिए ग्रांट पर 9 रुपये जबकि शेष 29 रुपये पूंजीगत कार्यों सहित अन्य गतिविधियों पर व्यय किए जाएंगे।

उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि यह बजट जिसमें निःशुल्क एवं सस्ती बिजली का प्रावधान किया गया है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से गरीब लोग हैं जो एक समय में एक बल्ब जलाते हैं और उनको 60 यूनिट तक निःशुल्क बिजली दी जाएगी। यह एक बहुत बड़ा कार्य हुआ है उसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। 1

अप्रैल, 2022 से 4.40 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को जिनकी मासिक बिजली खपत 60 यूनिट से कम है..

जारी श्रीमती के0एस0

05.03.2022/1445/KS/एचके/1

श्री सुभाष ठाकुर जारी---

घरेलू उपभोक्ताओं को जिनकी मासिक बिजली खपत 60 युनिट तक है, उनको ज़ीरो बिलिंग होगी, उनका कोई भी पैसा नहीं लगेगा। मुफ्त बिजली का प्रावधान किया गया है। ये 4 लाख 40 हजार लोग हैं और अगर एक परिवार में 5 लोग हों तो 20 हजार लोगों को इसमें निशुल्क बिजली का प्रबन्ध किया गया है जिसके लिए हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं। इसी तरह से 61-125 युनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं, जो कि इस प्रदेश में 7 लाख हैं, उनको 1 रुपये प्रति युनिट की दर से बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। ये 7 लाख उपभोक्ता हैं, अगर इनको 5 से मल्टीप्लाई करें तो ये 35 लाख लोग आते हैं। 35 लाख लोगों को यह सुविधा मिली है, इसके लिए भी हम माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहेंगे। इस बजट को मैं गरीबों का बजट, किसानों का बजट, आम व्यक्ति के लिए बजट और हिमाचल प्रदेश की जनता का ध्यान रखने वाला बजट कहूंगा।उपाध्यक्ष जी, किसानों को राहत देने के लिए बिजली की दर 50 पैसे प्रति युनिट से कम करके 30 पैसे प्रति युनिट किया गया है। उपभोक्ताओं को 100 करोड़ का इसमें लाभ मिलेगा।

"मुख्य मंत्री रोशनी योजना" के तहत 12,765 निर्धन परिवारों को निशुल्क विद्युत कनैक्शन मिलेंगे। इस योजना के तहत वर्ष 2022-23 में 5000 और परिवारों को भी कनैक्शन मिलेंगे। यह भी आम गरीब गांव में रहने वाले व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी सुविधा है। इसलिए इस बजट को गरीबों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा।

वर्ष 2022-23 में लगभग 20 हजार लकड़ी के खम्भों को लोहे के खम्भों में बदला जाएगा। बहुत से लोग हमारे पास एप्लीकेशन्ज़ ले कर आते थे कि हमारा बहुत पुराना लकड़ी का खम्भा है जो टेढ़ा हो गया है, हवा लगती है तो इसके गिरने का और करंट

05.03.2022/1445/KS/एचके/2

लगने का डर लगा रहता है। ऐसे सभी खम्भों को प्रदेश में बदला जा रहा है, इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री और ऊर्जा मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा।

उपाध्यक्ष जी, सामाजिक सुरक्षा पैंशन के माध्यम से कमज़ोर लोगों को लाभ भी मिलता है और वे इस बात की उम्मीद भी करते हैं कि हमें सामाजिक सुरक्षा पैंशन लगे। इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक संवेदनशील मुख्य मंत्री के नाते, सरकार के नाते पहले ही मंत्रिमण्डल की बैठक में 80 साल के बुजुर्गों को जो पैंशन मिलती थी, उसको 70 साल किया और इस वर्ष उसको घटाकर 60 वर्ष किया गया है, उसके लिए भी मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं।

उपाध्यक्ष जी, हमारी सरकार ने पिछले चार सालों में 2 लाख 20 हजार से अधिक नए पात्र लोगों को सामाजिक सुरक्षा पैंशन दी है। यह सामाजिक सुरक्षा पैंशन वर्ष 2017 तक सवा चार लाख व्यक्तियों को दी जा रही थी जिसके ऊपर 450 करोड़ रुपया खर्च हो रहा था।

05.03.2022/1445/KS/एचके/3

प्वाइंट ऑफ ऑर्डर

श्री राम लाल ठाकुर (श्री नैना देवीजी): उपाध्यक्ष महोदय, प्वाइंट ऑफ ऑर्डर। मैंने पहले भी आपके ध्यान में लाया था, पता नहीं आपने आदेश किए या नहीं परन्तु गैलरी में देख लें कि कितने सीनियर ऑफिसर्ज़ यहां बैठे हैं? चर्चा चल रही है, सदस्य बोल रहे हैं, आप खुद देख लीजिए कि अगर सरकारी ऑफिसर्ज़ का ऐसा रवैया है तो सरकार क्या कर रही है? वैसे तो यहां पर बहुत से मंत्री भी नहीं हैं परन्तु फिर भी मैं कहूंगा कि जो सदस्य बोल रहा

है, उसको ठीक से नोट किया जाए। कोई सीनियर ऑफिसर यहां पर बैठे। हमें समझ नहीं आ रहा है कि आपके बोलने के बाद भी यहां पर कोई सीनियर ऑफिसर क्यों नहीं है? आप ही बताओ कि यहां पर कितने सीनियर ऑफिसर्ज़ बैठे हैं? उपाध्यक्ष महोदय, आप इसमें व्यवस्था दें कि क्या यह जो चल रहा है यह ठीक है?

शहरी विकास मंत्री अ0व0 की बारी में

05-03-2022/1450/av/ag/1

शहरी विकास मंत्री (संसदीय कार्य मंत्री) : उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार को संदेश भेज दिया है कि यहां पर ऑफिसर्ज नहीं बैठे हैं। He should depute the Officers और साथ में मैं यह भी कहना चाहता हूं ऐसा कोई नियम नहीं है कि चर्चा के दौरान सभी मंत्रियों का यहां पर बैठना अनिवार्य है। यहां पर किसी-न-किसी मंत्री को बैठना होता है और अभी हम यहां पर 3-4 मंत्री बैठे हुए हैं। मैं स्पेसिफिकली यहां पर बैठा हुआ हूं। मैंने मुख्य सचिव को यह संदेश भेज दिया है तथा साथ में अध्यक्ष महोदय के चैंबर में जाकर उनको इस बारे में खुद बताया है। ठीक है, माननीय सदस्य श्री राम लाल ठाकुर, आपने इस बारे में प्वाइंटआउट कर दिया है और they will take the cognizance.

उपाध्यक्ष : सदन के अंदर जिस तरह से माननीय मुख्य मंत्री ने बजट पेश किया है उसको देखते हुए लगता है कि सभी माननीय सदस्य अपना-अपना समय दे रहे हैं। लेकिन अभी बजट पर महत्वपूर्ण चर्चा हो रही है इसलिए मैं चाहता हूं कि भविष्य के लिए यह सुनिश्चित कर लिया जाए। माननीय सदस्य श्री सुभाष ठाकुर, आप अपनी बात जारी रखिए।

श्री सुभाष ठाकुर : उपाध्यक्ष महोदय, वृद्धावस्था पैंशन की आयु सीमा घटाकर 60 वर्ष कर दी गई है और इसमें भी प्रति माह 1500 रुपये से बढ़ाकर 1700 रुपये राशि कर दी गई है। मैं इसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री का धन्यवाद करना चाहता हूं। वर्ष 2017-18 में इसके ऊपर 450 करोड़ रुपये व्यय किए गए थे जिसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1300 करोड़ रुपये यानी इसके ऊपर तीन गुणा ज्यादा राशि व्यय की जा रही है। गृहिणी सुविधा

योजना तथा उज्ज्वला योजना के तहत अतिरिक्त निःशुल्क सिलेंडर मिलेगा जिसके लिए बजट में 50 करोड़ रुपये की राशि रखी गई है। इस योजना के तहत हमारी बहुत सारी बहनों और माताओं को रीफिलिंग के लिए 3 सिलेंडर मिलेंगे। जिनको पहले 1 सिलेंडर मिला है उनको अब 2 सिलेंडर तथा जिनको पहले 2 सिलेंडर मिल चुके हैं उनको एक सिलेंडर और दिया जाएगा। यह योजना न केवल महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित

05-03-2022/1450/av/ag/2

होगी अपितु पर्यावरण और जंगलों को बचाने की दृष्टि से भी यह एक बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। हम इसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री का धन्यवाद करते हैं। हिम केयर में नये परिवारों के पंजीकरण के लिए पहले जिस तरह से माह जनवरी से मार्च तक पंजीकरण होता था अब इसको पूरा साल करने का निर्णय लिया गया है जोकि एक बहुत ही अच्छा निर्णय है। पहले ऐसे बहुत सारे लोग होते थे जिनको इसके बारे में समय पर जानकारी नहीं मिल पाती थी और उसकी वजह से वे समय रहते अपना पंजीकरण नहीं करवा पाते थे। कई लोग यदि किसी योजना के तहत कोई फॉर्म भरना चाहते थे तो उनको भी दिक्कत रहती थी। इसलिए प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने लोगों की परेशानी को अपनी परेशानी समझकर इसमें पूरा साल पंजीकरण करने की व्यवस्था की है। वर्ष 2019 में यह बहुत ही जन-कल्याण की योजना शुरू हुई है जिसके तहत 2.40 लाख लाभार्थियों को लाभ मिला है और इसमें 218 करोड़ रुपये की राशि से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा मिली है। मैं इसके लिए भी आदरणीय मुख्य मंत्री का धन्यवाद करना चाहता हूं। इसके अतिरिक्त माननीय मुख्य मंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मासिक मानदेय 9,000 रुपये, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का 6,000 रुपये, आशा वर्कर्ज का 4,700 रुपये, पंचायत चौकीदार का 6,000 रुपये, सिलाई अध्यापिकाओं का 7,850 रुपये, मिड डे मील वर्कर्ज का 3,400 रुपये, वॉटर कैरियर (शिक्षा) का 3,800 रुपये, वॉटर गार्ड का 4,400 रुपये, पैरा फीटर व ऑपरेटर का 5,400 रुपये, राजस्व चौकीदार का 4,900 रुपये

और लंबरदार का 3,100 रुपये किया है। इसके अतिरिक्त मजदूरों का वेतन 50 रुपये प्रति दिन के हिसाब से बढ़ाकर उनकी दिहाड़ी 350 रुपये की गई है। मैं इसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहूंगा। इसके अलावा आउटसोर्स कर्मियों का 10,500 रुपये मिनिमम मानदेय किया गया है। इसके अतिरिक्त, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री स्वावलंबन योजना नौजवानों में रोजगार सृजन के लिए बहुत लोकप्रिय हुई है।

टी सी द्वारा जारी

05/03/2022/1455/टी0सी0वी0/ए0जी0/1
श्री सुभाष ठाकुर ... जारी ।

और बहुत से नौजवानों ने इससे स्वरोजगार भी प्राप्त किया है। इस योजना के माध्यम से 2,800 उद्यम लगाए गए। इनमें 457 करोड़ रुपये का निवेश किया गया और लगभग 8000 युवाओं को रोजगार के अवसर मिले। स्वास्थ्य संबंधी एक नई योजना 'मुख्य मंत्री मोबाइल क्लीनिक' शुरू की गई है जिसके तहत दूरदराज के लोगों की स्वास्थ्य सुविधा का ध्यान रखा गया है। प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक मोबाइल क्लीनिक उपलब्ध करवाई जाएगी। जिसमें बेसिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए उपकरण, डॉक्टर और स्टॉफ की व्यवस्था की जाएगी तथा उसमें जो डॉक्टर होगा वह एक परिवार डॉक्टर की तरह काम करेगा। इससे ऐसा प्रतीत होता है हिमाचल प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आम व्यक्ति, निर्धन और दूरदराज के क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों की भी चिंता की है। इस मोबाइल वैन के माध्यम से दूरदराज के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। 'विधायक क्षेत्र विकास निधि' की राशि अब दो करोड़ रुपये की गई है। इसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। नाबार्ड में भी अब 150 करोड़ रुपये की विधायक प्राथमिकता प्रतिवर्ष प्रत्येक विधान सभा को मिलेगी। मेरे चुनाव क्षेत्र में गोविन्द सागर में 8वीं और 9वीं शताब्दी के प्राचीन मंदिर जलमग्न हुए हैं, उनकी पुनः स्थापना के लिए भी विस्तृत योजना

तैयार की गई है जिसके तहत 1400 करोड़ रुपये व्यय होंगे। मैं इस सदन को बताना चाहूंगा कि रियासत काल में हमारे 28 मन्दिर थे जोकि भाखड़ा डैम बनने के बाद जलमग्न हुए हैं। हमारे बुजुर्गों की वर्षों से इच्छा थी कि इनको दूसरी जगह में स्थापित किया जाए। इनमें खनमुखेश्वर मंदिर, सीताराम मंदिर, नर्वदेवर मंदिर, रंगनाथ मंदिर, शंकर मंदिर, खाकीशाह वीर्थन मंदिर, मड़ीगढ़, हनुमान मंदिर सांढू, ठाकुरद्वारा मंदिर, रामबाग मंदिर, दिदयूती मंदिर, धुनी मंदिर, खूहसीता मंदिर, वीड़े की बायं का मंदिर, गोपाल जी का मंदिर और बुद्धिपुरा इत्यादि मंदिर जलमग्न हुए हैं। लोगों की इन मंदिरों में बड़ी आस्था थी और माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस बजट में

05/03/2022/1455/टी0सी0वी0/ए0जी0/2

इनकी पुनः स्थापना करने के लिए बजट का प्रावधान किया है। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का हिमाचल प्रदेश और बिलासपुर के लोगों की तरफ से धन्यवाद करना चाहूंगा। यह सर्वस्पर्शी बजट है लेकिन आदरणीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने बौखलाहट में बहुत-सी बातें कही है। मुझे मालूम नहीं कि उन्होंने वे बातें जानबूझकर कही है या किसी और मंशा से कही है लेकिन हमारी बिलासपुर की भाषा में एक लोकोक्ति है कि 'तत्ता खाने से हाथ भी जलदा और मुंह भी जलदा' इनको न जाने किस चीज की जल्दी है। सभी को समय आने पर अवसर भी मिलता है लेकिन ये सभी चीजें लोकतंत्र में लोग तय करते हैं।

एन0एस0 द्वारा जारी ...

05-03-2022/1500/NS/AG /1

श्री सुभाष ठाकुर .....जारी

यह किसी व्यक्ति द्वारा तय नहीं किया जाता है। मैं यहां पर लघु कहानी सुनाना चाहता हूं। एक पंडित जी थे और वे बहुत विद्वान थे। वे अपने जज़मान के घर जाते थे और धर्म के काम भी करवाते थे तथा वहां पर उनको भोजन भी दिया जाता था। जब कोई धार्मिक कार्यक्रम होता था और उसमें जो व्यंजन बनते थे तो पंडित जी उसमें कोई-न-कोई नुक्स निकालते थे कि और तो सब ठीक है पर इसमें यह फ़र्क है। हर काम में कोई खोट निकालना, अच्छे

काम में भी कोई त्रुटि निकालना उन्हें अच्छा नहीं लगता था। सभी लोग मिलजुल कर राजा के पास गए कि महाराज, हमारे पंडित जी हैं और ये विद्वान हैं लेकिन कभी खुश नहीं होते और हर चीज़ में कोई नुक्स निकालते हैं। राजा ने कहा कि ठीक है, मैं एक बड़ी धाम का प्रबंध करता हूं और उसमें किसी भी चीज़ की कोई कमी न रहे। राजा ने धाम को प्रबंध किया और वहां पर स्वादिष्ट व्यंजन बनाए गए। वहां पर पंडित जी को बुलाया गया और खाने के लिए भोजन दिया गया। पंडित जी को खाना भी खिलाया और दक्षिणा भी दी। उसके बाद कहा गया कि पंडित जी आपको भोजन कैसा लगा? पंडित जी ने राजा को कुछ नहीं कहा और अपना सिर हिलाया तथा बोले न। सबने पंडित जी को कहा कि क्या बात है आप सिर हिला रहे हैं और आप प्रसिद्ध पंडित हैं अगर आप खुश नहीं होंगे तो हमारा किया हुआ पुण्य हमें नहीं लगेगा। इसलिए आप बताइए। पंडित जी ने कहा कि इसमें कोई भी व्यंजन ऐसा नहीं हैं जिसमें मैं खोट निकालूं लेकिन ऐसा खाने के लिए मुझे और जगह नहीं मिलेगा आपने मेरी आदत बिगाड़ दी है। इसलिए अच्छे कामों में नुक्स निकालना और उनकी सराहना न करना इनकी आदत है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि हमारे मुख्य मंत्री शरीफ़ और ईमानदार हैं तथा कोई प्रतिशोध की राजनीति नहीं करते हैं। इन चार सालों में कोई भी साधारण व्यक्ति, विरोधी पक्ष का कोई भी व्यक्ति और कोई भी अधिकारी यह नहीं कह सकता कि प्रतिशोध के कारण किसी के साथ ऐसा काम किया गया हो। आज भी पूरे सदन में कांग्रेस और भाजपा के सभी सदस्य मित्र भाव से बातचीत करते हैं। आज से पहले यहां पर ऐसा माहौल नहीं होता था। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं।

05-03-2022/1500/NS/AG /2

उपाध्यक्ष महोदय, एक कहावत है कि हंसने वालों के घर बसते हैं। इसलिए जिनके ऊपर अट्ठाहस किया जा रहा है, जिस तरह से उपहास उड़ाया जा रहा है कि आपकी सरकार नहीं आएगी और हमारी सरकार आ जाएगी तो मैं आपका बता दूं कि जिनके ऊपर हंसा जाता है उन्हीं के घर बसते हैं। उन्हीं की सफलता उनके पांव चूमती है। इसलिए आप पांच साल और आराम कीजिए। भारतीय जनता पार्टी अगले पांच सालों में दोबार रिपीट होगी और आदरणीय जय राम ठाकुर जी दोबारा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार भी बनाएंगे, मैं यह कहना चाहता हूं। ...व्यवधान... मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा

कि आज हिमाचल प्रदेश में एक अच्छा माहौल और वातावरण है। यहां पर कर्मचारियों की बात कही गई है। कर्मचारियों की पेंशन आपने रोकी। आपने तो स्वर्गीय वीरभद्र सिंह जी का काम जिन्होंने यह पेंशन रोकी थी उसको गलत ठहरा रहे हो। सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री ने उस कानून को लागू किया कि मैं देश का पहला प्रदेश बनूं तो अगर किसी ने काम किया है तो वह कांग्रेस की सरकार

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

05.03.2022/1505/RKS/एएस-1

श्री सुभाष ठाकुर...जारी

ने किया है लेकिन श्री मुकेश अग्निहोत्री जी इसमें भी खोट निकाल रहे हैं। आप हर चीज़ को खोट के नज़रिये से मत देखो। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि आज यूक्रेन में फंसे भारतीय बच्चे अपने देश का झंडा लगाकर यहां आ रहे हैं। पूरी दुनिया में जो भारत का मान-सम्मान हुआ है, यह माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र कुमार मोदी जी के कारण हुआ है। भारत देश जिसे कांग्रेस के लोगों ने भ्रष्टाचारियों का देश बना दिया था उसका पूरी दुनिया आज मान-सम्मान कर रही है। आज इस देश में मोदी जैसे लोगों की आवश्यकता है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रधान मंत्री जी ने यह कहा था कि जब दिल्ली से 100 रुपये चलता है तो वह शिमला या अन्य स्थानों में पहुंचते-पहुंचते 15 रुपये रह जाता है। लेकिन आज जब दिल्ली से 100 रुपये चलते हैं तो यह विकास की गंगा माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के माध्यम से शिमला से होते हुए बिलासपुर व अन्य जिलों में पूरी पहुंचती है। कांग्रेस और भाजपा में यही अंतर है। इस बजट में सभी वर्ग के लोगों का ध्यान रखा गया है। हर क्षेत्र में समान विकास हो रहा है। मैं इस बजट का पुरजोर समर्थन करता हूं। यह बजट आम जनमानस, गरीब और किसान का बजट है। यह सर्वस्पर्शी, कल्याणकारी और कर-मुक्त बजट है। इस बजट के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द, जय हिमाचल।

05.03.2022/1505/RKS/एएस-2

उपाध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री जगत सिंह नेगी (किन्नौर) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बजट अनुमान प्रस्तुत किए हैं, इस पर चर्चा करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद। माननीय मुख्य मंत्री जी ने लगातार तीन घंटे खड़े होकर बजट अनुमान प्रस्तुत किए हैं। लेकिन इसमें कुछ भी नया नहीं है। इसमें सभी वर्गों को निराशा पहुंचाई गई है। मैं यह कहना चाहूंगा कि:-

हाथों की लकीरें सिर्फ़ मौका देती है,
परंतु कठिन परिश्रम पूरी दुनिया को चौंका देती है।

मुख्य मंत्री जी किस्मत के धनी थे और इन्हें हिमाचल प्रदेश की बागडोर संभालने को मिली। इनके पास मौका था कि किस तरह से इस प्रदेश को आगे ले जाया जाए। लेकिन आपने इस स्वर्णिम अवसर को खो दिया। मैंने आपके पांचों बजटों को अवलोकन किया कि इनमें क्या कुछ है। इन पांचों बजटों में शेरो-शायरी के अलावा कुछ भी नहीं था। वर्ष 2018-19 में 24, वर्ष 2019-20 में 17, वर्ष 2020-21 में 22 और वर्ष 2022-23 में 27 शेर बोले गए। कुल मिलाकर बजट में 109 शेरो-शायरी की गई है। इस तरह आपने ग़ालिब का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

05.03.2022/1510/बी.एस./ए0स0/-1

श्री जगत सिंह नेगी जारी...

जो शेर इन्होंने बताए वे सब मरे हुए थे, बेचारे कभी रेगिस्तान में पड़े हुए थे, कई ठंड से कर गए, कई गर्मी से मर गए और कोई प्यासे मर गए, कोई भी आपके काम नहीं आए। हां यह ठीक है कि बीच-बीच में खड़े हुए और वहां भी इन्होंने शेर सुना दिया। हम जो हम में से सोने वाले थे उन्हें आपने जगा दिया। अब इस बजट में जब आपको काम कर दिखाने का मौका था तो आपने कुछ नहीं किया अब तो चार महीने शेष रहे हैं। अब तो आप जाने वाले हैं, आप जो मर्जी कहें कुछ होने वाला नहीं है। मुझ से पूर्व मेरी साथी कह रहे थे कि आपने पेंशन के लिए 60 साल आयु कर दी है, आपने बहुत अच्छा किया, हम कब इसका विरोध कर रहे हैं। परंतु आपने उसमें क्या चालाकी की, एक मुख से आपने कहा कि हमने पेंशन को 1700 रुपए कर दिया है और दूसरे मुख से क्या कर रहे हैं कि आपने कैप लगा दिया और कह दिया कि जो पहले 20 हजार लोग फंसे है उनको करेंगे काबी हवा खाइए। अब यह प्रचार आप आज कर रहे हैं। आपकी व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी फुल स्विंग पर है और आपका प्रोग्राम यह बन गया हर चुनाव क्षेत्र में कि एल0ई0डी0 लगाएंगे। क्योंकि आपके पास भारी-भरकम धनराशि इस काम के लिए है। आज अडानी और अंबानी का पैसा आखिर डालेंगे भी कहां? आपकी जेब में 4-5 हजार करोड़ पड़ा हुआ है। एल0ई0डी0 लगाएंगे और सारे लोगों को फिर से गुमराह करेंगे। सबको बेवकूफ बनाएंगे और सोच रहे होंगे कि वे दोबारा से झांसे में आ जाएंगे। अंगेजी में कहा गया है कि "You can fool all the people some of the time, and some of the people all the time, but you cannot fool all the people all the time." समझ गए, यह हमेश चलने वाला नहीं है। आप तीन सिलेंडर की बात कर रहे थे। उपाध्यक्ष महोदय यह जो तीन सिलेंडर की बात की है, हमारे समय में 350 रुपए का सिलेंडर था उसमें सब्सिडी दी जाती थी। ...व्यवधान...**इन्होंने चालाकी क्या की, आदरणीय मोदी जी के पैट्रोल पंपों में बड़े-बड़े करोड़ों रुपए के बोर्ड तो लगा दिए। हंसते हुए (हां हां.....)** दिया क्या झुनझुना? वहां पर पैट्रोल 100 रुपए से ऊपर प्रति लीटर है। ...व्यवधान...

05.03.2022/1510/बी.एस./ए0स0/-2

संसदीय कार्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर किस प्रकार से देश के प्रधानी मंत्री जी का मजाक उड़ाया जा रहा है this is very bad ये इतने समझदार आदमी है और ये वकील भी हैं। न्यायालय में चोर होता है उससे भी तहजीब से बात की जाती है। या तो इन्होंने कभी वकालत की नहीं है, आप कल कितने नाराज हुए थे आप, जब हंसी में मुख्य मंत्री जी ने बात की थी। आपने सारा सदन उठा दिया था।

श्री जगत सिंह नेगी : ये चाटुकारिता हो रही है।

संसदीय कार्य मंत्री : चाटुकार आप हैं। What do you mean? How can you say this? ये किस तरह की भाषा बोल रहे हैं। मुझे मालूम है कि ये अपने ठाकुर सेन नेगी के बारे में भी इसी प्रकार की भाषा बोलते थे। आप विधान सभा की कार्यवाही से अपने शब्द बाहर निकालिए या सदन से माफी मांगिए। ये प्रधान की का मजाक उड़ा रहे हैं। इसके लिए इनको माफी मांगनी चाहिए। ये इस मान्य सदन में उपाध्यक्ष रहे हैं और इस तरह की बातें कर रहे हैं। This type of behaviour will not be tolerated in the House.

उपाध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, कृपया बैठ जाइए, माननीय प्रधान मंत्री जी की शान में अगर कोई गुस्ताखी वाला शब्द है आया है तो उसे एक्सपंज कर दिया जाए।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

05-03-2022/1515/डी.सी.-एन.जी. /1

उपाध्यक्ष ..... जारी

उसे एक्सपंज कर दिया जाए।...व्यवधान...मैंने व्यवस्था दे दी है अब कृपया आप बैठ जाएं।...व्यवधान...माननीय मंत्री जी कृपया बैठ जाइए। ...व्यवधान... माननीय भारद्वाज

जी बैठ जाइए। ...व्यवधान... माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी बैठ जाइए। ...व्यवधान...

Shri Jagat Singh Negi: Interruption..... He cannot point me out like this. Interruption.....

उपाध्यक्षः ...व्यवधान... माननीय भारद्वाज जी बैठ जाइए। ...व्यवधान... माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी बैठ जाइए। ...व्यवधान... आप सभी बैठ जाएं, माननीय मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर चर्चा बजट के ऊपर हो रही है। हमें यह मालूम नहीं कि कैसे ऐसी स्थिति बन गई है, जब माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी बोलना शुरू कर देते हैं तब इनका संयम न शब्दों पर रहता है और न ही व्यवहार में रहता है। जिस से इस माननीय सदन की मर्यादा एक बार नहीं अनेक बार तार-तार हुई है। आदरणीय प्रधान मंत्री जी के बारे में आप क्या तुलना कर रहे हैं? आज माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी देश ही नहीं बल्की पूरी दूनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। आपके गाली देने से वे छोटे नहीं होने वाले हैं।...व्यवधान...

श्री जगत सिंह नेगी : मुख्य मंत्री जी आप चेयर को एड्रेस कीजिए।

मुख्य मंत्री : मैं आपको कह रहा हूं। ...व्यवधान...

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी कृपया बैठ जाएं। ...व्यवधान...

05-03-2022/1515/डी.सी.-एन.जी. /2

मुख्य मंत्री : ये हमको सिखाएंगे?...व्यवधान... जिस आदमी को बात करने की तहजीब नहीं है और इन्हें मालूम ही नहीं है कि क्या बात करनी है। ...व्यवधान... बार-बार यह स्थिति पैदा क्यों होती है? ...व्यवधान...

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री राकेश जम्वाल जी व श्री विनोद कुमार जी बैठ जाइए। माननीय मुख्य मंत्री जी कह रहे हैं।...व्यवधान...

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि इनके बोलने पर ऐसी स्थिति बार-बार क्यों बनती है? ...व्यवधान...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : मुख्य मंत्री जी आप इतना क्यों उत्तेजित हो रहे हैं, इन्होंने ऐसा क्या कहा है? ...व्यवधान...

मुख्य मंत्री : इन्होंने जिस प्रकार से माननीय प्रधान मंत्री जी पर टिप्पणी करी है, जिस प्रकार से यहां पर ड्रामा किया और जिस प्रकार से बकवास की है, यह ठीक नहीं है।...व्यवधान... माननीय मुकेश जी आप गलत कर रहे हैं। ...व्यवधान... आप बहुत गलत परम्परा डाल रहे हैं। ...व्यवधान... जो गलत कह रहे हैं उन्हें कह दीजिए कि गलत मत कहिए। ...व्यवधान... इन्होंने यहां पर ड्रामा किया है। ...व्यवधान... माननीय प्रधान मंत्री जी के ख़िलाफ इस प्रकार की बात करने की आपकी हैसियत ही क्या है? ...व्यवधान... तहज़ीब भी कोई चीज होती है। ...व्यवधान... आप विरोध में बोलिए।...व्यवधान...

(सत्तापक्ष व विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर शोर-शराबा करने लगे।)

उपाध्यक्ष : मेरा सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि बैठ जाएं। ...व्यवधान... माननीय विनोद जी बैठ जाएं। ...व्यवधान...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : इनका एक शब्द तो बता दीजिए जो असंसदीय हो।...व्यवधान...

मुख्य मंत्री : इन्होंने यहां पर जो ड्रामा किया है वह सबके सामने है। ...व्यवधान... इन्होंने जिस प्रकार की मौकरी की है वह ठीक नहीं है। ...व्यवधान...

05-03-2022/1515/डी.सी.-एन.जी. /3

(अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

अध्यक्ष महोदय, मैं एक चीज पर जरूर कहना चाहता हूं कि बार-बार यह स्थिति पैदा क्यों होती है? अन्य लोग भी यहां पर बोलते हैं लेकिन कभी ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती। लेकिन जब भी इनकी बारी आती है तब इस माननीय सदन में यह स्थिति बार-बार क्यों पैदा होती है? सबसे खतरनाक चीज तो यह है कि जब नेता प्रतिपक्ष गलत को भी ठीक करने की कोशिश करते हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ...व्यवधान...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आपको तो मालूम ही नहीं है इन्होंने क्या बोला क्योंकि आप तो माननीय सदन में मौजूद ही नहीं थे।...व्यवधान...

मुख्य मंत्री : मुझे मालूम है कि इन्होंने क्या कहा है। ...व्यवधान... इन्होंने यहां पर नख़रा किया है, ड्रामा किया है। ...व्यवधान... ये यहां पर माननीय प्रधान मंत्री जी के ख़िलाफ मौकरी कर रहे हैं। ...व्यवधान...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : मुख्य मंत्री जी आपने तो प्रधान मंत्री जी का नाम सुना और माननीय सदस्य पर चढ़ाई ही कर दी। ...व्यवधान...

मुख्य मंत्री : चढ़ाई नहीं करेंगे तो क्या इनकी पूजा करेंगे? ...व्यवधान... मुकेश जी गलत बात को ठीक करना यह अच्छी बात नहीं है। ...व्यवधान...

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

05.03.2022/1520/SS-DC/1

मुख्य मंत्री क्रमागत :

...व्यवधान... इनका पूरा रिकॉर्ड निकालना चाहिए और जो शब्द इन्होंने (श्री जगत सिंह नेगी) इस्तेमाल किए और जो इन्होंने ऐक्शन किया है, ड्रामा किया है, प्रधानमंत्री जी के बारे में ममिकरी की है उसको डिलीट करना चाहिए।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, बैठिए। एक तो प्रधान मंत्री जी के बारे में इस प्रकार से टिप्पणियां करना मुझे लगता है कि यह न हमारी मर्यादा है और न हमारे बोलने की परम्परा है। इसलिए मैं सारे रिकॉर्ड को देखूंगा और जो इस प्रकार के शब्द हैं उनको एक्सपंज करूंगा। जो इनका ऐक्शन है, व्यवहार है, उसे मैं बैठे-बैठे देख रहा था। इसलिए मुझे भी यहां पर आना पड़ा। ...व्यवधान... माननीय सदस्य, बात सुनो, यह मुझे पता है। इस कुर्सी को सब कुछ पता है। इसलिए जो बजट रखा गया है आप उस पर बोलिए। परन्तु अगर हम प्रधान मंत्री जी के बारे में, देश के बारे में कि यह कैसे चल रहा है उसके बारे में जो चिंता उनको करनी है वह चिंता आप यहां कर रहे हैं तो सही नहीं होगा। आप बजट के बारे में सुझाव दीजिए, हम उस सारी बात को सुनेंगे। आपके जो सम्माननीय नेता हैं उनके बारे में सत्तापक्ष की तरफ से भी कोई अभद्र टिप्पणी न हो। ...व्यवधान... यह बात क्या ठीक है परन्तु आप सब कुछ कर लें! ऐसे शब्द मैं बोलूं तो ठीक हो गया और मैं आपको कहूं तो वह ठीक नहीं है। इसलिए यह नियम सभी के ऊपर लागू होता है। कृपा करके इस प्रकार से व्यवहार करना, ऐक्ट करना, इस प्रकार से बोलना उचित नहीं है। जो व्यक्ति इस सदन में नहीं है उसके बारे में टिप्पणियां करना, मुझे लगता है कि यह हमारी परम्परा नहीं है। ...व्यवधान... माननीय सदस्य सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी, आप बैठिए। ...व्यवधान... श्री सतपाल सिंह जी, बैठिए। श्री जगत सिंह नेगी, आप सिर्फ बजट के ऊपर बोलें और सुझाव दें।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक मिनट सुन लीजिए। Sir, on a Point of Order you have to listen to me and then you can pass the order.

Chief Minister: You cannot debate like this. ...Interruption...

05.03.2022/1520/SS-DC/2

Shri Jagat Singh Negi: ...Interruption... I am requesting the Hon'ble Speaker, interruption... Sir, whenever I rise to speak they always try to cowed me. क्या मैं इनसे डरने वाला हूं?

अध्यक्ष : आप बजट पर बोलिए। इसमें कोई प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं है क्योंकि आप पहले से बोल रहे हैं।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, अगर मैंने अपनी स्पीच में कहीं भी कोई असंसदीय शब्द का इस्तेमाल किया है तो आप रिकॉर्ड निकालिए और मुझे सजा दीजिए।

दूसरी बात, चाहे मुख्य मंत्री हैं या संसदीय कार्य मंत्री हैं वे मुझे डायरेक्ट रौब नहीं मार सकते। मैं भी एक चुना हुआ प्रतिनिधि हूं और मैं जनजातीय क्षेत्र से आता हूं। मैं मुख्य मंत्री के पद से डरने वाला नहीं हूं। न मैं मुख्य मंत्री के रौब से डरने वाला हूं। जो भी कार्रवाई करनी है वह नियमों के अनुसार कीजिए। अगर मैंने गलती की है, रिकॉर्ड खंगालिए और मुझे सजा दीजिए। अगर मैंने आज तक किसी के खिलाफ इस माननीय सदन में असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया है तो उसे निकाल लीजिए।

अध्यक्ष : मैं रिकॉर्ड चैक करूंगा और इस प्रकार के शब्दों को देखने के उपरांत उनको एक्सपंच करूंगा। जहां तक बात है, ये संसदीय कार्य मंत्री हैं अगर यहां कोई विषय आता है तो इनको बोलने का पूरा अधिकार है।

श्री जगत सिंह नेगी : सर, हर समय नहीं होता है।

अध्यक्ष : यहां पर लीडर ऑफ ऑपोजिशन बोल रहे थे तो मैंने उनको भी चुप नहीं करवाया।

जारी श्रीमती के0एस0

05.03.2022/1525/KS/HK/1

अध्यक्ष जारी----

इसलिए यहां पर मुख्य मंत्री जी को कुछ बोलना है, संसदीय कार्य मंत्री को कुछ बोलना है तो इनको अधिकार है। नियमों में प्रावधान है।

श्री जगत सिंह नेगीः सर, नियमों में प्रावधान है, प्वाइंट ऑफ ऑर्डर पर बोलेंगे। बार-बार इंट्रप्ट नहीं करेंगे। रूलज़ में लिखा है कि जब कोई यहां पर अपनी बात करेगा, बीच में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। ...(व्यवधान)... फिर ये रूल क्यों बनाए हैं? क्या यह लोकतंत्र है कि ये हमारे पर दवाब डालेंगे या सच्चाई बोलने से रोकेंगे? मैंने क्या कहा? मैंने कहा कि पैट्रोल पम्पों पर माननीय प्रधान मंत्री के हंसते हुए बड़े-बड़े फोटो लगे हैं और वे कह रहे हैं कि 100 रुपये का पैट्रोल ले लो। मैंने यह कहा और मुख्य मंत्री जी तो यहां पर थे भी नहीं, इनको पता नहीं क्या हो गया? ये सदन में ऐसे आए जैसे मुझसे लड़ना चाहते हो। अध्यक्ष जी, अच्छा है जो बीच में यहां बैरिकेड है नहीं तो ये यहां आ कर मेरे ऊपर सवार हो जाते। ...(व्यवधान)... अध्यक्ष जी, अगर मैं पुरानी बातें करुंगा तो जो आज पार्लियामेंट्री मिनिस्टर हैं, आपको याद होगा कि इन्होंने मुझे क्या कहा था। इन्होंने मुझे देशद्रोही तक कहा, ये इस किस्म के आदमी हैं। जो इस कुर्सी के ऊपर बैठकर मर्यादा खत्म कर दे, ये सबसे अमर्यादित आदमी हैं। ...(व्यवधान)...

अध्यक्षः यह कोई भाषण नहीं है। माननीय सदस्य, आप बजट पर बोलिए। वही रिकॉर्ड होगा जो आप बजट पर बोलेंगे। आप बजट पर बोलें। ...(व्यवधान)...

श्री जगत सिंह नेगीः आप ठाकुर सेन नेगी तक पहुंच गए, तब पर्सनल नहीं था? आप कहते हैं कि मैंने ठाकुर सेन नेगी को गाली दी। क्या आप वहां थे जब मैंने उनको गाली दी? ये पता नहीं कहां पहुंच गए?

अध्यक्षः नेगी जी, बजट के ऊपर बोलिए।

श्री जगत सिंह नेगीः सर, मुझे दोबारा से शुरू करने का मौका दीजिए।

अध्यक्षः दोबारा नहीं, आपके 10 मिनट हो गए हैं।

श्री जगत सिंह नेगीः 10 मिनट तो सर इन्होंने ही ले लिए फिर मैं क्या बोलूंगा? इनका यही तो तरीका है कि मुझे बोलने नहीं देते।

अध्यक्षः ठीक है, आप शुरू करिए।

श्री जगत सिंह नेगीः मैं अब कहां से शुरू करुं? सर, अब मैं पैट्रोल पम्प से शुरू नहीं करुंगा, किसी अन्य विषय से शुरू करता हूं।

अध्यक्ष जी, मैं गैस की बात करना चाहूंगा। तीन गैस सिलेंडर देने के गणित पर मैं चर्चा कर रहा था। ठीक है, आप तीन सिलेंडर मुफ्त में दे रहे हैं, अच्छी बात है परन्तु उसका गणित तो देखिए। पहले आपने हमारी सबसिडी खत्म कर दी। सिलेंडर को हजार रुपये से ऊपर पहुंचा दिया। फिर आप 3 सिलेंडर मुफ्त में देंगे, बाकी 9 महीने उसको 1200 रुपये ही देने पड़ेंगे। एक हाथ से आप ले रहे हैं और दूसरे हाथ से छीनकर उधर डाल रहे हैं, यह आपका गणित है। इसलिए इनको तकलीफ़ हो रही है। इसलिए ये मुझे बोलने नहीं देते। ये कहते हैं कि अनपार्लियामेंट्री है। ...(व्यवधान)... अध्यक्ष जी, देखो, मंत्री को फिर तकलीफ हो रही है। वन मंत्री जी, जब मैं आपके विभाग के बारे में बोलना शुरू करुंगा, आप तब बोलना। जब मैं आपका जंगलराज खोल दूंगा, तब बोलना आपने। आप मुझे मत रोका करें। अध्यक्ष जी, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को यही कह रहा था कि हिमाचल प्रदेश की प्रबुद्ध जनता ने आपको बहुत बढ़िया मौका दिया था, स्वर्णिम अवसर दिया था जो इन्होंने गवां दिया। हमें इनसे उम्मीद थी कि ये इस प्रदेश के लिए कुछ नया करके जाएंगे लेकिन आज जब ये जाने वाले हैं इस प्रदेश को कर्जदार बना दिया। 70 हजार से ऊपर का कर्ज लाद कर चले जाएंगे फिर भी ये अपनी पीठ को खुद ही थपथपाए जा रहे हैं। इन्होंने इस बजट में क्या किया? इन्होंने जो शेर पढ़े, 109 से ज्यादा शेर इस माननीय सदन में पढ़े, सारे मरे हुए, अधमरे शेर, रेगिस्तान में प्यासे,

05.03.2022/1525/KS/HK/3

भूखे किस्म के शेर पढ़े। आप बजट में शेरो-शायरी करते हैं लेकिन शेर मैं आपको तब मानता जब इस प्रदेश की आर्थिकी को आपने आगे पहुंचाया होता, इस प्रदेश के बेरोज़गारों के बारे में कुछ सोचा होता, इस प्रदेश के किसानों व बागवानों के लिए कोई सोच रखी होती, यहां के कर्मचारियों के लिए कोई सोच रखी होती। आपने इस बजट में क्या किया? आपने छठे वित्तायोग पर जो राइडर लगाया उस किस्म का राइडर सामाजिक पैंशन में लगा दिया। आपने उम्र कम कर दी 60 साल परन्तु पैसा क्या देंगे आप? उस 60 साल वाले को 1700 रुपये नहीं देंगे आप। आप उधर भी सबको मकड़जाल में फंसा के जा रहे हैं। उसके ऊपर हम आपकी किस बात के लिए पीठ थपथपाएं? आप कह रहे हैं, माननीय सदस्य कह रहे हैं कि आपने नाबार्ड का पैसा जो एम.एल.एज़. की किटी है, उसको बढ़ाया है।

श्रीमती अव द्वारा जारी---

05-03-2022/1530/av/yk/1

श्री जगत सिंह नेगी-----क्रमागत

ठीक है, बढ़ाया है तो बहुत अच्छी बात है। ...व्यवधान... मैं धन्यवाद तब करूंगा जब आप दो महीने के अंदर-अंदर हमारी सारी डी0पी0आर्ज0 को तैयार करके उस किटी को खत्म करेंगे। मैं आपका बहुत धन्यवाद करूंगा, जश्न करूंगा और उसमें आपको बुलाऊंगा। मैं उसके लिए आपकी हर तरह से स्तुति भी करूंगा। आपने हमारी विधायक क्षेत्र निधि बढ़ाकर दो करोड़ रुपये की है, बहुत अच्छी बात है। परंतु माननीय मुख्य मंत्री, यदि आप उसको एक मुश्त में दें तब तो मानूं कि आप शेर हैं। आपने जो 12 लाख रुपये की राशि बढ़ाई है उसको यदि आप एक मुश्त में देते हैं तब तो मैं आपकी बात मान सकता हूं परंतु

यह आगे चार महीनों में होने वाला नहीं है। मुख्य मंत्री जी, आपने एक बहुत अच्छा शेर पढ़ा था, मैं आपको उस बारे में याद दिलाना चाहता हूं। आपने कहा था कि :-

मेरे जुनून का नतीजा जरूर निकलेगा,
इसी सिंहा-समंदर से नूर निकलेगा।

मुख्य मंत्री महोदय, आपने पिछले 4 वर्षों के कार्यकाल में कौन-सा नूर निकाल दिया, आप किसी एक नूर के बारे में बता दीजिए। हां, हमारे हिसाब से आपने 'माफिया' नामक एक बहुत बड़ा नूर निकाला है। इस प्रदेश को आपने ऐसी किस्म का माफिया नूर निकालकर दिया कि यहां पर अब सारी किस्म के माफिया आ गए हैं। यहां तक कि अब तो हिमाचल प्रदेश में बारूद माफिया भी आ गया है। ...व्यवधान... मुख्य मंत्री जी, जब आप बोल रहे थे तो मैंने आपको बिल्कुल नहीं टोका। अगर मैं भी बोलना चाहूं तो आपको बीच में दस बार रोक सकता हूं। मैं तो एक छोटा-सा विधायक हूं और आप तो मुख्य मंत्री हैं; आप कम-से-कम अपने पद की गरिमा तो रखिए। अगर आप ही ऐसे बीच में बोलते रहेंगे तो बाकी बैठे लोग क्या करेंगे। यहां पर आपके बाकी बैठे लोग तो वैसे ही मेरी धज्जियां उड़ाने को तैयार हैं, केवल आपका इशारा चाहिए। आपकी तरफ कई लोग ऐसे बैठे हैं जिनको अगर मौका मिले तो मेरा

सिर भी फोड़ सकते हैं। ये लोग इस चक्र में बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में अब बारूद माफिया आ गया है और यह एक सबसे खतरनाक माफिया है। अगर यह बारूद किसी आम आदमी के पास होता तो उसके ऊपर आपने 124 आई0पी0सी0 धारा के तहत देश द्रोह का केस बनाना था। उस विस्फोट में 11 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हो गई। मगर आपने वहां एस0डी0एम0, एस0पी0, एस0एच0ओ0 या उस इलाके के डी0एम0 तक को निलंबित तक नहीं किया। ...व्यवधान...पहले आप लोग भी एम0एल0ए0 हैं क्योंकि एक विधायक बनने पर ही कोई मंत्री पद पाता है। आप लोग किस गलतफहमी में जी रहे हैं? इसमें पुलिस ने कुछ नहीं किया। इसके अतिरिक्त आज प्रदेश में स्थानांतरण माफिया और ड्रग्ज माफिया

हावी हैं। मैंने पिछली बार यह प्रश्न किया था कि हिमाचल प्रदेश में स्थापित कितनी फार्मास्युटिकल कंपनीज के कितने-कितने सेंपल फेल हुए। यहां पर एक नहीं बल्कि सौ से ज्यादा सेंपल फेल हुए हैं। मगर उनको सजा के तौर पर उनके खिलाफ एफ0आई0आर0 तक दर्ज नहीं की गई। उनको केवल एक हफ्ते का नोटिस दिया गया। हिमाचल प्रदेश की दवाई कंपनी में बने कफ सीरप की वजह से जम्मू-कश्मीर में 9-10 बच्चों की मृत्यु हुई थी। दूसरे स्थानों पर भी बच्चे मरे और उसकी वजह से हिमाचल प्रदेश का नाम खराब हुआ है तथा इसके लिए आपकी भारतीय जनता पार्टी की सरकार जिम्मेवार है। उससे बाहर यह संदेश गया कि जो आज हिमाचल प्रदेश में दवाइयां बन रही हैं उनसे जीवन बचने की जगह लोगों को मृत्यु मिल रही है। आज प्रदेश में नकली शराब बेची जा रही है, नकली शराब पीकर मरो और 8 लाख रुपये का मुआवजा पाओ। कोई दूसरी दुर्घटना में मरता है तो उसको मुआवजे के रूप में 4 लाख रुपये की राशि दी जाती है, क्या यह आपका राम राज्य है? मुख्य मंत्री जी ने जो राम राज्य लाने का वचन दिया था तो आपके राम राज्य में इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं। आपके राम राज्य में खनन माफिया, भू-माफिया, नौकरी माफिया, कमीशन माफिया और अब तो झूठ व जुमला माफिया भी तैयार हो गया है। ....व्यवधान... मेरे से पूर्व मेरे साथियों ने क्या कहा। उन्होंने यह कहा कि यूक्रेन में भारत का झंडा लेकर यदि पाकिस्तान वाले जाएंगे तो उन्हें छोड़ रहे हैं मगर वे हमारे बच्चों को नहीं छोड़ रहे हैं। खारकीव, सूमी इत्यादि स्थानों पर फंसे हुए हमारे बच्चे भूख से तड़प रहे हैं। वे वहां गोला-बारूद के बीच में हैं और अगर मैं इस पर आगे बोलूं तो आप फिर शोर करने लगेंगे। ...व्यवधान... माननीय प्रधान मंत्री पूरे देश के हैं, उनको हम सब लोगों ने चुनकर प्रधान मंत्री बनाया है।

टी सी द्वारा जारी

05/03/2022/1535/टी0सी0वी0/वाई0के0/1

श्री जगत सिंह नेगी... जारी ।

आप उनको यशस्वी और दुनिया के मशहूर प्रधान मंत्री कह रहे हैं लेकिन वे क्या कर रहे हैं? उनको चाहिए था कि यूक्रेन में जो बच्चे फंसे हुए हैं जाकर उनको लाते। लेकिन हमारे प्रधान मंत्री यू0पी0 के बनारस में बैठकर डमरू बजा रहे हैं। इस बात का इतिहास गवाह है कि जब रोमन एम्पायर का दुनिया में डंका बजता था तो वहां जो सम्राट नीरु था, जब रोम

जल रहा था तो वह बांसुरी बजा रहा था। आज हमारे प्रधान मंत्री जी भी डमरू बजा रहे हैं। बच्चे तड़प रहे हैं, वे मर रहे हैं और वे झूठी बातें कह रहे हैं। अगर हमारे झण्डे में इतना दम था तो क्या यूक्रेन वाले पाकिस्तानियों को छोड़ देंगे और हिन्दुस्तानियों को नहीं छोड़ेंगे? ये किसको बेवकूफ बना रहे हैं। इस तरह की बात करके जो माता-पिता अपने बच्चों के लिए तड़प रहे हैं, आप उनके साथ अन्याय कर रहे है। आज पूरा प्रदेश आंदोलनमय है। दो दिन पहले ओ0पी0एस0 के लिए लाखों कर्मचारी आपसे बात करने के लिए यहां पर आए थे लेकिन मुख्य मंत्री जी उनसे बात करने के लिए तैयार नहीं हुए। आप धर्मशाला में भीड़ में जाकर अनाउंसमेंट करते हैं कि हम तीन महीने में आयोग बना देंगे। आप इनसे भी इस तरह की बात कर सकते थे। गलत प्रथा आपने शुरू की है, भीड़ में जाने वाले आप थे। आपने बजट में कहा कि हमने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए 10,000 रुपये दे दिए हैं। इन्होंने 50 रुपये दिन के बढ़ाए हैं और वह भी क्लॉस-IV कर्मचारियों के बढ़ाए हैं। क्लास-॥। कर्मचारियों को एक पैसा भी नहीं दिया है। इनसे आउटसोर्स की नीति नहीं बनाई जा रही है और आउटसोर्स में रोस्टर नहीं लगाया जा रहा है। सारी-की-सारी नौकरियां चोर दरवाजे से लगाई जा रहीं हैं। इसके लिए इन्होंने जो कंपनी बनाई है, उसकी भी इंक्वायरी की जाये। इसी तरह से आज एस0एम0सी0, जूनियर ऑफिस असिस्टेंट, पुलिस, होमगार्ड, बागवान, किसान और आंगनबाड़ी के लोग सड़क पर है। आज कौन-सा वर्ग खुश है? इसलिए में यह कहना चाहता हूं किः-

धुआं जो कुछ घरों से उठ रहा है, न पूरे शहर पर छा जाये तो कह देना।

05/03/2022/1535/टी0सी0वी0/वाई0के0/2

आज लोग सड़कों पर बेचैन हैं और आप वाहवाही कर रहे हैं। आजकल एक ऐप निकला हुआ है जिसका नाम खाता बुक है। यह बहुत अच्छी ऐप है। पूरा हिसाब-किताब इसमें रख लीजिए। आपने बजट में जो तीन घंटे बोलना था वह इस ऐप में पांच मिनट में आ जाना था। आपके बजट में दूरदर्शिता नहीं है। सिर्फ 5-10 रुपये इधर-उधर किए हैं। यहां पर विपक्ष के नेता, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने ठीक कहा है कि यह पहला बजट है जिसमें बजट

अनुमान नहीं दिया गया। इन्होंने कुछ विभागों का बजट अनुमान जरूर दिया है जैसे जल शक्ति और शिक्षा विभाग। लेकिन जनजातीय क्षेत्र के लिए कोई बजट अनुमान नहीं है। इन्होंने हमारे एस0सी0 कम्पोनेंट का नाम बदल कर अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम रखा है लेकिन उसका कोई बजट अनुमान नहीं है। जो बजट हमें मिलता है उसमें रेवैन्यू एक्सपेंडिचर और कैपिटल एक्सपेंडिचर को अगर आप देखेंगे तो हमारे हिस्से में कुछ भी नहीं है। यहां पर श्री राकेश जम्वाल जी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे कि 500 करोड़ रुपया एक विधान सभा चुनाव क्षेत्र में दिया। जनजातीय क्षेत्र का सारा बजट मिलाकर भी 500 करोड़ रुपये नहीं बनता है तो क्या यह पक्षपात नहीं है? मैंने विधान सभा में प्रश्न लगाया था कि जनजातीय उप-योजना के तहत लगातार बजट को क्यों चिन्हित नहीं किया जा रहा है? उसमें कहा गया कि वर्ष 2020 की कैबिनेट में फैसला लिया गया है कि जनजातीय क्षेत्रों का बजट केन्द्र सरकार के फ्लैगशिप के प्रोजैक्टों में, जहां पैसा नहीं है, वहां जनजातीय क्षेत्रों का पैसा लगेगा। यह हमारे साथ अन्याय है। जनजातीय क्षेत्रों के साथ एक और नाइंसाफी हुई-वाइब्रेंट विलेज इंडिया। पहले हमारे यहां बॉर्डर एरिया डवलपमैंट प्रोग्राम था जिसके तहत हमें 25-30 करोड़ रुपया केन्द्र सरकार से मिलता था। अब इस बजट में केन्द्र सरकार ने बी0ए0डी0पी0 को फंडिंग देना बंद कर दिया। हमें लग रहा था कि कुछ-न-कुछ गड़बड़ करने वाले हैं। हमने इसको बी0ए0डी0पी नाम दिया था। इन्होनें इसका नाम वाइब्रेंट विलेज रख दिया, और इसमें बी0ए0डी0पी0 का पैसा लगाया जाएगा। नाम बदलने से क्या कोई विकास हो जाएगा?

एन0एस0 द्वारा जारी ...

05-03-2022/1525/NS/AG/1

श्री जगत सिंह नेगी .....जारी

आप हमारी तीन साल से बी0ए0डी0पी0 की राशि नहीं दे रहे हैं। मेरे क्षेत्र के 129 गांव वाइब्रेंट विलेज में ले लिए। आपको एक साल में कितनी धनराशि आएगी। आपने ग्राम सभाओं को कह दिया कि आप ये स्कीमें बनाओ। सबने स्कीमें बनाईं और इंतजार में हैं तथा

इस बजट में माननीय मुख्य मंत्री जी ने कोई पैसा नहीं दिया। वाइब्रेंट विलेज के लिए आपके पास पैसा कहां है? इसके लिए बजट में एक शब्द भी नहीं है। बजट का यह हाल है और आप कह रहे हैं कि बजट पर चर्चा करो। अध्यक्ष महोदय, एच0पी0सी0एल0 एक कंपनी है और मेरे क्षेत्र में 450 मेगावाट बिजली का काम चला हुआ है। यह प्रोजेक्ट वर्ष 2020 में कंप्लीट होना था लेकिन इस सरकार की नालायकी के कारण वर्ष 2025 में भी कंप्लीट नहीं हो रहा है। यह प्रोजेक्ट लगभग 2800 करोड़ रुपये से बनना था और अब 3300 करोड़ रुपये से बनेगा। अभी कहते हैं कि जिस कंपनी को ठेका दिया है वह नालायक है। हम जब बार-बार कह रहे हैं कि उस ठेकेदार की छुट्टी करो। मुख्य सचिव उस कार्पोरेशन के चेयरमैन हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए लोगों ने अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया है। अगर यह प्रोजेक्ट बन जाए तो हिमाचल सरकार को हर साल लगभग 300 करोड़ रुपये से ज्यादा रेवेन्यू जेनरेट होगा और इसमें आप काम नहीं करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं यहां पर लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग और वन विभाग की बात करता हूं। इन विभागों में बिना कमीशन के कोई काम नहीं होता है। इन विभागों के अंदर इतना भ्रष्टाचार हो रहा है। आज यहां पर जल शक्ति विभाग की बात हो रही थी और कहा गया कि 15 लाख नलके लग गए। क्या आपने इन नलकों का वॉटर सोर्स पाकिस्तान या चीन में बनाया है? क्या आपने एक साल में इतने टैंक बना दिए कि 15 लाख लोगों को कनैक्शन मिल जाए? आपने केवलमात्र पाइप खरीदने का काम किया है। यह ठीक है कि केंद्र सरकार से आप बजट लाने में सफल हुए। आपने बजट कैसे लाया? मैं इसके बारे में बताना चाहूंगा कि आपने सूचनाओं में गड़बड़ी करके बजट लाया है। जल शक्ति विभाग में जो स्कीमें थीं और उन स्कीमों को आपने दोबारा से दिखा दिया जो स्कीमें वर्ष 2007 से चली हुईं हैं तथा इन स्कीमों को आप वर्ष 2019-20 में दिखा रहे हैं। आप केंद्र सरकार से धनराशि लाए हमें कोई ऐतराज नहीं है। यह आपका पैसा लाने का तरीका था लेकिन यह झूठ मत बोलिए कि आपने 15 लाख नलके

05-03-2022/1525/NS/AG/2

लगा दिए। नलकों में हवा भी नहीं आएगी। आपने इतनी पाइपें खरीद लीं कि यहां से लगाएंगे और चांद में जाएंगे तथा वापिस सीढ़ी बन जाएगी। उन नलकों को क्या करना जिनमें पानी नहीं है। आप इस प्रकार की स्कीमों को लाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, कहा जा रहा है कि बजट में सभी का ध्यान रखा जा रहा है। सभी ठीक कह रहे हैं कि दो विधान सभा क्षेत्र हैं और तीसरा विधान सभा क्षेत्र श्री राकेश जम्वाल का है और बाकी तो हैं ही नहीं। ...व्यवधान... यहां पर कहा जा रहा है कि हर घर में दीया जलाएंगे। इसके बारे में मैं यह कहना चाहता हूंः-

घर के बाहर भी जला लो कुछ दीए यह न सोचो कि कौन गुजरेगा उस रास्ते से

शायद आपको ही गुजरना पड़ जाए। इसलिए उम्मीद अपने को ही रखो। ...व्यवधान... अध्यक्ष महोदय, अब मैं खेलकूद के बारे में बोलना चाहूंगा। मेरा जिला किन्नौर जनजातीय क्षेत्र है। मेरे क्षेत्र से एक युवक एवरेस्ट फतह करने के लिए गया था और इसने जीत हासिल की। वैसे तो किन्नौर से पर्वतारोही आर्मी और पैरा मिलिट्री में बहुत हैं लेकिन सिविलियन्ज़ में यह पहला लड़का था। इसको हिमाचल प्रदेश की सरकार ने भी मदद की और कंपनियों ने भी मदद की तथा स्पोंसर करके किसी टीम के साथ गया था। इसका पर्वतारोही बनने का सपना पूरा हुआ और इसने भारत का तिरंगा झंडा एवरेस्ट पर लगाया। जिस दिन इसको इस यात्रा के लिए भेजा गया था तो मुख्य मंत्री जी ने इसे अपने हाथ से झंडा दिया था। सफल होने के उपरांत इसको आज तक एक भी सम्मान नहीं दिया गया। इसके समकक्ष जो लोग अरुणाचल प्रदेश से गए उनको नौकरियां मिल गईं, बड़े-बड़े अवार्डज़ मिल गए। यह किन्नौर से है, जनजातीय क्षेत्र से है तो इसको कुछ नहीं मिला। इससे पहले हिमाचल प्रदेश से जो लोग गए उनको पहले तीन लाख रुपये भी मिले और नौकरियां भी मिल गईं। मेर क्षेत्र का पर्वतारोही कम और आपके क्षेत्र का ज्यादा कैसे हो सकता है? आप बताइए यह पक्षपात नहीं तो और क्या है? यहां पर खेल मंत्री बैठे हैं और इस किस्म की अनदेखी हो रही है। इसमें आपका भी सहयोग था। अध्यक्ष महोदय, यहां पर श्री शांता कुमार जी के बारे में कहा गया।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

05.03.2022/1545/RKS/एजी-1

श्री जगत सिंह नेगी... जारी

श्री राकेश जम्वाल जी उस दिन मैं नीचे प्रत्यक्षदर्शी था। श्री शांता कुमार और भाजपा के लोग बैरिकेड्स तोड़कर अंदर आए। उनके ऊपर किसी ने लाठीचार्ज नहीं किया। श्री शांता कुमार जी के ऊपर किसी ने बी.जे.पी. का झंडा फेंक दिया था। उस समय जल शक्ति मंत्री भी वहीं थे। उनके हाथ में मेरे सामने खरोंच आई थी। उसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहां पर उनको फर्स्ट एड दी गई। जो आप कह रहे हैं, वह सब झूठ है। ...व्यवधान... डॉक्टर बदलने वाली बात बिल्कुल गलत है। यहां पर माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बैठे हैं आप इस बात का पता लगाइए ताकि सच्चाई सामने आ सके। अगर ऐसा हुआ है तो वह गलत है और हम गलत चीजों का कभी समर्थन नहीं करते। आपने कहा कि हमने अस्पतालों में वेंटिलेटर्ज और आक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की। लेकिन मुझे यह बताया जाए कि कौन से अस्पताल में आक्सीजन प्लांट चला हुआ है। ...व्यवधान... मेरे पास विधान सभा प्रश्न का उत्तर है। आई.जी.एम.सी. में पैट स्कैन की व्यवस्था नहीं है। आप कह रहे हैं कि पैट स्कैन स्थापित करने के लिए भवन निर्माण हेतु फारेस्ट क्लीयरेंस नहीं मिल रही है। हम आपको मकान की व्यवस्था कर देंगे लेकिन आप पैट स्कैन स्थापित करवाइये। आई.जी.एम.सी. में सी.टी. स्कैन करवाने के लिए तीस दिन का इंतजार करना पड़ता है। तीस दिन में तो रोगी ऐसे ही मर जाएगा। अगर हमें चांद में भी जाना हो तो पैसे देकर बाहर के देश आपको दूसरे दिन भेजने को तैयार हैं। फिर आप कह रहे हैं कि हम स्वास्थ्य सुविधा देने में नम्बर वन हैं। हम विश्व गुरू हैं। ...व्यवधान....शहरी विकास मंत्री बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। इनके शहर में लोग भूखे व नंगे सोते हैं और ये कहते हैं कि हमने सबके लिए मकान की व्यवस्था कर दी। आपके पास बेघरों का आंकड़ा नहीं है। मैं आपको शिमला शहर में हजारों लोग दिखा सकता हूं जो आज भी नंगे व भूखे सो रहे हैं। आप मुझे दस बार गाली दे दो लेकिन आपको उन लोगों के लिए कुछ करना चाहिए।

05.03.2022/1545/RKS/एजी-2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया वाइंड-अप करें।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरी सारी ऊर्जा को खत्म कर दिया है। आपने कोरोना काल में लोगों को फटे हुए टैंटों में सुलाया। ...व्यवधान... यह बात अखबार में छपी है। क्या अखबार वाले झूठ बोल सकते हैं? अगर ये झूठ बोल रहे हैं तो आप इन पर भी केस कर दीजिए। पी.डब्ल्यू.डी. वाले कहते हैं कि गांव में नाबार्ड के तहत सड़क निकालने के लिए पांच मीटर जगह चाहिए। अगर मेरे पास पांच मीटर जगह नहीं होगी तो क्या मैं सड़क नहीं बना सकता? मेरे जनजातीय क्षेत्र में भूमि में बाग-बगीचे लगे हुए हैं। उन बाग-बगीचों से पांच मीटर रास्ता नहीं दिया जा सकता। आई.आर.सी. वालों ने भी अप्रूव किया है कि ग्रामीण रोड तीन मीटर जगह में बन सकते हैं। लेकिन राज्य सचिवालय में ऐसे कौन अधिकारी बैठे हैं जो जनजातीय क्षेत्रों में तीन मीटर भूमि पर सड़कें नहीं बनने दे रहे हैं? जनजातीय क्षेत्रों में पांच मीटर भूमि उपलब्ध करवाना मुश्किल है। वहां पर पांच मीटर भूमि उपलब्ध करवाने के लिए बाग-बगीचे नष्ट करना पडेंगे। मुझे बागवानी के लिए रोड चाहिए,पैसा उपलब्ध करवाना मेरा काम है लेकिन आप मुझे रोकने वाले कौन होते हैं? मुख्य मंत्री जी अभी यहां उपस्थित नहीं है लेकिन इनको इस पर संज्ञान लेना चाहिए। अब आपकी विदाई निश्चित है। हम आपको खुशी से, शहनाई बजाकर विदाई देंगे।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

05.03.2022/1550/बी.एस./ए0जी0/-1

श्री जगत सिंह नेगी जारी...

अंत में मैं कहना चाहता हूं कि :-

सिर्फ सिमटी हुई यादों का सिलसिला होगा,
जो लम्भे हैं, चलो हंस के बिता लें,

न जाने जिंदगी का कल क्या फैसला होगा।।

आपने समय दिया, आपका धन्यवाद ॥

05.03.2022/1550/बी.एस./ए0जी0/-2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री परमजीत सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री परमजीत सिंह, दून : माननीय अध्यक्ष जी, जो बजट माननीय मुख्य मंत्री जी ने कल प्रस्तुत किया है, उसकी चर्चा में भाग लेने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यहां पर विपक्ष के मित्र बजट को कभी झूठ का पुलिंदा बता रह हैं, कभी तीन घंटे की बोर पिक्चर बता रहे हैं। लेकिन में बताना चाहता हूं कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन पिछली सरकार के समय में सवा चार लाख के करीब लोगों को मिलती थी, लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी ने 27 दिसम्बर, 2017 को अपनी पहली बैठक में एक बहुत बड़ा फैसला बुजुर्गों के हित में लिया है और उसमें बुजुर्गों की आयु 80 से घटाकर 70 साल की , जिसमें छः लाख 35 हजार लोगों को इस पेंशन का लाभ मिला है। अब इस बजट में उस आयु सीमा को 70 से घटा कर 60 वर्ष कर दिया गया है। इससे भी अन्य लोगों को इसका लाभ मिलेगा। मैं इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने एक बहुत अच्छा फैसला बुजुर्गों के लिए लिया है। पिछले बजट में भी मुख्य मंत्री जी ने 'गृहिणी सुविधा' योजना के अन्तर्गत बहनों और माताओं के लिए विशेष योजना चलाई थी, जिसके अन्तर्गत 3 लाख 26 हजार सिलेंडर हमारी सरकार ने बांटे थे, उसमें उन बहनों और माताओं को बहुत लाभ मिला था लेकिन मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि यह बजट उन बहनों और माताओं के लिए एक और खुशी ले करके आया है। अब एक साल के अन्दर तीत सिलेंडर उन माताओं और बहनों को दिए जाएंगे। ने लेकिन विपक्ष के जो मेरे मित्र हैं उनका यह मुद्दा था कि सिलेंडर कहां से देंगे? कभी कह रहे थे कि ये 1200 रुपए का दे रहे हैं, वह मुद्दा भी इनके हाथ से छिन गया है। आज मुख्य मंत्री जी गरीब बहनों को मुफ्त में तीन सिलेंडर देंगे। क्योंकि जो

गरीब परिवार हैं उनके पास कम-से-कम एक सिलेंडर चार महीने तक चलता है और उनके पास तीन सिलेंडर होंगे तो वह साल तक चलेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि कांग्रेस के समय में तो सिलेंडर मिलते ही नहीं थे, लाइने लगी रहती थीं और हमारी माताएं और बहने चार-चार किलोमीटर पैदल चलती थी और शाम को फिर वापिस खाली हाथ आ जाती थीं

05.03.2022/1550/बी.एस./ए0जी0/-3

और कहा जाता था कि सिलेंडर खत्म हो गए हैं। लेकिन आज जो सिलेंडर मिल रहे हैं चाहे वह कमर्शियल सिलेंडर है, चाहे वह घरेलू सिलेंडर है, आज हर घर में गाड़ी जा रही है, हर घर में सिलेंडर जा रहा है। यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार की देन है।

माननीय अध्यक्ष जी स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो हमारे मित्र यहां पर बोल रहे थे कि कुछ नहीं किया, माननीय मुख्य मत्री जी ने कोरोना के समय भी बहुत अच्छा काम किया है। अनेकों ऑक्सीजन प्लांट इस दौरान सरकार ने लगाए हैं। पांच सौ जो नए डॉक्टर्ज की भर्ती करनी है, यह भी एक बहुत बच्छा कार्य किया जाना है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो दूरदराज के क्षेत्र हैं जिनमें घर द्वार स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एक मोबाइल क्लीनिक योजना आरंभ की है, यह भी एक बहुत सराहनीय कार्य मुख्य मंत्री जी ने किया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस बजट में 2,725 करोड़ रुपए का जो प्रावधान किया है यह भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत अच्छा कदम उठाया है। इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जो बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

05-03-2022/1555/ए.एस.-एन.जी. /1

श्री परमजीत सिंह..... जारी

अध्यक्ष महोदय, हिमकेयर योजना जो हिमाचल प्रदेश के अंदर पूरे देश में पहली योजना थी और माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस योजना को हर परिवार के लिए दिया। इस योजना का नवीनीकरण एक वर्ष के बाद जनवरी से लेकर मार्च माह तक होता था लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी ने अब उसे पूरे साल नवीनीकरण के लिए खुला छोड़ दिया है। कोई भी आदमी जब मर्जी हिमकेयर का कार्ड बना सकता है। यह भी एक सराहनीय कदम माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस बजट में उठाया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने बड़े स्तर पर गो-सदनों की स्थापना की है। बहुत सी ऐसी संस्थाएं जो गो-सदन चलती हैं उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। पिछले बजट में माननीय मुख्य मंत्री जी ने गोमाता के लिए 500 रुपये प्रति गाय देने की घोषणा की थी जोकि अभी लागू है। अब माननीय मुख्य मंत्री जी ने इसे बढ़ाकर 700 रुपये कर दिया है और हमारी ऐसी संस्थाएं जो गो-सदन चला रही हैं उन्हें इस बजट से बहुत फायदा मिलेगा। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। जो गोवंश सड़कों पर घूमता था ऐसे 20,000 गोवंश को हमारी सरकार ने गो-सदनों तक पहुंचाया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी व माननीय जल शक्ति मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं जिन्होंने 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत जनवरी-2022 तक 17 लाख 28 हजार ग्रामीण परिवारों में से 15 लाख 79 हजार परिवारों को पेयजल कनैक्शन प्रदान किए हैं। वर्ष 2022 के अंत तक सभी ग्रामीण परिवारों को पेयजल कनैक्शन देने का लक्ष्य रखा है

05-03-2022/1555/ए.एस.-एन.जी. /2

और इस पर 1,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इस बजट में माननीय मुख्य मंत्री जी की सरकार ने 12,769 नए मकान बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। इस बजट में 'मुख्य मंत्री आवास योजना' के अन्तर्गत 1,533 आवास, 'प्रधान मंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' के अन्तर्गत 1,262 आवास, 'प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी)' के अन्तर्गत 2,346 आवास और 'स्वर्ग जयन्ती आश्रय योजना' के अन्तर्गत शेष बचे सभी 7,628 आवास बनाने का लक्ष्य रखा है। माननीय मुख्य मंत्री जी का यह गरीबों के लिए बहुत बड़ा उपहार होगा। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग में 1,000 नए आंगनवाड़ी भवन बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। हमारे प्रदेश में कुल 18,925 आंगनवाड़ी केन्द्र हैं और उनमें से 2,138 आंगनवाड़ी केन्द्र ही विभाग के अपने भवनों में चल रहे हैं। अब अन्य केन्द्रों को भी अपने भवन मिलेंगे और इससे अंगनवाड़ी में काम करने वाली महिलाओं व बच्चों को बहुत फायदा होगा।

अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस बजट में चुने हुए सभी प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाया है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं को 1,700 रुपये की बढ़ौतरी के साथ अब 9,000 रुपये मासिक मानदेय मिलेगा, मिनि आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं को 900 रुपये मासिक बढ़ौतरी के साथ अब 6,100 रुपये मिलेंगे, आंगनवाड़ी सहायिका को प्रतिमाह 900 रुपये की बढ़ौतरी के साथ अब 4,700 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा, आशा वर्कर्ज़ को 1,825 रुपये की बढ़ौतरी के साथ 4,700 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा, सिलाई अध्यापिकाओं को 900 रुपये बढ़ौतरी के साथ 7,950 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे,

05-03-2022/1555/ए.एस.-एन.जी. /3

मिड-डे-मील वर्कर्ज़ को 900 रुपये बढ़ौतरी के साथ 3,500 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे, वाटर कैरियर (शिक्षा विभाग) को 900 रुपये बढ़ौतरी के साथ 3,900 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे, जल रक्षक को 900 रुपये बढ़ौतरी के साथ 4,500 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे, हाल ही में नियुक्त हुये जल शक्ति विभाग के Multi Purpose Workers को 900 रुपये बढ़ौतरी के साथ 3,900 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे, पैरा फिटर तथा पम्प ऑपरेटर को 900 रुपये बढ़ौतरी के साथ 5,500 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे और इसके अलावा दिहाड़ीदार मजदूरों के लिए भी 50 रुपये की बढ़ौतरी की गई है और अब उन्हें 350 रुपये प्रतिदिन दिहाड़ी मिलेगी। इससे मेरे क्षेत्र में जो लोग उद्योगों में काम कर रहे हैं उनको बहुत बड़ी मदद मिलेगी।

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

05.03.2022/1600/SS-AS/1

श्री परमजीत सिंह क्रमागत :

अब 350 रुपया जो दिहाड़ी मिलेगी उससे बहुत फायदा हमारे मजदूरों को मिलेगा। हमारे नौजवानों को फायदा मिलेगा जो इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं।

इसी तरह हर वर्ग में चाहे वे वार्ड मेम्बर, गांव के प्रधान, उप-प्रधान हैं; चाहे नगर परिषद् का अध्यक्ष है या नगर परिषद्, नगर पंचायत, नगर-निगम के सदस्य हैं; महापौर, उप-महापौर हैं; उन सब का मानदेय माननीय मुख्य मंत्री ने बढ़ाया है। इस बजट में मुख्य मंत्री जी ने समाज के हर वर्ग को खुश करने की कोशिश की है और उनका ख्याल रखा है।

कृषि के क्षेत्र में भी इस बजट में 583 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बहुत से क्षेत्रों में जहां पर मंडियां नहीं होती थीं वहां पर मंडियों की स्थापना की गई है। मैं अपने क्षेत्र की बात करूंगा कि पहले पंजाब-हरियाणा की मंडियों में हमारे लोग जाते थे लेकिन अब हमारे अपने क्षेत्रों में मंडियां हैं। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। शहरी

विकास के लिए 713 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। इसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। नाबार्ड में विधायक प्राथमिकता योजना में जो 150 करोड़ रुपया किया गया है और विधायक निधि 200 करोड़ रुपये और ऐच्छिक निधि 12 लाख रुपये की गई है उसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। कांग्रेस के समय में ऐच्छिक निधि 5 लाख रुपये होती थी। लेकिन माननीय मुख्य मंत्री के चार साल के शासनकाल में इसमें 7 लाख रुपये की बढ़ोतरी की गई है जोकि मुख्य मंत्री जी का बहुत ही सराहनीय कदम है। इसके लिए मैं इनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष जी, मैं अपने विपक्ष के मित्रों को बताना चाहता हूं कि डबल इंजन की सरकार का फर्क क्या है। कांग्रेस के पिछले पांच वर्षों के शासनकाल में 3200 करोड़ रुपये की लागत से 779 योजनाएं नाबार्ड से स्वीकृत करवाई गई थीं लेकिन हमारी सरकार के प्रथम चार वर्ष में ही 3452 करोड़ रुपये की लागत से 826 योजनाएं

05.03.2022/1600/SS-AS/2

स्वीकृत करवाई गई हैं। विपक्ष के लोगों को पता होना चाहिए कि डबल इंजन की सरकार यह काम करती है। विपक्ष के मित्र बोल रहे थे कि इस बजट में घबराहट व चिंताएं नज़र आ रही हैं लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि चिंताएं व घबराहट विपक्ष के लोगों को है क्योंकि जब नाबार्ड, विधायक निधि, ऐच्छिक निधि की बढ़ोतरी की गई तो ये बड़े खुश नज़र आ रहे थे लेकिन जब माननीय मुख्य मंत्री ने पेंशन के लिए 60 वर्ष आयु की और सिलेंडर देने की घोषणा की तो हमारे विपक्ष के मित्रों के चेहरे पर चिंता थी। हमारे विपक्ष के मित्रों के चेहरे पर निराशा झलक रही थी।

मैं तो अंत में यही कहूंगा कि ये चार साल सेवा और सिद्धि व समृद्धि के हैं। अब मैं विकास की बात करूंगा। नेगी जी बोल रहे थे कि 500 करोड़ रुपये का विकास कैसे हुआ तो मैं अपने दून विधान सभा क्षेत्र की बात करूंगा। मेरे विधान सभा क्षेत्र में पिछले चार साल में रिकॉर्ड तोड़ विकास हुआ है। अनेक हॉस्पिटल्ज की बिल्डिंग्ज बन रही हैं जिसका पहले आज तक फट्टा ही लगता गया। एक रोड बद्दी से लेकर साईं रामशहर है वह 175 करोड़

रुपये की लागत से बनने वाला है वह 31 मई को पूरा हो जाएगा। यह काम पिछले चार साल के अंदर हुआ है। पिंजौर-बद्दी-नालागढ़ फोरलेन की जो बात कर रहे थे, 731 करोड़ रुपया माननीय मुख्य मंत्री के आशीर्वाद व मेहनत से स्वीकृत हुआ है। उसका टेंडर लग गया है और काम शुरू हो गया है। रेलवे लाइन जो चंडीगढ़ से बद्दी के लिए थी, आज तक उसका सर्वे होता रहा लेकिन कभी फंड नहीं आया। उसका भी लैंड एक्विजिशन का काम लगभग पूरा हो चुका है। उसके लिए 400 करोड़ रुपया केन्द्र के बजट में आ चुका है। माननीय मुख्य मंत्री ने चार वर्ष के कार्यकाल में जो रिकॉर्ड तोड़ विकास किया है मैं कहता हूं कि पिछली सरकारों ने बहुत लम्बे समय तक राज किया लेकिन उसमें इतना काम नहीं हुआ। मैं अंत में एक शेर कहना चाहता हूं जोकि मुख्य मंत्री जी पर बिल्कुल फिट बैठता है :-

मेहनत इतनी खामोशी से करो
कि तुम्हारी कामयाबी शोर मचा दे

आज मुख्य मंत्री जी की कामयाबी शोर मचा रही है और हमारे विपक्ष के मित्रों की इसकी बहुत तकलीफ हो रही है।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

05.03.2022/1600/SS-AS/3

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह वर्मा जी भाग लेंगे। अंत में लखविन्द्र सिंह राणा जी बोलेंगे।

श्री बलबीर सिंह वर्मा (चौपाल) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट अनुमान इस माननीय सदन में प्रस्तुत किए हैं, आपने मुझे इस पर बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

जारी श्रीमती के0एस0

05.03.2022/1605/KS/DC/1

श्री बलबीर सिंह वर्मा जारी---

अध्यक्ष महोदय, पहले ऐसा लग रहा था कि विपक्ष के सारे भाई, माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने ऐसे कोरोना काल में जिसमें पूरा विश्व जूझा और हिन्दुस्तान भी उसी में जूझा और हिमाचल प्रदेश में भी कोरोना काल में दो साल से काफी काम डिस्टर्ब हुए, उसकी सभी विपक्ष के सदस्य तारीफ करेंगे कि मुख्य मंत्री महोदय ने उसके बावजूद भी इस तरह का बजट इस माननीय सदन में पेश किया। माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मानव जीवन में स्वास्थ्य सुविधाएं महत्वपूर्ण हैं। जिन्होंने 60 साल राज किया, उन्होंने हिमाचल प्रदेश में कितनी स्वास्थ्य सुविधाएं दीं वह आप सभी के सामने हैं। हिमाचल प्रदेश के अंदर दो ऑक्सीजन प्लांट थे और माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने इस चार साल के कार्यकाल में 48 नए प्लांट लाए यह बहुत ही काबिले तारीफ़ है। इसी तरह से 5000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर हिमाचल प्रदेश के अंदर मुख्य मंत्री जी ने इसी कोरोना काल में लाए। हिमाचल प्रदेश के अंदर पहले जितने भी बीमार होते थे, कैंसर व अन्य बहुत सी बीमारियों से पीड़ित होते थे, अपने इलाज के लिए गरीब लोग अधिकारी व प्रतिनिधियों के पास सुबह से शाम तक भटकते रहते थे परन्तु उनको कहीं से कोई सुविधा नहीं मिलती थी और शाम को जब घर जाते थे, एक ही बात सोचते थे कि अब हमें अपना खेत या जेवरात गिरवी रखने पड़ेंगे तभी हम अपना उपचार करवा सकते हैं। जिन्होंने इतने साल राज किया उन्होंने गरीब, वंचित, शोषित व बीमार लोगों के लिए कभी इस तरह की कोई योजना नहीं लाई। मुख्य मंत्री महोदय ने "हिम केयर" नाम की एक ऐसी योजना लाई जिससे हिमाचल प्रदेश के अंदर 2 लाख 40 हजार लोगों का इलाज हुआ। यह एक बहुत बड़ी संख्या है जिसको इस योजना के अंतर्गत कवर किया गया। हिमाचल प्रदेश सरकार ने इसमें 218 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जो काफी काबिले-तारीफ़ है। अध्यक्ष महोदय, मैं श्री जय राम ठाकुर जी के लिए कुछ शब्द इस योजना के बाद समर्पित करना चाहता हूंः-

05.03.2022/1605/KS/DC/2

डरना जिन्होंने सीखा नहीं, राम जिनके नाम में है,
लोगों की सेवा के लिए समर्पित, ईमानदारी, मेहनत जिनके काम में है,
विनम्र, सुशील, सभ्य, दयावान,
न जाने कितनी खूबियां हमारे ठाकुर जय राम में है।
(उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, देश के यशस्वी प्रधान मंत्री जी ने एक सूत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास दिया परन्तु एक गुप्त चीज़ प्रधान मंत्री जी ने भी और माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी अपने पास रखी है, इसके आगे इन्होंने इसमें एक और कार्रवाई की है। देशद्रोही और बेईमानों का विनाश भी इसी सूत्र में जूड़ा हुआ है। जो भी बेईमान और देशद्रोही हैं, उनके पतन के लिए प्रदेश के मुख्य मंत्री दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। किसी भी प्रतिनिधि और किसी भी सरकार का काम समाजसेवा और समाज में विकास करना है। समाज की सेवा के लिए आजादी से लेकर आज तक सारे आंकड़े इस माननीय सदन में उपस्थित हैं। जो हमारे वृद्ध लोग थे, विधवाएं थीं, अपंग लोग थे, जिन्होंने इस प्रदेश में 60 साल राज किया उन्होंने उनको आज तक कितनी पैंशन दी और आज माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने उनके लिए चार साल में कितनी पैंशन का प्रावधान किया, इस माननीय सदन में सारे आंकड़े हैं। यह बहुत ही काबिले तारीफ़ है। सबसे पहले पहली केबिनैट में माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने 80 वर्ष से 70 वर्ष की आयु बिना किसी आय सीमा के की जो कि इस बजट में मुख्य मंत्री जी ने 60 साल कर दी। वर्ष 2017-18 में जितनी भी वैल्फेयर की पैंशने हैं, उनमें 450 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान था और चार साल के अंदर ही वर्ष 2022-23 के बजट प्रावधान में 1300 करोड़ यानि चार गुना के करीब बढ़ाई है।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

श्री बलबीर सिंह वर्मा-----क्रमागत

प्रदेश के गरीब, वंचित लोगों की इतनी पैंशन पहले रही किसी भी पार्टी की सरकार ने नहीं बढ़ाई होगी। आप चाहे पूरे देश के सभी राज्यों के आंकड़े देख लें, आप पाएंगे कि किसी भी राज्य की सरकार ने इन गरीब व वंचित लोगों की इतनी ज्यादा पैंशन नहीं बढ़ाई होगी। हमारे माननीय मुख्य मंत्री ने प्रदेश में सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए इनकी इतनी ज्यादा पैंशन बढ़ाई है और यह काबिलेतारीफ है। यहां पर जब माननीय मुख्य मंत्री बजट पढ़ रहे थे और एम0एल0ए0 प्रायोरिटी में राशि को बढ़ाकर 135 करोड़ रुपये से 150 करोड़ रुपये करने की बात को कहा तो उस वक्त हमारे विपक्ष के सभी माननीय सदस्य धीमी-धीमी आवाज में टेबल थपथपा रहे थे। अगर हिसाब लगाया जाए तो यह राशि पिछले चार वर्षों में लगभग 50 प्रतिशत बढ़ी है। विधायक क्षेत्र विकास निधि 1.80 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये की गई। विधायक निधि वर्ष 2000 से शुरू हुई थी और अगर हिसाब लगाया जाए तो इसमें भी श्री जय राम ठाकुर जी ने लगभग 50 प्रतिशत तक की वृद्धि की है जोकि बहुत ही काबिलेतारीफ है। विधायक ऐच्छिक निधि 12लाख रुपये की गई है जो कि वर्ष 2017-18 में 5 लाख रुपये थी। यह तो डबल से भी ऊपर हो गई है। मेरे विपक्ष के सभी साथी इसको लेकर खुश तो हुए मगर जैसे अभी बजट पर हो रही चर्चा में बोल रहे हैं तो ऐसा लग रहा है कि सारा विकास कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में हुआ है और हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पिछले 4 वर्षों में कुछ नहीं किया। हमारी सरकार केवल सड़कों को खोदकर उसमें गड्ढे बनाने का काम करती रही और बिल्डिंग्ज को तोड़ती रही। यहां पर अभी एक बहुत वरिष्ठ सदस्य यूक्रेन के बारे में बोल रहे थे। मगर ये अपनी बात बोलते समय यह भूल गए कि कश्मीर के पंडितों के साथ हिन्दुस्तान में क्या हुआ था। यूक्रेन तो दूसरा देश है, उस पर हमारा कोई अधिकार नहीं है मगर फिर भी हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री वहां से सभी बच्चों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मगर सोचने वाली बात यह है कि हिन्दुस्तान में सिखों और कश्मीर के पंडितों के साथ क्या हुआ। हिन्दुस्तान में

इमरजैंसी लगी थी तो यहां पर नौजवानों के साथ जो हुआ था; वह सबको मालूम है। हर पार्टी की सरकार वोट के लिए कोई-न-कोई योजनाएं जरूर लाती है। प्रदेश में पहले भी कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की सरकारें रही हैं। परंतु किसी ने भी प्रदेश में गोवंश के बारे में नहीं सोचा। पहले जो पशु खुले सड़कों पर घूमते रहते थे और गाड़ी वाले उनको टक्कर मार कर चले जाते थे। हमारे किसानों-बागवानों की फसलें उन पशुओं के कारण नष्ट हो जाती थी, उसके बारे में पहले किसी ने नहीं सोचा था। पशु एक ऐसा जीव है जिसने सरकार को कोई नोट या वोट नहीं देना या जिसका सरकार या किसी पार्टी को कोई सपोर्ट नहीं होता; हमारे मुख्य मंत्री जी ने उस जीव के कल्याण के बारे में भी सोचा। हमारी सरकार ने पिछले चार वर्षों के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश के अंदर ऐसे खुले में घूमते हुए 20,000 पशुओं को इकट्ठा कर दिया है। हर जीव में एक आत्मा निवास करती है और उनकी दुआएं भी हमारे मुख्य मंत्री जी को लगेगी। मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश में 44 मोबाइल वेटरनरी एंबुलैंसिज चलानी शुरू की हैं। मानव के लिए सभी चलाते हैं मगर पशुओं के लिए यह सुविधा पहली बार शुरू की गई है। मुख्य मंत्री जी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए प्रदेश में 30,000 नौजवानों को नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। इस प्रदेश के अंदर माननीय मुख्य मंत्री ने गृहिणी सुविधा योजना लाई। इस प्रदेश में जिस एक पार्टी का कार्यकाल कई वर्षों तक रहा उन्होंने प्रदेश के गरीब व वंचित लोगों का कभी ध्यान नहीं रखा। हमारी माताओं और बहनों को पूरा दिन काम करने के बाद रात को चूल्हे पर खाना बनाना पड़ता था। खाना बनाते समय सारे-का-सारा धुआं उनकी आंखों और पेट में जाता है जिसके कारण कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न होती हैं। मगर पहले किसी भी सरकार ने इस बारे में नहीं सोचा था। हमारे माननीय मुख्य मंत्री ने गृहिणी सुविधा योजना के तहत प्रदेश में 3.23 लाख परिवारों को लाभ दिया है। इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए भी 70 करोड़ रुपये का बजट रखा है। अब इसमें पूर्व में लाभ न ले सकने वाले सभी गरीब, मज़दूर या वंचित लोग कवर हो जाएंगे।

टी सी द्वारा जारी

05/03/2022/1615/टी0सी0वी0/वाई0के0/1
श्री बलबीर सिंह वर्मा ... जारी

मेरे भाई बोल रहे थे कि सिलेंडर का रेट बहुत ज्यादा हो गया है लेकिन जब पिछली बार केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी तो सिलेंडर का रेट 1200 रुपये पहुंच गया था। जबकि हिमाचल प्रदेश में गरीब, वंचित और शोषित परिवारों को तीन मुफ्त सिलेंडर दिए जा रहे हैं। मुख्य मंत्री जी को इन सभी परिवारों का आशीर्वाद मिलेगा। मैं मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी के लिए कुछ शब्द समर्पित करना चाहता हूं :

सभी की जान बस्ती है इनमें, ये भी इन पर जान न्यौछावर करने वाले हैं,
बेहद दयालु है, ये गरीबों की झोली भरने वाले हैं।
जितनी भी मुश्किलें खड़ी कर दो, ये आगे बढ़ने वाले हैं,
जितना नीचे गिराओगे, ये उतना ही ऊपर चढ़ने वाले हैं।
कलियुग का राम है ये, सदा बुराई से लड़ने वाले हैं,
चाहे जितना जोर लगा लो, कोई भी फ़र्क नहीं पड़ने वाले हैं,
ये शेर न कभी डरा है और न कभी डरने वाले हैं।

हिमाचल प्रदेश में मुख्य मंत्री जी ने एक और योजना लाई है। हमारे जो गरीब परिवार के लोग हैं, जो एक महीने का बिजली का बिल नहीं दे पाते थे। मुख्य मंत्री जी ने सभी के लिए 60 यूनिट तक बिजली फ्री की है। इससे 11-12 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। जो गरीब, दिहाड़ीदार लोग हैं, वे बिजली बहुत कम प्रयोग करते हैं और उनका गुजारा 60 यूनिट से ही हो जाएगा। इसके अलावा 61 से 125 यूनिट तक एक रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिल आएगा और इससे लगभग 7 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। किसानों के लिए मुख्य मंत्री जी ने बिजली 50 पैसे से 30 पैसे प्रति यूनिट की है। यह भी बहुत ही काबिले तारीफ है। मुख्य मंत्री महोदय ने "मुख्य मंत्री रोशनी योजना" हिमाचल प्रदेश के अंदर लाई है। जहां पहले बिजली विभाग वाले एक मीटर लगाने के लिए 10-12 हजार रुपये का बिल देते थे मुख्य मंत्री महोदय ने उससे निजात दिलाई है। गरीब परिवार को ' मुख्य मंत्री रोशनी

योजना' तहत 12,765 परिवारों के बिजली के मीटर मुफ्त में लगे हैं। हमारे विपक्ष के माननीय सदस्य कह रहे थे कि 'जल जीवन मिशन' के

05/03/2022/1615/टी0सी0वी0/वाई0के0/2

तहत 2-3 विधान सभा चुनाव क्षेत्र में ही काम हुआ है। मेरे चौपाल निर्वाचन क्षेत्र में आजादी से लेकर आज तक 25 प्रतिशत बजट भी 70-72 सालों में नहीं आया होगा जितना मुझे जल जीवन मिशन के तहत मिला है। मेरे चुनाव क्षेत्र को एक अरब इक्कीस करोड़ रुपया मिला है। जल जीवन मिशन के तहत पूरे प्रदेश को पैसा मिला है। मेरे क्षेत्र में इससे पानी की 16 लिफ्टें लगाई जा रही है और जब ये सभी लिफ्टें तैयार हो जाएंगी तो पानी की कोई दिक्कत नहीं रहेगी। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में लगभग 7 लाख नलके लगे हुए थे लेकिन 8.35 लाख नलके इस सरकार के समय में लगे हैं। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री और जल शक्ति मंत्री जी का दिल की गहराइयों से धन्यवाद करता हूं। हिमाचल प्रदेश के अंदर 39000 किलोमीटर सड़कें हैं और इनमें से 32000 किलामीटर सड़कें पक्की हैं। मैं इस माननीय सदन में अपने आप को बहुत ही गौरवान्वित समझ रहा हूं कि मेरा चुनाव क्षेत्र सड़कों के मामले में हिमाचल प्रदेश में नम्बर-। पर है। मेरे चुनाव क्षेत्र में 1300 किलोमीटर सड़कें हैं। इसके अलावा मेरे चुनाव क्षेत्र में 135 किलोमीटर सड़कें अंडर कंस्ट्रक्शन हैं

एन0एस0 द्वारा जारी .....

05-03-2022/1620/NS/HK/1

श्री बलबीर सिंह वर्मा .....जारी

जोकि आने वाले 5-6 महीनों में तैयार होने वाली हैं और जनता को समर्पित होंगी। मैं इसके लिए मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। ये सड़कें पी0एम0जी0एस0वाई0 और नाबार्ड की हैं। हमारी बसें दूरदराज़ के क्षेत्र जैसे उत्तरांचल आदि में चलती हैं। मेरे क्षेत्र की किरण और टेल्लर पंचायतें भी कवर हो रही हैं। नेशनल हाइवे गुम्मा-फिड़कपुल है। मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी का दिल की गहराई से धन्यवाद करता हूं। ये नेशनल हाइवे पहले पीछे ही बंद कर दिया गया था और मेरे चुनाव क्षेत्र को टच ही नहीं कर रहा था। इसके लिए मैं,

मुख्य मंत्री जी से मिला और इन्होंने केंद्र सरकार से मैटर टेक ओवर किया तथा इनके आशीर्वाद से लगभग 400 करोड़ रुपये की राशि मेरे चुनाव क्षेत्र को मिली। मैं कुछ दिन पहले गुम्मा-फिड़कपुल गया और वहां पर डबल लेन का काम बहुत तेजी से चला हुआ है। मेरे चुनाव क्षेत्र में इतना बड़ा पुल पहली बार बन रहा है और नेशनल हाइवे लगभग चार महीनों में कंप्लीट होने वाला है। वहां पर नेशनल हाइवे वाले बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, किसानों और बागवानों के लिए मुख्य मंत्री जी ने बहुत सारी योजनाएं लाई हैं। हिमाचल प्रदेश में सेब का उत्पादन सबसे ज्यादा 5 विधान सभा क्षेत्रों में होता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि हमें पहले सेब का जूस बनाने के लिए परवाणू जाने पड़ता था। जिन्होंने प्रदेश में 60 साल राज किया उन्होंने इस तरफ ध्यान ही नहीं दिया कि इसकी ट्रांसपोर्टेशन में कितना खर्च हो रहा है? सेब का जूस सस्ता था और ट्रांसपोर्टेशन महंगी थी। मैं, मुख्य मंत्री जी का दिल की गहराईयों से धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने पराला मंडी में 91 करोड़ रुपये से फाउंडेशन स्टोन रखा और यह छः महीने में बन कर तैयार हो रहा है। यह फूड प्रोसैंसिंग यूनिट 91 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा है जिसका सबसे ज्यादा फायदा जुब्बल-कोटखाई, ठियोग, चौपाल और रोहड़ू क्षेत्र को हो रहा है। यह बहुत बड़ा प्रोजेक्ट हमें मिला है। सेब उत्पादक क्षेत्र के लिए यह सबसे बड़ा कार्य हुआ है और इसके लिए मैं, मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, बागवानी क्षेत्र में लघु सिंचाई योजना के लिए भी लगभग 198 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह बहुत ही काबिले तारीफ़ है। यहां पर नेता प्रतिपक्ष बहुत सारी बातें बोल रहे थे। ऐसा लग रहा था कि ये पहली बार इस विधान सभा में सदस्य बने हैं। जब सत्ता में थे और मंत्री थे तो उस समय हिमाचल प्रदेश पहला राज्य था जिसने पेंशन सबसे पहले बंद की थी और उस समय नेता प्रतिपक्ष भी विधायक थे। इन्होंने

05-03-2022/1620/NS/HK/2

उसके बाद से वर्ष 2017 तक एक बार भी सरकार में रहते हुए आवाज़ नहीं उठाई और अब इनको उनकी बहुत दर्द लगने लगी है। पिछली सरकार में, मैं सभी माननीय सदस्यों के साथ विधायक रहा हूं। पिछली सरकार में एक ही काम होता था और तत्कालीन मुख्य मंत्री उस काम को करवाना नहीं चाहते थे लेकिन विपक्ष के नेता और विधायक एक ही जोर डालते थे कि विधायकों की सैलरी और पेंशन बढ़ाओ। विधायकों की सैलरी और

पेंशन बढ़ाने से आज सबकी नज़रें विधायकों के ऊपर हो गईं। अगर इन्होंने ऐसा उस समय नहीं किया होता तो आज किसी की भी नज़रें विधायकों के ऊपर नहीं होतीं और न ही इतना ज्यादा शोर होता। उस समय इन्होंने इस बात की तरफ ध्यान ही नहीं दिया।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, वाइंड अप करें।

श्री बलबीर सिंह वर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि

वाह कांग्रेसियो तुम्हारा तो अंदाज ही निराला है, जनता का कोई ख्याल नहीं,

सिर्फ अपने परिवार और अपने रिश्तेदारों को पाला है।

भ्रष्टाचार से तुम्हारा नाता है, देश पर खूब डाका डाला है।

तुम्हारे कर्मों का फल तुम्हें मिल गया, देश में तुम्हारे कर्मों का फल तुम्हें मिल गया, क्योंकि भगवान सबको देखने वाला है।

दुनिया में अब पहचान हुई, जबसे मोदी जी ने देश संभाला है।

हर तरफ अब भाजपा है कांग्रेसियों के हाथ में जीजा और माला है।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

05.03.2022/1625/RKS/वाई के-1

श्री बलबीर सिंह वर्मा.... जारी

धारा-370 हटाई, अलगाववादियों को खामोश करवाया है,
सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तानियों को खूब धमकाया है।
बन रहा है भव्य राम मंदिर, हर हिन्दू का मान बढ़ाया है,
खत्म किया है तीन तलाक, मुस्लिम महिला को उसका हक दिलाया है।
जन धन योजना से हर गरीब का बैंक में खाता खुलवाया है,
आयुष्मान, हिम केयर से सभी का मुफ्त इलाज़ करवाया है।
गृहिणी सुविधा योजना से हर रसोई को धुआं मुक्त बनाया है,

कांग्रेस ने तो लूटा था देश को मगर हमने भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाया है।
किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को खुशहाल बनाया है,
तुमने तो कोयला भी नहीं छोड़ा मगर हमने सिर्फ और सिर्फ विकास करवाया है।

उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है इसमें वंचित, शोषित, दलित और गरीब व्यक्तियों का ख्याल रखा गया है। माननीय मुख्य मत्री ने नगर निगम, नगर परिषद्, नगर पंचायत और पंचायत के सभी चुने हुए प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाया है। प्रदेश के सभी कर्मचारियों चाहे वे एस.एम.सी. के माध्यम से लगे हों या फिर वर्ग के कर्मचारी हों, सबका मानदेय बढ़ाया गया है। मैं इस बजट का पुरजोर समर्थन करता हूं और इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?

05.03.2022/1625/RKS/वाई के-2

<u>व्यवस्था का प्रश्न</u>

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : उपाध्यक्ष महोदय, सत्तापक्ष के अधिकतर सदस्य सदन में उपस्थित नहीं हैं। अगर विपक्ष के लोग बाहर चले जाएं तो कोरम पूरा नहीं होगा और विधान सभा की कार्रवाई का कोई फ़ायदा नहीं रहेगा। कम-से-कम मंत्री तो इस कार्रवाई के लिए गंभीर होने चाहिए लेकिन उनकी गंभीरता इसी बात से नज़र आती है कि वे सदन में उपस्थित नहीं हैं।

उपाध्यक्ष : मेरा सत्तापक्ष के सदस्यों से आग्रह है कि वे सदन का शिष्टाचार बनाए रखें। अब माननीय सदस्य श्री लखविन्द्र सिंह राणा इस चर्चा में भाग लेंगे।

श्री लखविन्द्र सिंह राणा : उपाध्यक्ष महोदय, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए जो माननीय मुख्य मंत्री जी ने बजट अनुमान प्रस्तुत किए हैं, इसमें चर्चा में भाग लेने के लिए मैं खड़ा

हुआ हूं, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद। विपक्ष के साथी इस तरह का वातावरण बना रहे हैं कि जो कुछ भी किया है वह सब भारतीय जनता पार्टी ने किया है।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

05.03.2022/1630/बी.एस./वाई0के0/-1

श्री लखविन्द्र सिंह राणा जारी...

बाकी इससे पहले जो भी मुख्य मंत्री रहे, उनकी भूमिका प्रदेश के विकास कार्यों में नहीं रही है। लेकिन जो सच्चाई है उसे माननीय सदस्यों को मानना चाहिए। मैं कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के मुख्य मंत्री रहे हों, चाहे कांग्रेस पार्टी के मुख्य मंत्री रहे हों, जो भी इस मान्य सदन के नेता रहे हैं, सबने अपने-अपने समय में विकास के लिए काम किए हैं। यहां पर चर्चा हुई कि कोविड से निपटने के लिए सरकार ने बहुत काम किया है और उसकी प्रशंसा भी हुई। लेकिन प्रथम दौर को यदि याद किया जाए तो हमें आज भी डर लगता है, कितने ही लोगों की जिंदगियां चली गई थीं। उस वक्त लोग अस्पतालों में जाते थे तो डरते थे और अस्पतालों में जो लोगों के साथ बर्ताव होता था वह किसी से छुपा नहीं है। पहले दौर में हिमाचल प्रदेश के लोगों ने हजारों में अपनी जानें गवाई हैं। अभी थोड़ा जरूर फर्क पड़ा है, इस बीमारी के कारण लोगों के परिवार खत्म हो गए हैं। अगर आज हम कहें कि कोविड को ले करके हमने बहुत काम किया है तो जो सच्चाई है उसे छुपाया नहीं जा सकता है। कोविड से हम भी ग्रस्त हुए, कई हमारे साथी ग्रस्त हुए और कई माननीय मंत्री भी ग्रस्त हुए। आदरणीय महेन्द्र सिंह जी यहां पर नहीं है, इनको कोविड हुआ था और ये आई0जी0एम0सी0 में दाखिल हुए थे। यदि वहां पर व्यवस्था ठीक होती तो शायद मंत्री जी घर की बजाय अस्पताल में अपना इलाज करवाना अच्छा समझते और वे तीन दिन के बाद

घर वापिस नहीं आते। कोविड के दौरान जो स्टाफ नर्सें थीं, क्लास-4 वर्कर्ज थे, पैरामैडिकल स्टाफ था और जो हमारे कर्मचारी कोविड में ड्यूटी कर रहे थे उनका काफी योगदान रहा है। हमारे नालागढ़ हलका से लोग गुवाहाटी, कोलकात्ता और कर्नाटक मजदूरी करने के लिए गए थे, परंतु जब कोविड की अफरातफरी हुई तो उन लोगों के लिए आने के लिए कोई व्यवस्था नहीं हुई। वे अपने स्तर पर पैदल चल कर या ट्रकों में बैठ करके आए। उस वक्त जब लोग यहां पर पहुंचे तो यहां पर जो कोविड सैंटर बनाए गए थे उनमें एक-एक कमरे में 100-100 आदमियों को ठहराया गया था और उनके लिए शौचालयों की भी व्यवस्था नहीं की गई थी। एक ही शौचालय को वे सब इस्तेमाल कर

05.03.2022/1630/बी.एस./वाई0के0/-2

रहे थे। लोगों को पेट भर करके खाना नहीं मिलता था, चाय, पानी कुछ नहीं मिलता था। अगर वहां पर कोई ज्यादा बोलता था तो उन्हें कहा जाता था कि अगर आप ज्यादा बोलेंगे तो आपके विरुद्ध केस दर्ज कर दिया जाएगा। लेकिन उसके बाद समय बीतता चला गया और उसके बाद कोविड में थोड़ा नियंत्रण हुआ। यहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं घर द्वार उपलब्ध करवाने हेतु मुख्य मंत्री मोबाइल क्लीनिक एम0सी0-3 योजना की घोषणा यहां पर की गई है और कहा गया कि यह क्लीनिक हर विधान सभा चुनाव क्षेत्र में जाएगा। यहां पर कहा गया कि महामारी से पहले प्रदेश में दो ऑक्सीजन प्लांट थे और अब 48 हो गए हैं। लेकिन अब भी अस्पतालों की जो स्थिति है वह चिंताजनक है। हमारे मंत्री जी यहां पर बैठे हैं, मैंने नालागढ़ की बात इनसे की है कि वहां पर एक इंडस्ट्रियल हब है। कम-से कम वहां पर 4-5 लाख लोग रहते हैं। वहां पर डॉक्टर्ज की जो संख्या है वह बहुत कम है और हर बार हम सत्र में डॉक्टर्ज की मांग करते हैं। 100 बैड्स के लिए वहां पर 16 डॉक्टर्ज की आवश्कता है। अभी वहां पर केवल नौ डॉक्टर्ज हैं।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

05-03-2022/1635/ए.जी.-एन.जी. /1

श्री लखविन्द्र सिंह राणा ..... जारी

जैसा कि यहां पर कहा गया कि 500 डॉक्टर्ज़ की भर्ती करने जा रहे हैं और मुझे आशा है कि माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी हमारे क्षेत्र में डॉक्टर्ज़ की संख्या को पूरी करेंगे। वहां पर लोगों को अपनी बारी का इंतज़ार करने के लिए काफी लम्बी-लम्बी लाइनें लगानी पड़ती हैं और 2-2 घण्टे खड़े रहना पड़ता है। मैं अपने हल्के की बात कर रहा हूं कि हमारे क्षेत्र में जो पी.एच.सीज़ हैं पहले उनमें दो-दो डॉक्टर्ज़ होते थे। लेकिन अब उनकी संख्या घटाकर एक कर दी गई है। मैं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि जहां पर ओ.पी.डी. ज्यादा हैं वहां पर नई भर्तियों के बाद पहले की तरह दो-दो डॉक्टर्ज़ की व्यवस्था की जाए। इसी प्रकार मेरे विधान सभा क्षेत्र में पी.एच.सी. कालीबाड़ी है जो नालागढ़ ब्लॉक में पड़ती है और उसका भवन भी अभी तक नहीं बन पाया है। पहले वहां पर लैंड नहीं थी लेकिन अब हमने उस पी.एच.सी. के नाम लैंड ट्रांसफर करवा दी है। मैं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि इस पी.एच.सी. के भवन निर्माण के लिए पैसा स्वीकृत किया जाए ताकि वह अपने भवन में चल सके। इसी प्रकार मेरे क्षेत्र में आयुर्वेदिक अस्पताल, नालागढ़ है और वहां पर अभी केवल 2-3 डॉक्टर्ज़ ही हैं लेकिन वहां पर मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा है। मैं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि वहां पर आयुर्वेदिक डॉक्टर्ज़ की संख्या को बढ़ाया जाए।

इस बजट में अपराध का पता लगाने और इसकी रोकथाम के उद्देश्य से प्रत्येक जिला मुख्यालय में कमांड-एण्ड-कंट्रोल सेंटर (CCC) की स्थापना करने की घोषणा की गई है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि इसके लिए 7 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। यदि मैं बी.बी.एन.डी. की बात करूं तो वहां पर कानून व्यवस्था की हालत बहुत खराब है। .

05-03-2022/1635/ए.जी.-एन.जी. /2

वहां पर चौरी, डकैती, अफीम, भूक्की, चिट्टा, मैडिकल नशा और शराब सरेआम बिक रहे हैं। वहां पर पुलिस कोशिश तो करती है लेकिन वहां पर पुलिस बल बहुत कम है। वहां पर अतिरिक्त पुलिस बल की आवश्यकता है। बी.बी.एन.डी. बहुत बड़ा क्षेत्र है और वहां पर बाहर के बहुत सारे लोग काम करते हैं। हम चाहते हैं कि वहां पर अतिरिक्त पुलिस बल को भेजा जाए। मैं कहना चाहता हूं कि चिट्टे के नशे में बहुत लोग जा रहे हैं और मेरी सरकार से गुजारिश है कि इसके लिए सख्त कदम उठाए जाएं। हमारे नालागढ़ के गुज्जर हट्टी में अवैध शराब का एक कारखाना पकड़ा गया है। वह बहुत लम्बे समय से चल रहा था लेकिन उसके बारे में किसी को कुछ पता नहीं चला। उस कारखाने के कुछ दोषियों को पकड़ा गया है लेकिन कुछ अब भी फरार हैं। मैं इस माननीय सदन के माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि वहां पर जो दोषी पकड़े गए हैं या जो वहां पर अवैध रूप से शराब बेच रहे थे, जिनसे कईं जिंदगियां तबाह हुई हैं, कईं लोग मरे हैं, उनमें से किसी को भी नहीं छोड़ा जाना चाहिए और उन लोगों के ख़िलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

इसी प्रकार इस बजट में इलैक्ट्रिक बसों के बारे में कहा गया है। लेकिन मैं अपने नालागढ़ के बारे में ही बात करना चाहता हूं कि वहां पर अभी 108 बसें हैं जिनमें से 26 ख़राब हैं। वहां पर हर रोज रूट फेल होते हैं। वहां पर अतिरिक्त बसों की आवश्यकता है। इसी प्रकार वहां पर ड्राइवरों की संख्या 120 है जबकि 40 ड्राइवर कम हैं। वहां पर परिचालकों की संख्या 129 हैं जबकि 30 परिचालक कम हैं। वहां मकैनिकल स्टाफ केवल 30 है जबकि 50 मकैनिकल स्टाफ कम है। ट्रांसपोर्ट ने एक 0.94 का शैड्यूल बना रखा है उसके हिसाब से वहां पर हमें 100 मकैनिक चाहिएं। मेरा सरकार से आग्रह है कि इस ओर भी ध्यान दिया जाए। मैं कहना चाहता हूं कि हमारे नालागढ़ के बस अड्डे के लिए हमने, स्वर्गीय श्री जी.एस. बाली जी जब परिवहन मंत्री हुआ करते थे, तब उनके पास यह मांग रखी थी। उन्होंने उसका शिलान्यास किया और आज वह बस अड्डा बन कर तैयार हो गया है लेकिन अभी तक उसका उद्घाटन नहीं हो रहा है और लोगों को दिक्कत हो रही है। हम चाहते हैं कि जल्दी से उसका उद्घाटन किया जाए ताकि लोगों को आने-जाने के लिए

उसकी सुविधा प्राप्त हो सके। इसी प्रकार बस स्टैंड के पास वहां पर कुछ दुकानें बनी हैं अभी विभाग ने

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

05.03.2022/1640/SS-AG/1

श्री लखविन्द्र सिंह राणा क्रमागत :

इसी तरह हमने देखा कि बस-स्टैंड के पास कुछ दुकानें बनी हैं। अभी विभाग ने कुछ वहां पर बोली की। लेकिन कई बार बोली कर देते हैं और कई बार कैंसल कर देते हैं। वहां पर मनमाने तरीके से काम चल रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि उसमें इंटरवीन किया जाए। उसमें पारदर्शिता से बोली करके जो पात्र व्यक्ति हैं उनको दुकानें मिलनी चाहिएं।

इसी तरह से हमारे वैटरिनरी फार्मासिस्टों को पंजाब राज्य की तर्ज पर वैटरिनरी इंस्पैक्टर बनाने पर सरकार द्वारा विचार किया जाना चाहिए क्योंकि सी0एम0 साहब ने फार्मासिस्ट सेमीनार सुन्दरनगर में 10 जून, 2019 को इस संदर्भ में घोषणा भी की थी। वर्तमान में सरकार की अनुबंध नीति 2 वर्ष की है जबकि पंचायत पशु चिकित्सा सहायक साढ़े तीन वर्ष का अनुबंध कार्यकाल पूरा कर चुके हैं लेकिन अभी तक वे पक्के नहीं हुए। सरकार को इनकी तरफ ध्यान देना चाहिए।

इसी तरह से जो हमारे पी0टी0ए0 के गैर-शिक्षक हैं वे लोकल फंड पर कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों के लिए कोई ठोस नीति बनाई जानी चाहिए। इसी तरह अगर हम उद्योग नीति की चर्चा करें तो मैं उद्योग मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में तीन सीमेंट प्लांट हैं। अल्ट्राटैक सीमेंट प्लांट, अम्बुजा सीमेंट प्लांट और तीसरा ए0सी0सी0 सीमेंट प्लांट है। लेकिन बड़े दुख की बात है कि जो इन फैक्टरीज में सीमेंट बनता है हमारे लोकल क्षेत्र में महंगा बिकता है और दो-तीन किलोमीटर की दूरी पर पड़ोस में सस्ता बिकता है। उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री व उद्योग मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि हमारे हिमाचल के लोग इन फैक्टरीज का प्रदूषण झेल रहे हैं लेकिन हमारे को सीमेंट महंगा और पंजाब में सस्ता बिकता है। इसकी वैरिएशन को कम किया जाना चाहिए और हिमाचल के लोगों को सस्ता सीमेंट मिलना चाहिए। दूसरा जो अल्ट्राटैक सीमेंट प्लांट

बघेरी में लगा है इस फैक्टरी के गेट के सामने 500 मीटर बाएं और 500 मीटर दाएं सड़क की बहुत हालत खराब है जबकि यह सड़क बहुत महत्वपूर्ण है। यह सड़क नालागढ़ से कीरतपुर (पंजाब) के लिए जाती है। हमने अल्ट्राटैक सीमेंट प्लांट के अधिकारियों को कई बार कहा है कि यह सड़क ठीक होनी चाहिए लेकिन अभी तक सड़क ठीक नहीं हो पा रही।

05.03.2022/1640/SS-AG/2

इसी तरह से जो हमारा बी0डी0ओ0 ऑफिस है इसमें लगभग 77 पंचायतें पड़ती हैं जिसमें दून, अर्की व नालागढ़ का भी एरिया पड़ता है। हम चाहते हैं कि जो ऊपर की पंचायतें पड़ती हैं उनको काट कर बी0डी0ओ0 ऑफिस रामशहर में बनना चाहिए क्योंकि रामशहर में कॉलेज, तहसील हैडक्वार्टर और सी0एच0सी0 भी है। हमारे अर्की, दून और नालागढ़ की जो पंचायतें हैं अगर इनके लिए बी0डी0ओ0 ऑफिस होगा तो मुझे लगता है कि विकास के कामों में तीव्रता आ सकती है।

इसी तरह हमने देखा कि जो अग्निशमन केन्द्र है वह सिर्फ नालागढ़ में है लेकिन उसके बाद कोई विस्तार नहीं हुआ। नालागढ़ बहुत दूर पड़ता है। बहुत-सा जो हमारा पहाड़ी क्षेत्र है, रामशहर की जो हमारी तहसील पड़ती है अगर वहां पर एक फायर स्टेशन खुलता है तो जब गर्मियों में जंगलों में आग लगती है, लोगों के रिहायशी घरों में आग लगती है, जब तक नालागढ़ से अग्निशमन की गाड़ी पहुंचती है तब तक वहां बहुत तहस-नहस हो चुका होता है। इसलिए हमारी मांग है कि रामशहर में भी एक फायर स्टेशन खोला जाए।

इसी तरह अगर हम नालागढ़ पी0डब्ल्यू0डी0 डिवीजन की बात करें तो यहां पर पी0डब्ल्यू0डी0 के लिए काफी पैसे की घोषणा की गई है। लेकिन अगर मैं अपने डिवीजन की बात करता हूं तो वहां कोई हैड ड्राफ्टमैन नहीं है और न ही ड्राफ्टमैन है तथा न ही वहां पर कोई जूनियर ड्राफ्टमैन है। सर्वेयर की चार पोस्टें हैं लेकिन वहां पर केवल एक ही पोस्ट भरी हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हमारे डिवीजन की ओर खास ध्यान रखा जाना चाहिए ताकि खाली पोस्टों को भरा जाए तभी आगे काम हो सकता है। इसी तरह से वहां पर जे0सी0बी0 तीन, बुलडोजर दो, रोलर तीन, ट्रक एक और टिपर तीन हैं जबकि यहां पर मशीनरी दुगुनी होनी चाहिए। हमारा नालागढ़ का डिवीजन दून चुनाव क्षेत्र को भी कवर करता है और अर्की को भी देखता है।

जारी श्रीमती के0एस0

05.03.2022/1645/KS/AS/1

श्री लखविन्द्र सिंह राणा जारी---

ऐसे हालात को देखते हुए वहां पर मशीनरी और खाली पद को भरा जाना चाहिए। इसी तरह से हमारी जो पंचायत की सड़कें हैं, मेरे चुनाव क्षेत्र में 47 पंचायतें हैं, उनमें 18 पंचायतें पहाड़ी क्षेत्र की हैं। जब बरसात होती है तो उनका रास्ता बिल्कुल बंद हो जाता है। जब हम पी.डब्ल्यू.डी. वालों को कहते हैं तो वे कहते हैं कि ये सड़के हमारे विभाग के अधीन नहीं हैं। उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि जो पंचायत के रोड़ हैं, जो काफी लम्बे हैं, जो पी.डब्ल्यू.डी. में आ सकते हैं उनको पी.डब्ल्यू.डी. के अधीन किया जाना चाहिए ताकि जब बरसात होती है तो बरसात में लोगों की सब्जी, टमाटर, खीरा आदि ले जाने में कोई दिक्कत न आए। जब कोई आदमी बीमार होता है तो वह अपना उपचार करवाने के लिए अस्पताल नहीं पहुंच सकता तथा वहां के लोग तहसील हैड क्वार्टर और कोर्ट में अपना काम करवाने के लिए नहीं पहुंच सकते। इसलिए पंचायत की सड़कों को पी.डब्ल्यू.डी. के अधीन किया जाना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, नालागढ़ में इंडस्ट्रियल हब है। भारी संख्या में वहां उद्योग हैं। बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ के नाम से वहां पर बी.बी.एन.डी. बना हुआ है लेकिन बड़ी हैरानी की बात है कि वहां पर हजारों की तादाद में उद्योग हैं। सरकार ने कानून बनाया है कि 70 परसेंट रोज़गार हिमाचल के युवाओं को उनमें मिलना चाहिए लेकिन अगर आप 12 जिलों में देखें मुझे नहीं लगता कि 30 परसेंट रोज़गार भी उनके युवाओं को इन उद्योगों में मिला है। मैंने प्लानिंग की मीटिंग में भी और विधान सभा में भी एक प्रश्न लगाया था कि आप विधान सभा से एक कमेटी का गठन करें, विधायकों की कमेटी बनाएं जो वहां जा कर चैक करे कि क्या 70 परसेंट के कानून को ये फैक्ट्रियां obey कर

05.03.2022/1645/KS/AS/2

रही हैं। अगर नहीं कर रही हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उपाध्यक्ष जी, हकीकत यह है कि वहां पर हमारे लोगों को रोज़गार नहीं दिया जा रहा है।उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर शिक्षा नीति के बारे में कहा गया। दो साल से तो बच्चों की हालत बहुत खराब है। उनको जो आता था दो साल में बेचारे वह भी भूल गए हैं। अभी कोरोना की स्थिति नॉर्मल हो रही है। लगता है कि अभी बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से चलेगी। मेरे हलके नालागढ़ में, जब से सरकार बनी है वहां पर न तो कोई प्राइमरी स्कूल खुला, न मिडल और न ही सीनियर सैकण्डरी स्कूल खुला। जब हमारी पिछली सरकार थी, राज वीरभद्र सिंह जी जब मुख्य मंत्री थे, मेरे हलके में चार कॉलेज खुले थे जो आज भी चल रहे हैं। कई प्लस टू स्कूल खुले थे, कई तहसीलें खुली थीं, कई आई.टी.आई. खुली थीं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि हमारे यहां चंगर क्षेत्र पड़ता है जो कि बहुत बड़ा क्षेत्र है। इसमें लगभग 20 पंचायतें पड़ती हैं और 60 हजार के करीब आबादी है। वहां के बच्चों को 35-40 किलोमीटर दूर नालागढ़ डिग्री कॉलेज में बसों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाना पड़ता है। मेरी प्रार्थना है कि हमारे चंगर क्षेत्र में एक डिग्री कॉलेज खोला जाना चाहिए। उपाध्यक्ष जी, हमारे एक ग्राम पंचायत कश्मीरपुर पड़ती है। वहां पर 20 बीघा जमीन शिक्षा विभाग के नाम है। हम चाहते हैं कि वहां पर एक कॉलेज खोला जाए ताकि बच्चों को सहूलियत हो सके। इसी तरह अगर हम खनन की बात करें तो खनन पर भी कोई ठोस नीति बननी चाहिए। नालागढ़ में एक ही व्यक्ति जो बहुत लम्बे समय से, जब से सरकार बनी हुई है, सरकार का पूरा लाभ उठा रहा है। हम उसको हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा खनन माफिया कह सकते हैं। 80-80 टन के टिप्पर, हाईवा उनके चलते हैं। सड़कें तोड़ दी गई हैं लेकिन उनको कोई रोकने वाला नहीं है, कोई उनका चालान नहीं करता। अगर कोई गरीब आदमी, जमींदार, किसान अपना ट्रैक्टर ले कर अपने घर के लिए रेत, बजरी या पत्थर ले कर आता है तो उसको 25-25 हजार रुपये जुर्माना हो जाता है। उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से उद्योग मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि ऐसा कानून बनना चाहिए कि जो ट्रैक्टर वाले गरीब लोग हैं, जिनकी रोज़ी रोटी ही वह है और जो अपने बच्चों का पालन-पोषण उस ट्रैक्टर के माध्यम से ही करते हैं, उनको एम-फॉर्म इशू

किया जाना चाहिए ताकि उनको रोका नहीं जाए, उनके चालान न हो और वैध रूप से वे खनन कर सके।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

05-03-2022/1650/av/dc/1

श्री लखविन्द्र सिंह राणा क्रमागत

इसी तरह यहां बजट में हमारे पुलिस विभाग, होम गार्ड, अग्निशमन इत्यादि कर्मियों के लिए भी कुछ नहीं दिया। पुलिस वालों का राशन भत्ता 210 रुपये निर्धारित है और ये दिन-रात ड्यूटी देते हैं। मुझे नहीं मालूम कि यह गलती से रह गया क्योंकि बाकियों के तो सभी के भत्तों या मानदेय में बढ़ोतरी की गई है। अतः हम चाहेंगे कि पुलिस वालों के इस भत्ते को भी बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्य मंत्री जी से अपनी समस्याओं को लेकर कई बार होम गार्ड के लोग भी मिले हैं, अतः उनकी समस्याओं का भी अवश्य ध्यान रखा जाना चाहिए। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के कुछ स्कूलों के बारे में भी बोलना चाहूंगा जोकि अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में हैं। मैं मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि राजकीय उच्च पाठशाला मलैहणी, पुरला, गुनाहा और चढ़ोग का दर्जा बढ़ाकर इनको राज्यकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला किया जाए। ये सारे स्कूल पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित हैं और बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए काफी लंबी दूरी तय करके जंगल के रास्तों से जाना पड़ता है। अतः मेरा अनुरोध रहेगा कि इन सभी स्कूल्ज को अपग्रेड किया जाए। इसी तरह से राजकीय माध्यमिक पाठशाला रामपुर पसवांला का दर्जा बढ़ाकर इसको राजकीय उच्च पाठशाला किया जाए। इसके अतिरिक्त राजकीय प्राथमिक पाठशाला सलैंहड़ा और बकौंटा का दर्जा बढ़ाकर इनको माध्यमिक पाठशाला बनाया जाना चाहिए। यहां पर बजट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान प्रदेश में 30,000 नौजवानों को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। मैं यहां पर अपने हलके की बात करना चाहता हूं कि पिछले चार वर्षों के दौरान हमारे वहां किसी भी नौजवान को रोजगार नहीं मिला। मैं यहां पर यह बात कहना चाहता हूं कि यदि सरकार सच में प्रदेश के 30,000 नौजवानों को रोजगार देना चाहती है तो रोजगार आबंटन करने का तरीका सब डिवीजन लैवल या निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर अपनाया जाए ताकि ऐसा न हो जैसे यहां पर अकसर कहा जाता है कि प्रदेश के केवल दो निर्वाचन क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है। मेरा यह अनुरोध है कि प्रदेश के सभी 68 विधान सभा क्षेत्रों के

युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। इसमें किसी की सिफारिश को नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि बच्चे की योग्यता के आधार पर रोजगार दिया जाना चाहिए। वर्तमान बजट में हमारी विधायक निधि 1.80 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये की गई है, हम इसके लिए मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं। इसके अतिरिक्त ऐच्छिक निधि जो कि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये की गई है; इसके लिए भी हम मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं। विधायक निधि से जो शहीदों के सम्मान हेतु द्वार बनाने का अधिकार

05-03-2022/1650/av/dc/2

दिया गया है यह सरकार की ओर से एक बहुत ही महत्वपूर्ण फैसला किया गया है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र से भी एक व्यक्ति सेना में शहीद हुआ था और मैं वहां पर गेट बनाने के लिए 2 लाख रुपये की अनाउंसमैंट करके आया था। लेकिन बाद में डी0सी0 ने वह राशि देने के लिए मना कर दिया कि इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि आपने यह बहुत ही अच्छा निर्णय लिया है और मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। इसके अतिरिक्त पंचायत के प्रधान, उप प्रधान, पंच, सरपंच और जिला परिषद के अध्यक्ष, एम0सी0 के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कॉर्पोरेशन्ज के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन इत्यादि के मानदेय में जो बढ़ोतरी की गई है; मैं उसके लिए भी आपका धन्यवाद करता हूं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यदि हम यहां पर इस प्रकार की बातें करेंगे कि पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया तो मुझे लगता है कि यह व्यावहारिक नहीं है। हमारी पिछली कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में भी ऐसी बहुत सारी योजनाएं शुरू की गई थीं जो प्रदेश में अभी भी चल रही हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्या श्रीमती कमलेश कुमारी भाग लेंगी।

(अनुपस्थित)

अब इस माननीय सदन की बैठक सोमवार, दिनांक 7 मार्च, 2022 के 02.00 बजे (अपराह्न) तक स्थगित की जाती है।

दिनांक : 05 मार्च, 2022 **यशपाल शर्मा**

शिमला-171004 **सचिव**